भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

मई 2017

खंड 71 अंक 5

संपादन समिति
जनक राज
ब्रजमोहन मिश्रा
गौतम चैटर्जी
अमिताभ सरदार

संपादक
सुनील कुमार

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादन समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित लेख में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2017

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः प्रयोग की अनुमति है,
बशर्ते कि स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन के सदस्यता शुल्क के लिए कृपया "भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के महत्त्वपूर्ण प्रकाशन" खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को इंटरनेट के माध्यम से **http://www.bulletin.rbi.org.in** पर भी देखा जा सकता है।

विषयवस्तु

भाषण

बैंक कुछ ऐसा होना चाहिए जिसपर भरोसा किया जा सके
विरल वी. आचार्य 1

लेख

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों
की वित्तीय स्थिति, 2015-16 9

गैर-सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय और निवेश कंपनियों के
निष्पादन, वर्ष 2015-16 19

यूनियन बजट 2017-18 : एक मूल्यांकन 37

वर्तमान सांख्यिकी **47**

हाल के प्रकाशन **86**

भाषण

बैंक कुछ ऐसा होना चाहिए जिसपर भरोसा किया जा सके
विरल वी. आचार्य

*बैंक कुछ ऐसा होना चाहिए जिसपर भरोसा किया जा सके**

विरल वी. आचार्य

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्री - फिक्की लेडीज आर्गनाइजेशन (एफ़एलओ) मुम्बई चैप्टर के प्रति मैं आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे आज यहां बोलने के लिए आमंत्रित किया। मैं एफएलओ के इस मिशन को सलाम करता हूँ और पदभार संभालने जा रहे लोगों द्वारा महिलाओं को सशक्त और शिक्षित करने के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ, इससे भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संभावित वर्क फोर्स मिलेगी जो कार्यो में जेन्डर वितरण को संतुलित करेगी तथा उद्यम और उद्यम-शीलता के नए स्रोतों का निर्धारण करेगा। मैं आशा करता हूँ कि आज मैं बैंकों द्वारा अर्थव्यवस्था मैं निभाई जानेवाली महत्वपूर्ण भूमिका को स्पष्ट करूंगा तो यह भी इस दिशा मैं एक छोटा सा योगदान होगा, समूचा फूल न सही उसकी पंखुडी ही सही, लेकिन इससे महिला कार्मिकों, शिक्षकों और उद्यमियों द्वारा की जानेवाली वित्तीय आयोजना में सहायता मिलेगी।

मैं इस व्यवस्था को सरल रूप में बताने की कोशिश करूंगा कि बैंक किस प्रकार से कार्य करता है. हम अपनी बचत बैंक में क्यों रखते है, बैंक हमारी बचत का क्या करते हैं, हम जिस बैंक से व्यवहार करते हैं उस पर हमें सवाल कब उठाना चाहिए और जब ऐसे सवाल सारी जनता के तरफ से उठने लगें तो क्या बैंक पर कोई संकट होता है और आर्थिक प्रगति अचानक रुक जाती हैं। इसके बाद मैं भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की वर्तमान हालत के निहितार्थों पर ध्यान दिलाते हुए इसे ठीक करने के कुछ तरीकों का सुझाव दूंगा।

मैं जो कुछ भी कहना चाहता हूँ उसे एक लाइन के संदेश के तौर पर कुछ इस तरह कहा जा सकता है - "**बैंक कुछ ऐसा होना चाहिए जिसपर भरोसा किया जा सके**, - इसके पीछे असल मतलब भी छिपा हैं - कि किसी पर भरोसा किया जाए, यह कथन साख का है विश्वास का है, भरोसे का है - कुछ ऐसी चीज जो विवेक सम्मत चुनाव करने के लिए किसी भी बैंक को समय के साथ-साथ अर्जित करनी ही चाहिए।

इसे समझने के लिए हमें सबसे पहले तीन सामान्य अवधारणाओं को देखना होगा - **बैंक डिपॉजिट क्या हैं, बैंक ऋण क्या हैं, और यह कि जमाकर्ताओं द्वारा बैंक डिपॉजिट की माँग तो तत्काल हो सकती है, लेकिन हो सकता है कि बैंक से उधार लेने वाले ठीक उसी समय अपना कर्ज नहीं चुका पाएँ।**

चलिए अब धीरे-धीरे आगे देखते हैं।

बैंक डिपॉजिट क्या हैं ?

एकदम सरल रूप मे कहें तो मेरा बैंक डिपॉजिट मेरी बचत की वह रकम हैं, जो मैंने नुक्कड़ वाले बैंक में अपने खाते मे जमा की हैं। एक बार डिपॉजिट खाता खोलने के बाद मैं अपनी जितनी बचत जमा करता हूँ उतनी रकम अपनी मर्जी से निकाल सकता हूँ। डिपॉजिट ऐसी रकम हैं जो मैंने बैंक पर बकाया रखी हैं, दूसरे शब्दों में कहें तो यह बैंक की देनदारी हैं।

अहम बात यह हैं कि जमाराशियों को फौरन ही निकाला जा सकता है। मुझे बैंक के ATM तक या बैंक के टैलर के पास जाना होगा, और अपनी रकम की माँग करनी होगी- मेरा पैसा मुझे दीजिए। मुझे ऐसा करने की जरूरत ही क्यों हुई? बैंक डिपॉजिट तो ऐसी जगह हैं जहाँ मैं मुसीबत के वक्त काम आने के लिए बचत करता हूँ - मेरी सेहत पर होने वाले खर्चे, ट्यूशन फीस, मेरी रोजमर्रा की जरूरतें। इनमें से कुछ जरूरतों का अनुमान लगाया जा सकता हैं, जब कि कुछ कभी-कभार ही होती हैं; हर बार जब हम ATM से पैसे निकालते हैं या चेक लिखते है या वायर ट्रांस्फर करते हैं, तो बैंक से अपने पैसे की मांग करते हैं। हर अवसर पर हम अपना पैसा वापस नहीं मागते कई बार अपने डिपॉजिट में से ही रकम को आगे भेज देते हैं।

इस प्रकार से बैंक डिपॉजिट वह बचत है जो हम बैंक में रखते हैं। मुझे भरोसा है कि यह सुरक्षित है और जब चाहू तब माँग सकता हूँ। इस पर ब्याज कम है फिर भी मैं खुश हूँ क्योंकि मुझे जब चाहूं तब नकदी मिल सकती है। मैं अपने रोजमर्रा की और कभी-कभार होने वाले भुगतानों की जरूरतों को इनसे पूरा कर सकता हूँ।

---

28 अप्रैल 2017 को फिक्की लेडिज आर्गनाइजेशन, मुंबई में डॉ.विरल वी. आचार्य, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिया गया भाषण।

* मैं भारतीय रिज़र्व बैंक के अपने साथियों और टीम को इस विषय पर विचार-विमर्श करने एवं उनके विचारों के प्रति, बैंकिंग क्षेत्र के मौजूदा एवं पूर्व के निष्ठावान साथियों के प्रति और इस क्षेत्र के अनेक पेशेवरों एवं नीति- निर्माताओं के प्रति तथा बैंकों की दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान से संबंधित संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। इनमें सभी त्रुटियां मेरी है।

बैंक ऋण क्या हैं ?

मेरी तरह के बहुत से जमाकर्ता हैं जो बैंक मैं अपनी बचत रखते हैं। इस तरह देखें तो बैंक एक सुरक्षित तिजोरी या भंडारण तकनीक है। हालांकि ज्यादातर समय जमा रकम को निकाला नहीं जाता है, बल्कि इधर-उधर कर दिया जाता हैं। जब इन्हें निकाला जाता है तब भी सभी जमाराशियाँ एक-साथ तो निकाली नहीं जाती हैं। उदाहरण के लिए मेरे और मेरे पड़ोसी के लिए इलाज का खर्च एक साथ तो नहीं ही होगा। दूसरे शब्दों में कहें तो बैंक में काफी बचत ऐसी होती है जो निष्क्रिय पड़ी रहती है।

अब हम अर्थव्यवस्था में उन लोगों को दृश्य में लाते हैं जो संभावित उधारकर्ता हैं। एक बुद्धिमान युवती सफल सलाहकार है, और वह अपना कारोबार खड़ा करना चाहती है। उसे अपनी बचत से कहीं ज्यादा धन चाहिए ताकि अपनी कल्पना को साकार कर सके। अभी-अभी एक नई इमारत बनके तैयार हुई है और बहुत से युवा-दम्पति, पहली बार घर खरीदने वाले, उसी इमारत में घर खरीदना चाहते हैं। एकमुश्त रकम चुकाने की उनकी अपनी सीमा है लेकिन शेष रकम लेना चाहते हैं, जिसे वे अपने जीवनकाल में चुका सकें। बुजुर्गों के किसी परिवार को लम्बी बीमारी में इलाज के लिए पैसे चाहिए। वे अपनी बचतों में से खर्च को पूरा नहीं कर सकते लेकिन उनके पास कुछ प्रापर्टी है जिसके बदले मे वे उधार लेना चाहते हैं।

ये सभी संभावित उधारकर्ता धन-संबंधी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक की शाखा में जा सकते हैं। इन लोगों और परिवारों की ऋण चुकौती क्षमता को देखते हुए, बैंक इन्हें कर्ज देते हैं, इसके लिए यथासमय चुकौती और यदि किसी कारण से चुकौती नही हो पाए तो जमानत के तौर पर दी गई प्रापर्टी और परिसम्पत्तियों को कुर्क कराने का दावा करने के लिए करार पर भी हस्ताक्षर कराए जाते हैं। ये ऋण बैंकों की परिसम्पत्तियाँ होते हैं।

बैंक डिपॉजिट की तुलना में इनकी ब्याज दर अधिक होती है, और यही बैंकिंग करोबार की एक आकर्षण प्रदान करता है।

मांग पर लौटाई जाने वाली जमाराशियाँ अल्प काल के लिए; बैंक ऋण लम्बे समय के लिए होते हैं :

इस प्रकार से बैंक आकार लेता है। इसकी बैलेंस शीट में दाहिनी तरफ डिपॉजिट के रूप में देयताएं होती हैं, जिन का भुगतान जमाकर्ता के माँगने पर अवश्य करना होता है; और बैलेंसशीट में बाँए तरफ बैंक ऋणों के रूप में इसकी परिसम्पत्तियाँ होती है, जिनकी चुकौती बैंक निर्धारित समय पर ही करने के लिए कह सकता है।

इस व्यवस्था को अपनाते हुए बैंक द्वारा परिपक्वता परिवर्तन का आर्थिक कार्य पूरा किया जाता है। जमाराशि की माँग किसी भी समय संभावित हैं, इसी जमाराशि को दीर्घ-कालीन बैंक ऋण के रूप में वित्तीय मध्यस्थों के माध्यम से उधार दिया जाता है, और कई मौकों पर इसकी चुकौती प्राप्त नहीं होती।

और फिर ..... इस व्यवस्था कि खूबसूरती यह है कि ज्यादातर समय यह काम कर जाती है। जिस दिन मुझे दवाओं के बढ़े हुए खर्च को पूरा करने के लिए बैंक से पैसे निकालने पड़ते हैं, संभव है कि उसी दिन मेरे पड़ोसी और अन्य लोगों को महीने की तनख्वाह मिली हो और उसका कुछ हिस्सा तो बैंक में रहता ही है या उसी दिन किसी कर्ज की चुकौती मिली हो, इनसे बैंक का सेविंग-पूल बढ़ जाता है, जिनकी मदद से मेरे डिपॉजिट की निकासी हो पाती है।

इसके पीछे नए कारोबारियों को, पहली बार घर खरीदने वालों और बुजुर्गों को भी धन प्रदान किया जाता है। उनकी वचनबद्धताएँ नए करोबारों, निर्माण और सीमेन्ट उद्योग, मेडिकल सेवाओं और अस्पतालों में नौकरियों के रूप में आर्थिक क्रियाकलाप का द्वितीय-चक्र सृजित करते हैं। इन कामों में लगे हुए लोगों की बचत करने उधार लेने की अपनी अलग जरूरतें होती हैं जिनके लिए वे अपने बैंकों से व्यवहार करते हैं।

इस प्रकार से बैंकिंग किसी भी अर्थव्यवस्था का जीवन-तत्व होती है, जो माँग पर देय जमाराशियों के रूप में बचत की बैंक ऋणों या बैंक क्रेडिट के रूप में उधार देने का काम

करके विकास को गति और सहजता देते हुए प्रत्येक के कल्याण को बढ़ावा देती है।

मैंने जितना अब तक बताया है, यदि बैंकिंग ऐसी ही शांति से काम करे तो केंद्रीय बैंकरों सहित हम सभी का जीवन बड़ा ही सरल रहे। लेकिन, दर असल में इतना अच्छा हो नहीं पाता है। इसमें जोखिम हैं, और इन जोखिमों को निपटने के उपाय भी हैं, फिर भी यदाकदा बैंकिंग संकट होते रहते हैं। अब हम अगली बात पर आते हैं।

परिपक्वता संपरिवर्तन से क्या जोखिम होते है और बैंक इनसे कैसे निपट सकते हैं?

यदि ऐसा संयोग बने कि किसी बैंक को धन निकासी के बहुत से अनुरोध मिलें तो क्या होगा? इसके कारोबार में एक महामारी फैल जाएगी, हो सकता है वह बैंक किसी ऐसे समुदाय की सेवाएं दे रहा हो जो अक्षय तृतीया पर सोना खरीद रहा हो; या खेतीबाड़ी करने वाले समुदाय के पास खराब मानसून के कारण धन की कमी हो गई हो, और अपेक्षित मात्रा में जमाराशियाँ नही आ पाएँ।

ऐसी दशा में, जब बहुत से जमाकर्ताओं को एक साथ अपना धन निकालने की जरुरत आ पड़े, तो बैंक के सामने परिपक्वता से परिवर्तन का जोखिम आ जाता है। संयोंगवश धन की मांग को देखते हुए नई जमाराशियों और विद्यमान ऋण चुकौतियों के आधार पर धन निकासी का निपटान करना संभव नहीं हो पाता है। ऐसे जोखिमों से निपटन के लिए बैंक के पास क्या विकल्प हैं, ताकि बैंक अपने जमाकर्ताओं को धन प्रदान करना निश्चित करके उनके भरोसे को बनाए रख सके।

अब मैं संक्षेप में तीन संकल्पनाओं का उल्लेख करना चाहूँगा - **बैंक नकदी, बैंक की पूँजी और अन्तर बैंक बाजार**।

बैंक की नकदी

एक साधारण सी बात है, कि बैंक को कर्ज देने में अपनी सारी जमाराशियाँ लगाने की जरूरत नहीं है। यह कुछ जमाराशियों को पूरी तरह से रिजर्व के तौर पर या बफर के तौर पर रख सकता है, ताकि जमाराशियों की निकासी में अनपेक्षित संयोगों से निपटा जा सके। बैंक की ऐसी नकदी का लाभ यह है कि जब तक धन निकासियों की मात्रा इस रिजर्व से कम रहेगी तब तक यह त्रुटिहीन बचाव है। इसकी लागत यह आती है कि अपनी जमाराशियों के बल पर बैंक कर्ज नहीं दे पाते हैं, और आर्थिक क्रियाकलापों से समझौता करना पड़ता है।

बैंक की पूँजी

एक दूसरा तरीका यह है कि बैंक जो कर्ज़ देते हैं उसके लिए फंड की व्यवस्था सिर्फ अपने पास मौजूद देयताओं से ही नही करें। ये देयताओं के ऐसे प्रकार भी तैयार करें जो माँग पर देय नहीं हो जाते। उदाहरण के लिए बचत की जरूरतों के अलावा बैंक अपनी पूँजी लगा सकते हैं। बड़ा बैंक चाहे तो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होकर सार्वजनिक इक्विटी भी जुटा सकता है। इसी प्रकार बैंक के समग्र आकार को देखते हुए जमाराशियों की अप्रत्याशित निकासी और इसे प्राप्त होने वाली ऋण चुकौतियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है।

बैंक की ऐसी पूँजी को लाभ से मजबूत किया जाता है; दिए गए कर्ज़ पर मिलने वाले ब्याज में से जमाराशियों पर दिए जाने वाले ब्याज और परिचालन लागत को घटाकर लाभ तय किया जाता हैं। यदि बैंक अप्रत्याशित धन-निकासी का सामना करता है तो सुरक्षा का पहला स्तर बैंक की अपनी पूँजी होती है; बैंकर अपने बैंक से कम बोनस ले सकते हैं, बैंक इक्विटी पर दिए जाने वाले लाभांश की अस्थायी रूप से स्थगित किया जा सकता है; और वस्तुतः बैंकर और इक्विटी धारक लोग इसे प्रत्याशा में और भी धन लगा सकते हैं कि भविष्य में होने वाले लाभों से इन सबके बावजूद ऐसी पूँजी लगाना उनके लिए लाभप्रद होगा।

अंतर बैंक बाज़ार

बैंक के लिए इससे भी अधिक गूढ़ तरीका है कि जरुरत पड़ते ही अन्य बैंकों (अधिक सामान्य रूप से कहें तो अन्य वित्तीय मध्यस्थों) से नकदी हासिल करने का प्रयास किया जाए। उस इलाके के सभी बैंक इसी महामारी या प्राकृतिक आपदा से प्रभावित नहीं हो जाते हैं। जब तक इन बैंकों को यह भरोसा है कि नकदी की जरूरत जिस बैंक को है, उसकी यह जरूरत अस्थायी है लेकिन उसके पास अन्य प्रकार से दीर्घावधि आस्तियां उच्च कोटि की हैं तो वे जरूरतमंद बैंक

को अपनी नकदी अतिशेष में से कुछ उधार दे सकते हैं। यह **अंतर-बैंक डिपॉजिट** होगा। ऐसा भी हो सकता है कि अतिशेष रखने वाला बैंक अपने धन को डिपॉजिट करने को तैयार नहीं हो लेकिन जरूरतमंद बैंक की कुछ आस्तियों को खरीदना चाहता हो, तो **आस्तियों की बिक्री के लिए अंतर-बैंक बाज़ार का सृजन करते हैं**। इसकी चरम स्थिति यह होगी कि अतिशेष रखने वाला बैंक जरूरतमंद बैंक की सभी देयताओं को स्वीकार करले और बदले में पूरे बैंक का अधिग्रहण करे, इस प्रकार **अन्तर-बैंक समामेलन** का बाजार तैयार हो जाएगा।

अब यह स्पष्ट हो गया होगा कि परिपक्वता संपरिवर्तन के जोखिम से निपटने के कई उपाय हैं, ऐसा जोखिम जब जमाराशियों की तत्काल माँग आ जाती है, जबकि आस्तियों से पूरी चुकौती अभी हुई नहीं है। आस्तियाँ जितनी अधिक बेकार गुणवत्ता की होंगी कोई बैंक अप्रत्याशित धन निकासी को पूरा करने के लिए अपनी आस्तियों से मिलने वाले नकदी प्रवाहों पर उतना ही कम निर्भर रहेगा, और नगदी तथा पूँजी के रूप में इसे पहले ही से व्यवस्था अवश्य रखनी होगी। इसके उपाय - नकदी, पूँजी और अन्तर बैंक बाजार - परस्पर निवारक नहीं होते हैं, यद्यपि वे एक दूसरे को स्पष्ट तौर पर प्रभावित करते हैं, और कई बार तो एक-दूसरे की तुलना में अधिक आकर्षक होते हैं।

जोखिमों से निपटने के ऐसे उपायों के बावजूद क्या हम हमेशा अपने बैंक पर भरोसा नहीं कर सकते हैं?

एक संभावना यह है कि बैंक कुछ इक्विटी पूँजी जुटा ले और अपनी कुछ नकदी बनाए रखे। एक बार जमाकर्ताओं को यह पता चल गया तो वे यह समझ जाते हैं कि उनकी निकासी का भुगतान केवल तभी मिलेगा जब बैंक नकदी जुटाने के लिए अंतर बैंक बाजारों का प्रयोग कर सकता हो। जैसा मैंने बताया था यह केवल तभी संभव हो सकेगा जब भविष्य में अंतरबैंक लेनदेन की चुकौती के लिए बैंक की आस्तियों की गुणवत्ता संदेहजनक है तो क्या होगा, क्योंकि बैंक ने अपने धन को ऐसे दांव पर लगा रखा हैं कि यदि उस दांव से फायदा नहीं हुआ तो जमाकर्ता की रकम जोखिम मे पड़ जाएगी। यहाँ तक कि यदि आस्ति की गुणवत्ता पूरी तरह संदेहजनक नही है तो भी अंतरबैंक बाजार में ही अकाल पड़ जाने पर क्या होगा? और ऐसा हो सकता है यदि वास्तव में कोई मज़बूत बैंक नहीं हो, यह केवल कुछ ही मज़बूत बैंक हों, क्योंकि ज्यादातर बैंकों ने अर्थव्यवस्था की बचत को अविवेकी ढंग से दाव पर लगा दिया हो।

प्रणालीगत आघात, बैंक-रन, वित्तीय अमध्यस्थन

अगर कहें कि आर्थिक सुनामी जैसे कि मकानों की कीमतों में भारी गिरावट हो जाए या विश्वव्यापी स्तर पर आर्थिक गिरावट हो या बहुत से आर्थिक क्षेत्रों में कामकाज कमजोर हो जाए और बैंकिंग प्रणाली को प्रभावित करे, और बैंक भी एकदम कगार पर खड़े रहकर भारी जोखिम का सामना करने लगे, तो इसकी आस्तियों का बहुत बड़ा हिस्सा एकदम जोखिम में पड़ जाएगा, ऐसे में अप्रत्याशित रूप से जमाराशियों की बड़ी निकासी को पूरा कर पाना किसी बैंक के लिए कठिन होगा। इससे भी खराब तब होता है, जब कुछ जमाकर्ताओं को बैंक भुगतान देना शुरू कर देता है, और दूसरे जमाकर्ताओं को यह डर सताने लगता है कि बैंक की नकदी कम होती जा रही है और उनकी बचत जोखिम में है क्योंकि निहित आस्तियाँ या तो सुरक्षित नहीं है या अन्तरबैंक बाजार में पर्याप्त रूप से नकद में बदल जाने योग्य नही हैं। अब ये जमाकर्ता भी अपनी जमाराशियों की मांग करना शुरू कर देंगे। ऐसे में बैंक 'रन' शुरू हो जाता है। किसी एक बैंक पर ऐसे 'रन' से आस्ति-गुणवत्ता का संकेत प्रकट होते ही, खासकर एक जैसी आस्तियों वाले बैंकों पर पूरी तरह से बैंकिंग संकट हावी हो जाता है।

जब ऐसा होता है तो समूची बैंकिंग प्रणाली के अमध्यस्थन का जोखिम हो जाता है वित्तीय लेनदेन के भुगतान और निपटान रुक सकते हैं; बैंकों के तुलनपत्र में यह क्षमता नहीं रह जाती कि नए कारोबारियों को, पहली बार घर खरीदने वालों और बुजुर्ग परिवारों को नए कर्ज दे सके; इस प्रकार आर्थिक क्रियाकलाप ठप हो सकते हैं। आस-पास बैंक तो है लेकिन अर्थव्यवस्था का प्राण तत्व बैंकिंग नहीं हैं जो बचत को उत्पादक कार्यों और रोजगार-सृजन में लगा सके।[1]

[1] रोचक बात यह है कि किसी उधारकर्ता द्वारा कर्ज की चुकौती में की जाने वाली चूक की स्थिति को बताने के लिए प्रयुक्त 'bankruptcy' शब्द इटेलियन के 'banca rotta' से बना है, जिसका अर्थ होता है 'टूटा हुआ बैंक', यह ऐसी स्थिति को बताता था जब किसी बैंक के जमाकर्ता जेनोवा गणराज्य में बेन्च या काउन्टर को तोड़ डालते थे, खासकर तब जब जमा रकम की निकासी की मांग को बैंकर पूरा नहीं कर पाते थे।

वर्तमान भारतीय संदर्भ

अब मैं दूसरी तरफ बढ़ता हूँ कि वर्तमान भारतीय संदर्भ में इसका क्या आशय है। सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मैं यह उल्लेख करना चाहूँगा कि अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी ग्लोबल फिनानशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट में निम्नलिखित विशिष्ट तथ्य सामने लाए गए हैं:

1. अपने बैंक के ऋण की चुकौती के लिए नकदी प्रवाह की दृष्टि से अक्षमता को देखें तो इस समय भारतीय उद्योग क्षेत्र विश्व के सर्वाधिक ऋणग्रस्तों में हैं;[2] और

2. अपनी आस्तियों पर हानियों के लिए अर्थात मुख्य रुप से औद्योगिक क्षेत्र को दिए गए गैर-निष्पादक कर्जों पर; प्रावधान कितनी कम पूँजी अलग रखी है इस दृष्टि से देखें तों अन्य उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति बदतर है।[3]

हानियों के लिए प्रावधान के रुप में बैंक की थोड़ीसी पूँजी है - इसका क्या आशय है? मैं इसे इस प्रकार स्प्ष्ट करता हूँ। अपने ऐसे कर्ज जिनके बारे में कमोबेश यह जानकारी है। कि इन पर हानि होने वाली है, और उसके लिए भी वह बैंक पर्याप्त पूँजी भंडार नहीं रखे वह ठीक उस व्यक्ति की तरह से है जिसने आपातकाल के लिए कोई व्यवस्था नहीं कर रखी हो और वह किसी ऊँची इमारत से फिसल कर नीचे गिरते समय यह सोचे कि आज इस प्राण घातक यात्रा के दौरान शायद गुरुत्वाकर्षण का नियम बदल जाए। यद्यपि पर्याप्त प्रावधान नही करने की यह समस्या कुछ निजी बैंकों में भी घुस चुकी है, तथापि सरकारी क्षेत्र के बैंकों के मामले मे यह समस्या तीन या चार गुना विकराल है।

कुल मिलाकर बैंकिंग और बैंकिंग संकटों के बारे में जो वर्णन मैंने किया है वह् दृश्य प्रतिकूल परिस्थितियों का द्योतक है। लेकिन हमारे संदर्भ में कई सवाल फौरन ही दिमाग में आते हैं। मुझे इस बारे में चिन्ता क्यों करनी चाहिए कि जब मेरे डिपॉजिट का बीमा सरकार ने कर रखा है तो क्या मैं अपने बैंक पर भरोसा कर सकता हूँ? और यह भी, कि जब मेरे डिपॉजिट तो सरकारी-स्वामित्व से बैंक में है? मुझे अपने बैंक की आस्तियों की गुणवत्ता की चिन्ता क्यों करनी चाहिए?

जमा-बीमा और बैंक के सरकारी स्वामित्व की दुधारी तलवार

इन सवालों का जवाब देना अहम है ताकि समझा जा सके कि हमारे बैंकिंग क्षेत्र की समस्याएँ किस प्रकार सामने आनी संभावित हैं। जब तक मैं जमा-बीमा और सरकारी क्षेत्र के बैंकों के पीछे सरकार की गारंटी पर भरोसा करता हूँ तब तक ऐसा कोई कारण नहीं दिखाई देता कि बीमित जमा या सरकारी स्वामित्व वाले बैंक में से अपनी जमा रकम निकालूँ। ध्यान देने की बात यही है। यदि बैंक की सेहत ठीक नहीं है तो यह संभावित उधारकर्ताओं को प्रभावित करता ही हैं। एक बार किसी बैंक की आस्तियों की गुणवत्ता पर्याप्त रूप से बेमेल हो जाए तो बैंक नए कर्ज देकर अपनी कर्जदायी बहियों में बढ़ोतरी नहीं करता है। पतली पूँजी वाले बैंक का प्रबंधन वर्ग मुख्य तौर पर दो ही प्रकार के कर्जे देने में रुची लेता है। पहला, अपने विद्यमान अशोध्य ऋणों को ही सदाबहार बनाना अशोध्य रकम के पीछे और रकम फेकना, ताकि उधारकर्ता को पिछले कर्ज चुकाने में मदद मिले, कर्ज की वास्तविक गुणवत्ता पर ध्यान नहीं देते और बस अपना बीमा किसी और के सिर पर डाल देते हैं। दूसरे, जोखिमपूर्ण कर्ज जो बैंकों को बड़ा प्रतिलाभ देते हैं, ताकि अपनी पूँजी को तेजी से मजबूत बनाने का अंतिम प्रयास कर सके - ठीक वैसे ही जैसे किसी कैसीनो में जुए के पहले दौर में हारने के बाद दोगुना दाव लगा दिया जाए। उधार लेने की ऐसी संभावनाओं को सामने देख अच्छे उधारकर्ता, जिन्हे वित्त प्राप्त करने के वैकल्पित रूप मिल रहे होते हैं, वे बैंकों से उधार लेना त्याग देते हैं। हालांकि वित्तीय मध्यस्थन का विकास क्षीण गति से संभावित हो सकता है, और मैंने अभी जिनकी तारीफ की है उन जैसे सुपात्र उधारकर्ता ऋण पाने से वंचित रह जाते हैं।

विडम्बना यह है कि बैंक-रन की संभावना नहीं हो, यह सुनिश्चित करने के लिए जमा-बीमा और सरकारी स्वामित्व के विशाल सुरक्षा-जाल की मौजूदगी उस अनुशासन बल को कमजोर करती है जो बैंक की सेहतकी ऐसी हालत में ले जाता

[2] आरेख 1.15 ग्लोबल फिनानशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट, अप्रैल 2017

[3] तालिका 1.2 ग्लोबल फिनानशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट, अप्रैल 2017

है, जहाँ कोई अर्थव्यवस्था अपने बैंकों पर इतना भरोसा कर सके कि वे विकास की उर्जा और सहजता देने का कार्य पूरा कर सकते हैं। जमा-बीमा और सरकारी स्वामित्व बीमार बैंक को बचाने में मदद कर सकते हैं लेकिन अच्छी सेहत का गारंटी नहीं ले सकते; वे वित्तीय अस्थिरता से बचाव कर सकते हैं, लेकिन संवृद्धि को उस स्तर तक नहीं ले जाते जो गतिशील अर्थव्यवस्था चाहती है।

दरअसल, हाल ही में विश्वव्यापी अनुभव से प्रकट हुआ है कि सरकारों को इस बारे में सजग रहना होगा कि कैसा भी बड़ा सुरक्षा-जाल हो वह इसके लिए प्रावधान करने हेतु सरकार की क्षमता पर ही बोझ डालता है। आयरलैन्ड और स्पेन जैसे देशों ने अपने-अपने बैंकिंग क्षेत्र की समस्याओं के लिए सन 2008 में बैंक-डिपॉजिट और अन्य देयताओं के लिए बड़ी मात्रा में गारंटी प्रदान करने का कार्य किया। हालांकि इसका अंत सत्यानाशी जीत में हुआ, क्योंकि बैंकों के तुलनपत्रों में मुसीबत आई सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में देनदारियाँ बढ़ गईं, ये देनदारियाँ सेहतमन्द से हटकर संदेहास्पद दायरे में आ गई और सरकार पर ऋण-संकट शुरु हो गया।

बैंक हेड समाधान विकल्प

इसका प्रयोजन ऐसी आकस्मिक स्थिति से बचना है जो सरकारी क्षेत्र के कमजोर बैंकों को सुधारने के सृजनात्मक तरीकों के कारण हो सकती हैं; मैं तो यही कहना चाहूँगा कि इन बैकों को सिर्फ सरकारी सहायता से ही आगे नहीं बढाया जाए।[4]

अब मैं विस्तार से बताना चाहूंगा। सरकारी क्षेत्र के बैंकों को फिर से पूँजी देने के लिए ज्यादा से ज्यादा सरकारी वित्त देने की चीख-पुकार हमें सुनाई देती रहती है। साफ है कि सरकारी वित्त से अधिक पूँजी देते रहना अनिवार्य है। हालांकि सरकारी क्षेत्र के बैंकों के अधिकांश शेयर अपने पास रखने के कारण सरकार को इसकी चुकौती का जोखिम भी लेना ही पड़ जाता है। सरकार से खैरात मिलने की आशा विगत से चली आ रही परिपाटी से भी बँध जाती है कि अशोध्य रकम के पीछे कुछ और रकम झोंक दी गई थी। उदाहरण के लिए विश्वव्यापी वित्तीय संकट के बाद 2008-09 में बैंकों को फिर से पूँजी देने की हमारी योजना ही देख लीजिए - जिन बैंकों ने सबसे बुरी मार झेली सापेक्षिक रूप मे उन्हें ही सर्वाधिक पूँजी मिली। इनमें से अधिकांश बैंकों को अब फिर से पूँजी चाहिए।

हमें इतने बेकार तरीके के पूँजी नहीं देनी चाहिए, जिसमें 'चित आया तो मैं जीता, पट आया तो करदाता हारा' जैसी बात नहीं हो, नहीं तो कर्ज देने के आधिक्य के बीज पड़ जाएंगे। इसे करने के बेहतर तरीके भी हैं। मैं पाँच विकल्प बताना चाहूँगा -

1. **निजी पूँजी जुटाना -** सन 2013 में डीप डिस्काउंट राइटस का निर्गमन करके सरकारी क्षेत्र के मजबूत बैंकों द्वारा निजी पूँजी जुटाई जा सकती थी, और कुछ तो अभी भी यह कर सकते है। उनसे यह करना अवश्य ही अपेक्षित होना चाहिए ताकि बैंकों को फिर से पूँजी देने के लिए सरकार पर पड़ने वाले बोझ को बांटा जा सके। कुछ अनुशासन के लिए यह अच्छा तरीका हो सकता है, साथ ही कर्ज देने के निर्णयों की गुणवत्ता के बारे में अधिक गंभीर सावधानी बैंक के शेयर-धारकों, बोर्ड और प्रबंधन-वर्ग द्वारा रखी जाए।

2. **आस्ति विक्रय -** कुछ बैंकों के पास ऐसी आस्तियाँ अथवा लोन - पोर्टफोलियो होंगे जो बाजार में बेचे जाने के लिए पर्याप्त अछी दशा में हों। आधुनिक बैंकों के द्वारा अब केवल बैंक-ऋण ही नहीं दिए जाते बल्की उनके पास अप्रमुख आस्तियाँ भी होती हैं - जैसे कि बीमा अनुषंगियाँ, मार्केट-मेकिंग प्रभाग, विदेशी शाखाएँ आदि। ऐसी अप्रमुख आस्तियाँ तत्काल बेची जा सकती हैं। अन्य आस्तियों का संग्रह दूसरे बैंकों में किया जा सकता है, और इनको अलग-अलग जोखिम प्रोफाईल में व्यवस्थित किया

[4] इस भाषण में मेरे अपने ही भाषण "बैंक को दबावग्रस्त आस्तियों के कुछ तरीके" में बैंकों की स्थिति भी ठीक करने निर्णायक समाधान के कुछ अंश दिए गए हैं, यह भाषण17 फरवरी 2017 को भारतीय बैंक संघ द्वारा आयोजित बैंकिंगटेक्नोलॉजी सम्मेलन, होटल ट्राइडेंट, नरीमन प्वाइंट, मुम्बई में दिया गया था|

जा सकता है, ताकि मजबूत बैंकों और अन्य मध्यस्थों के साथ पारदर्शिता और भरोसा कायम रहे तथा वे इन्हें खरीदने भी रुचि बनाए रहें। आस्तियों की बिक्री जरूरी पूँजी का कुछ हिस्सा जुटा सकती है।

3. **समामेलन -** जैसा कि बहुत से यह इशारा कर चुके हैं कि सरकारी क्षेत्र के इतने सारे बैंकों की जरूरत हमें स्पष्ट नहीं हो पा रही है। यह प्रणाली बेहतर हो जाएगी यदि इन्हें कुछ कम लेकिन स्वस्थ बैंकों में समेकित कर दिया जाए। वैसे भी सामाजिक -स्तर पर बैंकिंग प्रदान करने के लिए हमारे पास सहकारी बैंक और सूक्ष्म - वित्तदाता संस्थाएँ हैं। जब भी जरूरी हो तो एक संयोजित संस्था में, सरकारी पूँजी डालने की व्यवस्था के स्थान पर कुछ बैंकों का समामेलन किया जा सकता है। इससे ऐसा अवसर मिलेगा कि प्रबंधन दायित्व को अल्प-निष्पादकों या सर्वाधिक फंसे हुओं से अलग करके फिर से व्यवस्थित किया जाए। मध्यस्थन लागतों को किफायती बनाने के लिए कर्ज देने के क्रियाकलापों को सहक्रियात्मकता और शाखाओं के लोकेशन का निर्धारण किया जा सकेगा, और निष्प्रयोजनीय हो चुकी शाखाओं की भू-सम्पदा को बेचने का मौका मिलेगा। व्यक्ति-संख्या से निपटने के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का प्रस्ताव देकर इन बैंकों में युवा, डिजिटल-सेवी प्रतिभाओं को लाया जा सकता है। विगत से ही हमने बैंकों पर जिस प्रकार के दबाव का सामना किया है उसमें लगभग हमेशा ही बैंकों की पुनर्रचना खासतौर पर शामिल रही।

4. **तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई -** कम पूँजी वाले बैंकों पर कुछ सख्ती की जाए और सुधारात्मक कार्रवाई हो जैसे कि अभी हाल में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई संबंधी दिशानिदेशों में बताया गया है। ऐसी कार्रवाई से यह भी आवश्यक होना चाहिए कि खराब-पूँजी वाले बैंकों के डिपॉजिट-बेस और ऋणदाय में और बढ़ोतरी नहीं हो। यह ऐसे बैंकों का धीरे-धीरे दूर हटना तय कर देगा और सरकारी क्षेत्र के सर्वाधिक कमजोर बैंकों में होने वाले डिपॉजिट निकलकर सरकारी और निजी क्षेत्र के स्वस्थ-बैंकों की तरफ जाने को प्रोत्साहन मिलेगा। हमारे बैंकिंग क्षेत्र में विकास की संभावना कहाँ हैं, यह जानना कोई राकेट-साइन्स नहीं और डिपॉजिट मे बढ़ोतरी को यह प्रकट करने देना चाहिए।

5. **विनिवेश -** इन उपायों को अपनाने से समग्र बैंकिंग क्षेत्र की सेहत में सुधार होगा, सरकार के लिए ऐसा सुअवसर बनेगा कि बदले हुए विन्यास वाले बैंकों में से अपने कुछ स्वामित्व का विनिवेश कर सके, जैसा इस अर्थव्यवस्था के कई अन्य क्षेत्रों मे मिल चुका है। शायद कुछ राष्ट्रीयकृत बैंकों को फिर से निजी हाथों में देने के विचार का समय आ चुका हैं। इन सबसे उस समग्र रकम में कमी आएगी जो सरकार द्वारा बैंक की पूँजी में डाली जानी है और इससे सरकार द्वारा कठिनाई से अर्जित राजकोषीय रकम बचेगी। मंहगाई स्थिरता के अनुमान और विकास गति की विविधतापूर्ण प्रकृति के कारण वर्तमान मे विदेशी निवेशकों के लिए भारत वैसे भी प्रिय बना हुआ है। हमें इस समष्टि-आर्थिक स्थायित्व को लोहे के छल्लों में फंसाकर अपने कब्जे में रखना है।

और अंत में

मैं इस बारे में आपको भी कुछ प्रतिक्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता हूँ, आप अखबारों और आर्थिक-लेखन में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की वर्तमान स्थिति के बारे में पढ़ें और प्रथम सिद्धान्तों से ही कुछ अर्थ-ग्रहण करने का प्रयास करें और यह सवाल पूछें कि क्या हमारे पास ऐसा बैंकिंग क्षेत्र है जिस पर हमारी अर्थव्यवस्था भरोसा कर सके।

मैं मानता हूँ कि कीमत कुछ भी हो, लेकिन मैंने इस सप्ताहांत के लिए पर्याप्त विचार सामग्री दे दी है, अब अगले

सप्ताह जब आप कोई वित्तीय लेनदेन किसी बैंक, किसी म्युचूअल फंड, किसी स्टॉक ब्रोकर, या बीमा कम्पनी के साथ करें तो आप उस नकदी के प्रवाह का अनुगमन करने को उद्धत हो उठे जिस प्रवाह में लेनदेन का धन अपने उद्गम से गन्तव्य की तरफ जाता है।

अगर आपको नदी प्रवाह में इस नौकायन ने कुछ जोश भरा हो तो भारतीय रिज़र्व बैंक में आवेदन करें जहां हम अपने कार्मिकों में महिला-पुरुष अनुपात को फिर से संतुलित करना चाहते हैं जो थोड़ा सा विगलित हुआ है। हम तैयार है कि आप जैसी दक्ष महिलाओं को अपनी वर्कफोर्स में लाएं। धन्यवाद।

लेख

गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की वित्तीय स्थिति, 2015-16

गैर-सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय और निवेश कंपनियों के निष्पादन, वर्ष 2015-16

यूनियन बजट 2017-18 : एक मूल्यांकन

*गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की वित्तीय स्थिति, 2015-16**

चुनिंदा गैर-सरकारी गैर-वित्तीय सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के सकल परिणाम यह दर्शाते हैं कि बिक्री में थोड़ी-बहुत हुई वृद्धि के बावजूद कच्चे माल और पावर एवं ईंधन की लागतों में नरमी से इन कंपनियों की लाभप्रदता में वृद्धि हुई है। तथापि, छोटी कंपनियों को अधिक मुनाफा नहीं हुआ है। समग्र स्तर पर ईक्विटी की तुलना में कर्ज का अनुपात सीमित रहा। स्थिर पूंजी निवेश में कुछ सुधार दृष्टिगत हुए।

यह आलेख चुनिंदा 19,602 गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों का वित्त वर्ष 2015-16 के लिए वित्तीय निष्पादन प्रस्तुत करता है जिसका आधार अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान उनके लेखापरीक्षित वार्षिक आंकड़े हैं और उसकी तुलना 2013-14 से 2014-15 तक की अवधि के आंकड़ों से की गई है। ये आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक की वेब साइट पर **https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics#!2_44** पर उपलब्ध हैं। अद्यतन जारी किए गए आंकड़ों में शामिल की गई 19,602 कंपनियां 31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार सभी एनजीएनएफ सार्वजनिक मर्यादित कंपनियों की चुकता पूंजी (पीयूसी) की संख्या का 39.9 प्रतिशत बैठती हैं।

1. बिक्री में धीमी वृद्धि के बावजूद कारपोरेट लाभप्रदता में सुधार

1.1 2015-16 के दौरान चुनिंदा कंपनियों की बिक्री में होने वाली वृद्धि कमजोर बनी रही और इसका मुख्य कारण ग्रामीण मांग में धीमापन रहा। तथापि, कंपनियों को कच्चे माल, बिजली और ईंधन की लागत में कमी का लाभ मिला और परिणामस्वरूप उनके परिचालन खर्चों में कमी आई। तदनुसार, परिचालनगत लाभों में वृद्धि उच्चतर रही। निवल लाभ वृद्धि के संदर्भ में कारपोरेट कमाई के आकार में दबाव बना रहा (विवरण 1 और चार्ट 1) ।

1.2 समग्र स्थिति असमानता भरी रही। जहां सभी आकारों वाली कंपनियों की बिक्री की वृद्धि दर में कमी का अनुभव किया गया, केवल बड़ी कंपनियों (₹10 बिलियन से अधिक बिक्री करने वाली) के परिचालन लाभों में उच्चतर वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें परिचालनगत खर्च में तीव्र गिरावट से मदद

चार्ट 1 : प्रमुख वृद्धि दरें

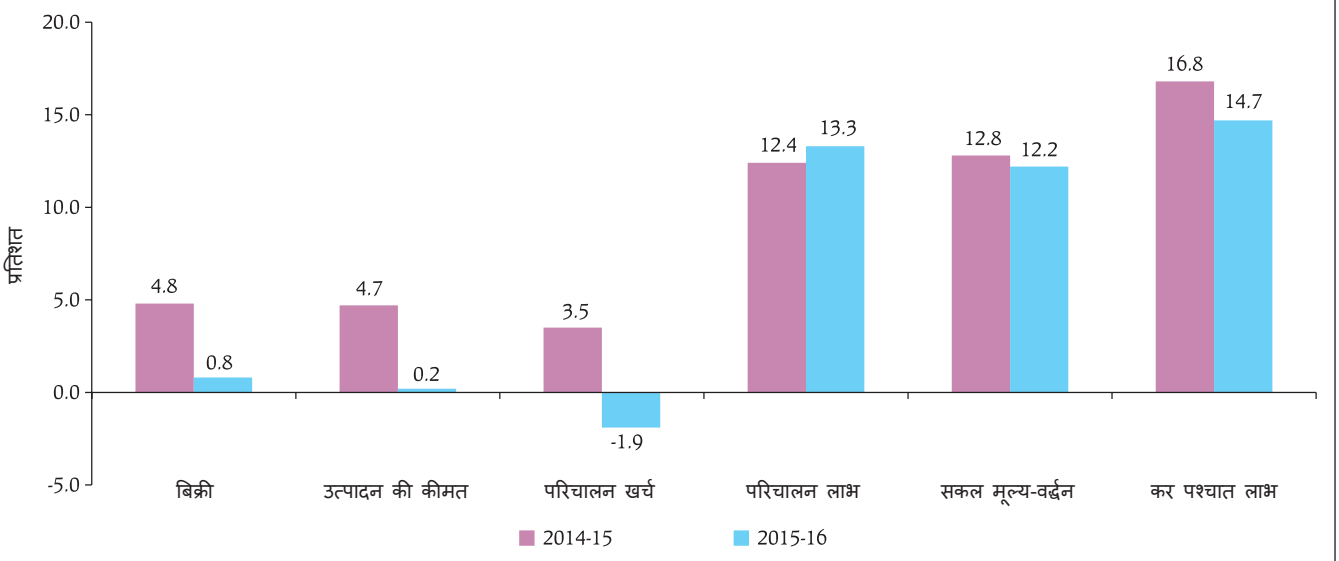

* * भारतीय रिज़र्व बैंक के सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग के कंपनी वित्त प्रभाग (सीएफडी) में बनाया गया। पिछले वर्ष के अध्ययन के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक, बुलेटिन, मई 2016 के अंक का संदर्भ ग्रहण किया जा सकता है।

मिली। 2015-16 में परिचालन और निवल लाभों के संदर्भ में छोटी कंपनियों (₹1 बिलियन से कम बिक्री) का निष्पादन बदतर हो गया। मध्यम आकार की कंपनियों (₹1 से ₹10 बिलियन के बीच बिक्री करने वाली) के परिचालनगत लाभों में होने वाली वृद्धि में कमी दर्ज की गई(विवरण-1)।

1.3 खनन क्षेत्र की कंपनियों के लिए लगातार दूसरे वर्ष बिक्री में गिरावट रही परंतु 2015-16 की तुलना में इसका प्रभाव कम था। तथापि, इन कंपनियों के परिचालन (और निवल) लाभ में तीव्र गिरावट दर्ज की गई। कपड़ा और लौह तथा स्टील उद्यमों में कंपनियों के लगातार खराब निष्पादन ने समग्र रूप से विनिर्माण क्षेत्र की बिक्री में होने वाली वृद्धि को नीचे ला दिया। इसके विपरीत, मोटर वाहनों और अन्य यातायात उपकरण उद्यमों में विनिर्माण क्षेत्र में बिक्री में बहाली दर्ज की गई। परिचालन लाभों के संदर्भ में, लौह और स्टील उद्यमों को छोड़कर अन्य सेक्टरों ने बेहतर निष्पादन किया। निर्माण क्षेत्र की कंपनियों और उनके परिचालन लाभों की संवृद्धि में 2015-16 में काफी गिरावट आई जिसका मुख्य कारण ढीली-ढाली मांग और रुकी हुई परियोजनाएं रहीं। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को बिक्रीगत संवृद्धि और परिचालन लाभों दोनों पहलुओं पर धीमेपन का सामना करना पड़ा।

1.4 कॉरपारेट क्षेत्र के परिदृश्य में एक सकारात्मक गतिविधि यह रही कि कमजोर मांग स्थितियों के बावजूद इसने मूल्य निर्धारण-शक्ति (परिचालन लाभ मार्जिन) को बनाए रखा। बेहतर मूल्य-निर्धारण शक्ति के संदर्भ में बड़ी कंपनियों को छोटी कंपनियों की तुलना में फायदा रहा। ईक्विटी पर बेहतर रिटर्न के साथ ही बेहतर होती मूल्य-निर्धारण शक्ति विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में दर्ज की गई।

2. कंपनियों को उच्चतर वेतन लागत दबाव का सामना करना पड़ा

2.1 कुल परिचालनगत खर्चों में कमी आने के बावजूद चुनिंदा कंपनियों की स्टाफ लागत में 11.5 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई और यह बिक्री में हुई वृद्धि की तुलना में अधिक थी। परिणामस्वरूप, 2015-16 में कुल बिक्री में स्टाफ लागत के अंश में 80 आधार अंकों (बीपीएस) की तीव्र वृद्धि हुई जो पिछले वर्ष हुई 60 बीपीएस वृद्धि से अधिक थी (सारणी-1)।

सारणी 1 : बिक्री के भाग के रूप में प्रमुख मदें

(प्रतिशत)

मद	2013-14	2014-15	2015-16
कच्चा माल	58.4	56.2	51.7
स्टाफ लागत	7.0	7.6	8.4
ब्याज खर्च	3.6	3.7	3.9
अन्य आय	1.8	1.9	1.9

2.2 कच्चे माल पर होने वाले खर्च में कमी ने सांकेतिक सकल मूल्यवर्द्धित वृद्धि (जीवीए) में गिरावट को नियंत्रित किया। जबकि लघुतम श्रेणी की कंपनियों ने 2015-16 में न्यूनतर जीवीए दर्ज किया जबकि वृहत्तम आकार श्रेणी में कंपनियों ने 2015-16 में जीवीए के आवेग को बनाए रखा (सारणी-2)।

3. समग्र स्तर पर कारपोरेट लीवरेज में सुधार परिलक्षित हुआ

3.1 पिछले कुछ वर्षों में कारपोरेट क्षेत्र के कमजोर परिणामों को देखते हुए कारपोरेट लीवरेज चिंता का विषय बना हुआ है। इस परिप्रेक्ष्य में 2015-16 में सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों की समग्र स्थिति में कोई गिरावट देखने को नहीं मिली। ईक्विटी की तुलना में ऋण अनुपात (अर्थात् दीर्घावधि उधारियां) में 2015-16 में मामूली गिरावट दर्ज की गई। तथापि, छोटे आकार की कंपनियों में यह विरोधाभासी रहा। काफी अधिक लीवरेज वाले उद्योग नामतः लौह और स्टील एवं विद्युत मशीनरी तथा विनिर्माण क्षेत्र अधिक चिंतनीय रहे जिनमें 2015-16 में ईक्विटी की तुलना में ऋण अनुपात में और वृद्धि हुई। इसके विपरीत, 2015-16 में दूरसंचार सहित सेवा क्षेत्र

सारणी 2 : चुनिंदा 19,602 सार्वजनिक लि. कंपनियों के लिए सकल मूल्य-वर्द्धन में वृद्धि दर

प्रतिशत

श्रेणी-वार बिक्री	2014-15	2015-16
₹ 1 बिलियन से कम	8.3	-0.7
₹1-₹5 बिलियन	12.2	10.9
₹5-₹10 बिलियन	15.4	7.3
₹10 बिलियन और उससे अधिक	13.0	13.7
समग्र	12.8	12.2

चार्ट 2 : लीवरेज (ईक्विटी की तुलना में ऋण) और ब्याज कवरेज अनुपात

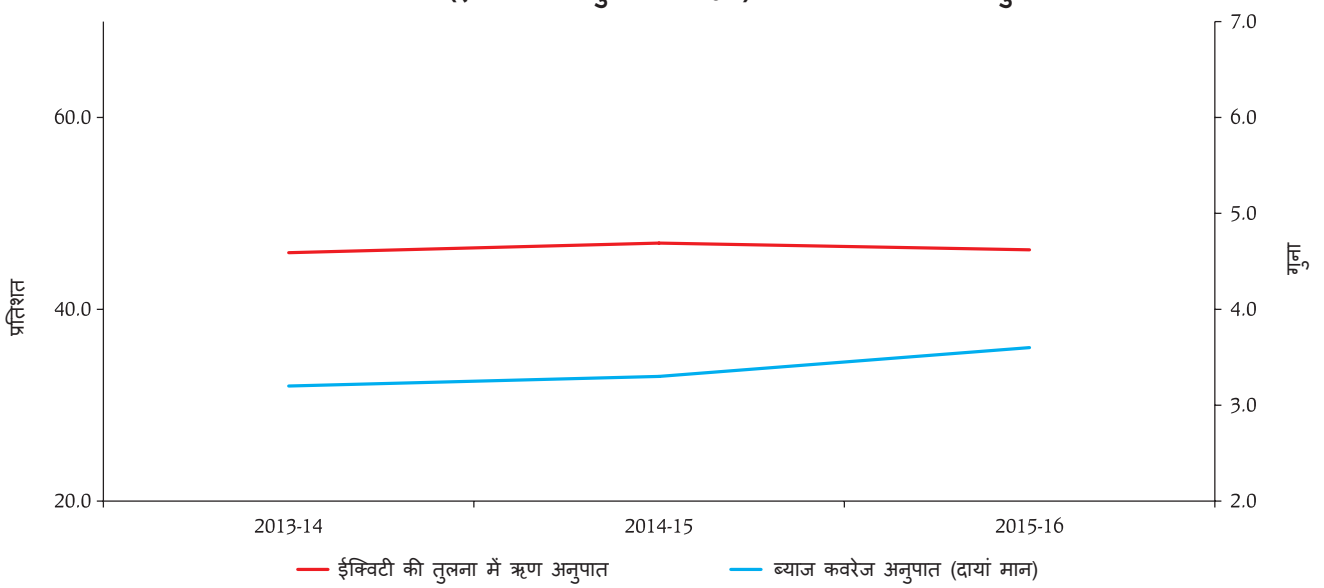

और भू-संपदा कंपनियों में ईक्विटी की तुलना में ऋण अनुपात में गिरावट आई (चार्ट 2, विवरण 2)।

3.2 कुल उधारियों में दीर्घावधि उधारियों का अंश समग्र स्तर पर लगभग दो-तिहाई रहा। तथापि, कुल उधारियों में बैंक उधारियों के अंश में और गिरावट दर्ज की गई तथा अत्यधिक उच्च लीवरेज अनुपात वाली कंपनियों के संदर्भ में इसमें काफी तीव्र गिरावट दर्ज की गई (सारणी 3)।

3.3 कमजोर कंपनियों अर्थात् जिनका लीवरेज अनुपात 200 प्रतिशत से अधिक था और आईसीआर 1 से कम था (ऋणात्मक नेट वर्थ वाली कंपनियों सहित) के संदर्भ में उनके द्वारा धारित कर्ज की स्थिति में 2015-16 में कुछ सुधार दृष्टिगत हुआ। कमजोर कंपनियों द्वारा धारित बैंक उधारियों का अंश कम होकर 24.5 प्रतिशत पर आ गया जो कि पिछले वर्ष 30.3 प्रतिशत था (सारणी 4)।

4. नई उधारियों का सहारा कमतर रहा

4.1 2015-16 के दौरान चुनिंदा कंपनियों द्वारा जुटाई गई निधियों में उधारियों का अंश 2014-15 के 24.8 प्रतिशत से कम होकर 2015-16 में 16.5 प्रतिशत रह गया जो कंपनियों की ओर से प्रारंभ की गई लीवरेज मुक्ति प्रक्रिया को दर्शाता है। इसके परिणामस्वरूप,बाह्य स्रोतों के जरिए जुटाई जाने वाली

सारणी 3: कुल उधारियों में दीर्घावधि उधारियों का हिस्सा (लीवरेज अनुपात के अनुसार)

लीवरेज अनुपात (प्रतिशत)	कुल उधारियों में दीर्घावधि उधारियों का हिस्सा (प्रतिशत)			कुल उधारियों में बैंक उधारियों का हिस्सा (प्रतिशत)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
0- 100	49.80	54.10	49.92	57.48	53.02	58.22
100 – 200	74.75	71.86	80.50	60.28	59.10	45.65
200 – 300	86.74	85.70	85.29	64.38	61.25	61.56
300 – 400	91.98	92.75	84.30	52.37	60.12	58.25
400 से ऊपर	81.61	86.67	87.39	61.82	63.35	46.09
नेट वर्थ < 0	78.93	77.20	75.75	44.73	44.67	48.28
कुल	64.83	67.58	67.92	57.73	55.50	53.60

चार्ट 3 : निधियों के स्रोतों का प्रतिमान

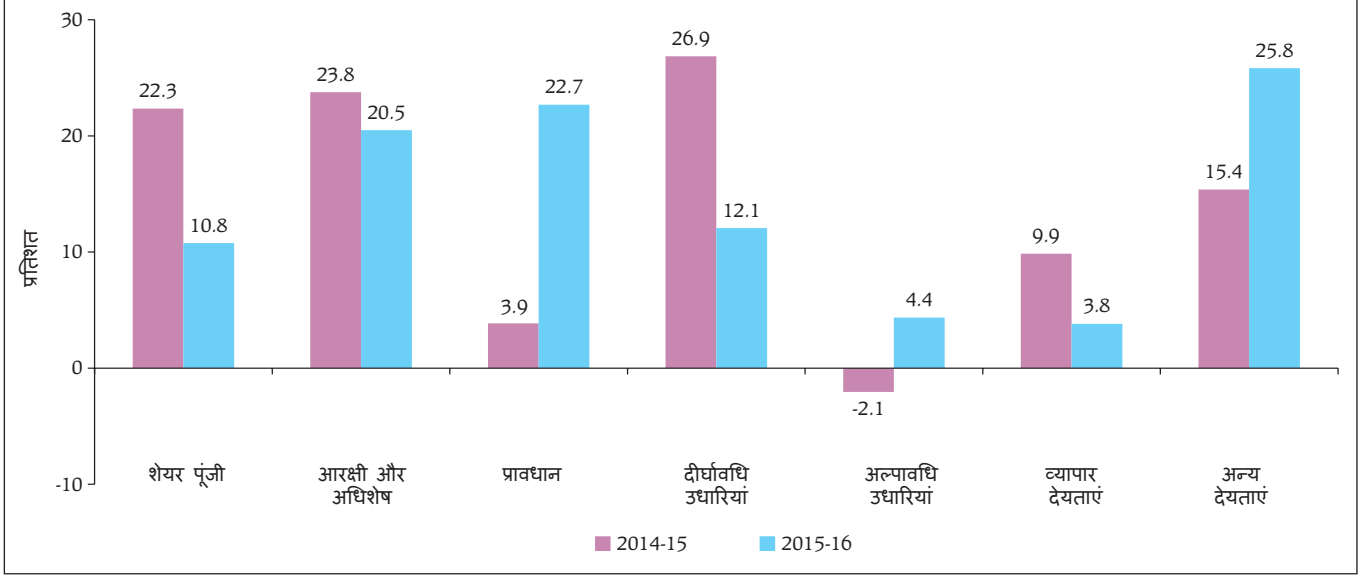

निधियों के अंश में भी कमी आई। 2015-16 में प्रावधानीकरण (मूल्यह्रास सहित) और आरक्षित तथा अधिशेष के रूप में आंतरिक स्रोतों से एकत्रण निधियों का प्रमुख स्रोत रहा (विवरण 4ए, चार्ट 3)।

4.2 2014-15 के दौरान देखे गए रुझान के विपरीत 2015-16 के दौरान चुनिंदा कंपनियों द्वारा जुटाई गई रकम का तीन चौथाई से अधिक भाग स्थायी आस्तियों के निर्माण में लगाया गया। इसे सुधरती हुई व्यापारी भावनाओं के रूप में देखा जा सकता है (विवरण 4बी, चार्ट 4) ।

सारणी 4: कमजोर कंपनियों द्वारा धारित बैंक उधारियों का हिस्सा

(प्रतिशत)

वर्ष	कमजोर कंपनियों की संख्या *	19,602 कंपनियों के कर्ज में कमजोर कंपनियों के कर्ज का हिस्सा	19,602 कंपनियों की बैंक उधारियों में कमजोर कंपनियों की बैंक उधारियों का हिस्सा
2013-14	1729	33.9	26.6
2014-15	1723	35.9	30.3
2015-16	1777	31.2	24.5

* इसमें ऋणात्मक नेटवर्थ वाली कंपनियां शामिल हैं।

चार्ट 4 : निधियों के उपयोग का प्रतिमान

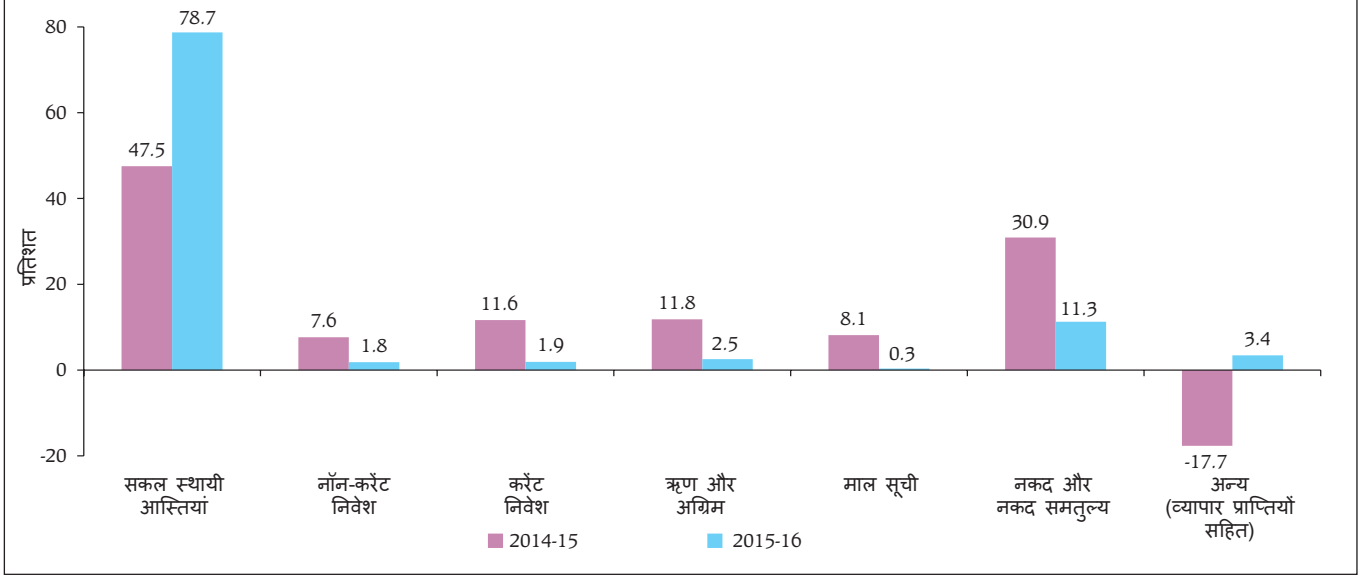

5. निष्कर्ष

चुनिंदा एनजीएनएफ सार्वजनिक लि. कंपनियों के 2015-16 के समग्र परिणाम यह दर्शाते हैं कि मंथर विक्रय वृद्धि के बावजूद, पण्य मूल्यों के चक्र में गिरावट के रुख ने पिछले वर्ष की तुलना में क्षेत्रगत सांकेतिक जीवीए वृद्धि को बनाए रखा। उच्चतर लाभ मार्जिन ने कारपोरेट की बेहतर मूल्य निर्धारण शक्ति का परिचय दिया। समग्र स्तर पर लीवरेज की स्थिति में कोई कमी देखने को नहीं मिली और स्थायी पूंजी निर्माण में बढ़ोतरी, व्यापारिक स्थितियों में कुछ सुधार दर्शाती है।

विवरण 1: चुनिंदा 19,602 एनजीएनएफ सार्वजनिक लि. कंपनियों की चुनिंदा मानदंडों पर वृद्धि दरें

	वृद्धि दरें (प्रतिशत)							
	बिक्री		परिचालन खर्च		परिचालन लाभ		निवल लाभ (कर पश्चात लाभ)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
समग्र (सभी कंपनियां)	4.8	0.8	3.5	-1.9	12.4	13.3	16.8	14.7
बिक्री-वार								
₹ 1 बिलियन से कम	-4.2	-3.1	-5.7	-1.9	11.3	-8.5	-17.1	-44.7
₹ 1 बिलियन - ₹ 5 बिलियन	5.6	1.7	3.9	-0.03	16.5	12.5	25.2	46.6
₹ 5 बिलियन - ₹ 10 बिलियन	10.0	4.2	10.6	4.0	11.2	3.7	30.6	-40.1
₹ 10 बिलियन और अधिक	4.8	0.6	3.5	-2.9	12.1	15.6	16.8	16.9
उद्यम-वार								
खनन और उत्खनन	-14.1	-5.7	-7.1	3.2	-26.0	-23.6	-54.1	-29.2
विनिर्माण	2.6	-1.7	1.4	-5.3	10.8	17.1	18.3	16.0
खाद्य उत्पाद और पेय	7.3	2.2	5.8	2.3	12.7	9.6	25.4	-5.9
वस्त्र	-11.3	-21.0	-13.0	-26.2	2.5	20.6	4.1	26.4
रसायन और रासायनिक उत्पाद	10.4	8.6	10.5	5.1	9.9	26.4	11.6	33.1
औषधियां और दवाएं	14.6	14.4	15.2	9.0	11.8	42.2	8.1	50.1
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	13.9	3.9	12.9	2.4	25.5	10.1	71.8	-15.3
लौह और स्टील	2.7	-16.5	4.2	-17.2	1.7	-33.0	41.1	#
मशीनरी और उपकरण एन. ई.सी.	7.9	2.7	8.7	0.9	12.4	5.3	30.2	17.2
विद्युत मशीनरी और उपकरण	11.3	5.2	10.3	3.8	16.8	17.6	40.3	30.0
मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपकरण	13.2	14.9	12.6	11.8	26.6	29.8	36.1	21.3
विद्युत, गैस, भाप और वतानुकूलन आपूर्ति	18.4	9.8	16.0	4.2	32.6	35.9	#	-102.3
विनिर्माण	8.8	3.6	6.9	1.1	24.8	0.5	21.3	-29.0
सेवाएं	8.8	5.8	7.4	5.1	16.3	7.3	21.5	15.4
परिवहन और भंडारण	9.3	11.7	11.3	11.8	5.2	15.4	39.4	36.8
दूरसंचार	4.3	0.6	0.5	-4.7	38.3	51.6	#	#
भू-संपदा	20.0	3.2	23.8	-0.5	30.2	-7.4	25.9	4.5
कंप्यूटर और अन्य संबंधित गतिविधियां	18.7	5.4	21.4	7.0	5.2	-5.1	-6.2	-10.7

हर ऋणात्मक, शून्य अथवा नगण्य

विवरण 1: चुनिंदा 19,602 एनजीएनएफ सार्वजनिक लि. कंपनियों की चुनिंदा मानदंडों पर वृद्धि दरें *(समाप्त)*

	वृद्धि दरें (प्रतिशत)					
	नेट वर्थ		कुल उधारियां		कुल आस्तियां	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
समग्र (सभी कंपनियां)	8.8	8.2	6.8	6.1	8.3	8.5
बिक्री-वार						
₹ 1 बिलियन से कम	3.9	1.9	8.0	11.3	7.2	6.7
₹ 1 बिलियन - ₹ 5 बिलियन	7.8	9.6	10.9	8.4	8.4	8.6
₹ 5 बिलियन - ₹ 10 बिलियन	11.7	7.1	8.8	4.4	8.4	6.3
₹ 10 बिलियन और अधिक	9.8	9.6	4.8	3.8	8.7	9.2
उद्यम-वार						
खनन और उत्खनन	-3.3	-0.1	-10.3	5.4	-4.0	0.7
विनिर्माण	9.6	8.9	1.8	7.1	7.8	9.3
खाद्य उत्पाद और पेय	7.4	7.4	-1.1	5.7	5.1	4.1
वस्त्र	8.4	10.3	4.4	3.5	7.0	12.3
रसायन और रासायनिक उत्पाद	12.5	14.7	6.3	11.3	9.6	10.9
औषधियां और दवाएं	19.4	20.8	22.4	3.3	18.3	12.9
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	9.5	7.8	18.6	-3.5	13.1	5.7
लौह और स्टील	4.6	-10.1	-0.8	3.2	5.0	-2.9
मशीनरी और उपकरण एन. ई.सी.	7.0	6.6	0.1	3.8	6.1	2.0
विद्युत मशीनरी और उपकरण	3.8	6.5	3.8	15.5	4.6	9.2
मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपकरण	12.4	12.6	-33.9	-3.1	8.4	13.3
विद्युत, गैस, भाप और वतानुकूलन आपूर्ति	13.5	4.1	20.2	11.5	15.9	9.2
विनिर्माण	10.6	5.1	15.2	15.0	13.5	9.3
सेवाएं	6.8	8.9	8.7	-1.7	7.6	7.0
परिवहन और भंडारण	-1.0	7.2	3.4	-4.0	6.0	9.3
दूरसंचार	4.8	5.8	-12.5	-1.9	4.9	14.7
भू-संपदा	6.6	5.9	8.2	1.5	5.6	2.2
कंप्यूटर और अन्य संबंधित गतिविधियां	0.8	10.3	3.8	1.6	7.1	5.8

विवरण 2: 19,602 एनजीएनएफ सार्वजनिक लि. कंपनियों के चुनिंदा मानदंडों पर अनुपात

	अनुपात (प्रतिशत)								
	बिक्री की तुलना में परिचालन लाभ			नेट वर्थ की तुलना में कर पश्चात लाभ			ईक्विटी की तुलना में कर्ज		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
समग्र (सभी कंपनियां)	13.1	14.1	15.8	11.1	11.9	12.6	45.9	46.9	46.2
बिक्री-वार									
₹ 1 बिलियन से कम	10.4	12.1	11.5	1.8	1.5	0.8	57.7	62.3	69.9
₹ 1 बिलियन - ₹ 5 बिलियन	10.5	11.6	12.8	4.1	4.8	6.4	61.8	60.3	64.8
₹ 5 बिलियन - ₹ 10 बिलियन	11.8	11.9	11.9	5.6	6.5	3.7	57.9	59.2	55.4
₹ 10 बिलियन और अधिक	13.9	14.9	17.1	15.3	16.2	17.3	38.6	39.4	36.6
उद्यम-वार									
खनन और उत्खनन	37.9	32.7	26.5	21.0	10.0	7.1	7.4	6.5	6.6
विनिर्माण	12.5	13.4	16.0	13.6	14.6	15.6	39.6	40.0	39.1
खाद्य उत्पाद और पेय	8.1	8.5	9.1	18.0	21.0	18.4	49.8	56.2	47.2
वस्त्र	8.7	10.1	15.4	10.0	9.6	11.0	43.3	46.4	43.2
रसायन और रासायनिक उत्पाद	15.1	15.0	17.4	16.5	16.4	19.0	23.5	23.6	21.9
औषधियां और दवाएं	16.7	16.3	20.3	21.7	19.7	24.4	21.1	23.4	18.5
सीमेंट और सीमेंट उत्पाद	14.0	15.4	16.3	8.4	13.2	10.4	52.1	56.9	47.8
लौह और स्टील	11.0	10.9	8.7	2.6	3.5	-9.9	76.2	82.5	91.8
मशीनरी और उपकरण एन. ई.सी.	12.9	13.5	13.8	11.9	14.5	15.9	19.9	19.5	22.7
विद्युत मशीनरी और उपकरण	12.8	13.5	15.0	7.7	10.4	12.7	65.8	62.5	72.9
मोटर वाहन और अन्य परिवहन उपकरण	10.9	12.2	13.7	12.6	15.3	16.5	7.6	5.5	4.4
विद्युत, गैस, भाप और वतानुकूलन आपूर्ति	13.9	15.6	19.3	0.2	0.6	-0.01	117.9	126.3	144.0
विनिर्माण	15.7	17.9	17.4	5.0	5.4	3.7	109.0	115.4	124.0
सेवाएं	13.8	14.8	15.0	9.1	10.3	10.9	38.9	38.9	35.0
परिवहन और भंडारण	15.0	14.4	14.9	5.4	7.6	9.7	77.2	74.1	65.6
दूरसंचार	6.1	8.1	12.3	-20.4	-10.2	-11.7	117.0	92.9	88.1
भू-संपदा	26.0	28.3	25.4	3.8	4.5	4.4	57.0	56.0	52.5
कंप्यूटर और अन्य संबंधित गतिविधियां	18.9	16.7	15.1	18.2	16.9	13.7	11.0	9.0	10.7

विवरण 3: 19,602 एनजीएनएफ सार्वजनिक लि. कंपनियों की देयताओं और आस्तियों की संरचना

(प्रतिशत)

क. देयताओं की संरचना

पूंजी और देयताएं	2013-14	2014-15	2015-16
1. अंशधारकों की निधियां	42.3	42.5	42.4
जिसमें से, (i) अंश पूंजी	7.5	8.0	7.9
(ii) आरक्षी और अधिशेष	34.8	34.5	34.5
जिसमें से, पूंजी आरक्षी	12.4	12.1	11.8
2. दीर्घावधि उधारियां (कर्ज)	19.5	20.0	19.7
जिसमें से, (i) बॉड / डिबेंचर	2.5	3.1	3.3
(ii) बैंकों से सावधि ऋण	12.0	11.8	10.6
3. अल्पावधि उधारियां	10.6	9.6	9.3
जिसमें से, बैंकों से	5.3	4.6	4.9
4. व्यापार देयताएं	11.0	10.9	10.5
5. प्रावधान	2.6	2.8	2.5
6. अन्य देयताएं	14.1	14.2	15.7
(i) नॉन-करेंट	2.9	2.8	2.8
(ii) करेंट	11.2	11.4	12.9
7. कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**

ख: आस्तियों की संरचना

आस्तियां	2013-14	2014-15	2015-16
1. सकल स्थायी आस्तियां	66.9	65.3	68.2
(i) मूर्त आस्तियां	43.3	41.9	42.9
(ii) प्रगति में लगी हुई पूंजी	6.5	6.6	6.7
(iii) अमूर्त आस्तियां	16.4	16.1	18.1
2. मूल्यह्रास (i) मूर्त	21.5	19.6	20.2
(ii) अमूर्त	1.8	1.8	1.8
3. निवल स्थायी आस्तियां	43.6	44.0	46.2
4. नॉन-करेंट निवेश	6.4	6.5	6.2
5. करेंट निवेश	4.2	4.8	4.6
6. ऋण और अग्रिम	12.9	12.8	12.0
7. माल सूची	11.9	11.6	10.7
8. व्यापार प्राप्तियां	11.3	11.1	11.2
9. नकद और नकद समतुल्य	1.5	3.7	4.6
10. अन्य आस्तियां	8.2	5.5	4.4
(i) नॉन-करेंट	1.4	1.3	1.3
(ii) करेंट	6.8	4.2	3.1
11. कुल	**100.0**	**100.0**	**100.0**

विवरण 4: 19,602 एनजीएनएफ सार्वजनिक लि. कंपनियों की निधियों के स्रोतों और उपयोग की संरचना

(प्रतिशत)

क. वर्ष के दौरान निधियों के स्रोतों की संरचना

	2014-15	2015-16
आंतरिक स्रोत (स्वयं के स्रोत)	**42.1**	**48.1**
1. चुकता पूंजी	14.5	4.9
2. आरक्षी और अधिशेष	23.8	20.5
3. प्रावधान	3.9	22.7
जिसमें से, मूल्यह्रास	-1.7	22.9
बाह्य स्रोत (स्वयं के स्रोतों से इतर)	**57.9**	**51.9**
4. अंश पूंजी और प्रीमियम	7.8	5.9
5. दीर्घावधि उधारियां	26.9	12.1
जिसमें से, (i) बॉन्ड/ डिबेंचर	10.1	4.5
(ii) बैंकों से	9.3	-2.9
6. अल्पावधि उधारियां	-2.1	4.4
जिसमें से, बैंकों से	-3.7	6.6
7. व्यापार देनदारियां	9.9	3.8
8. अन्य देयताएं	15.4	25.8
(i) नॉन-करेंट	0.7	2.5
(ii) करेंट	14.7	23.3
9. कुल	**100.0**	**100.0**

ख. वर्ष के दौरान निधियों के उपयोग की संरचना

	2014-15	2015-16
1. सकल स्थायी आस्तियां	47.5	78.7
(i) मूर्त आस्तियां	25.5	41.7
(ii) प्रगति में लगी हुई पूंजी	8.4	5.5
(iii) अमूर्त आस्तियां	13.6	31.5
2. नॉन-करेंट निवेश	7.6	1.8
3. करेंट निवेश	11.6	1.9
4. ऋण और अग्रिम	11.8	2.5
5. माल सूची	8.1	0.3
6. व्यापार प्राप्तियां	8.9	10.0
7. नकद और नकद समतुल्य	30.9	11.3
8. अन्य आस्तियां	-26.6	-6.6
(i) नॉन-करेंट	0.2	1.2
(ii) करेंट	-26.8	-7.9
9. कुल	**100.0**	**100.0**

*गैर-सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय और निवेश कंपनियों के निष्पादन, वर्ष 2015-16**

चुनिंदा 21,186 गैर-सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय और निवेश कंपनियों (एनजीएनबीएफएंडआई) के वर्ष 2015-16 के वित्तीय निष्पादन के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि वृद्धि की गति में तेजी और परिचालन लाभ मार्जिन के साथ-साथ इक्विटी से प्राप्त आय में स्पष्ट रूप से सुधार होने की बदौलत उनके समग्र निष्पादन बेहतर हुए हैं। फिर भी, उनकी चलनिधि की स्थिति और भी ख़राब हुई है और लीवरेज अनुपात तथा प्रत्याशित प्राप्य राशियों की तुलना में अशोध्य कर्जों का अनुपात, दोनों ही गत वर्ष की बनिस्बत बढ़े हैं।

इस आलेख में गैर-सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय और निवेश (एनजीएनबीएफएंडआई) कंपनियों *(बीमा और बैंकिंग कंपनियों को छोड़कर)* के वित्तीय वर्ष 2015-16 के निष्पादन का विश्लेषण किया गया है, जो 21,186 कंपनियों के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों पर आधारित है, जिन्होंने अपने खाते अप्रैल 2015 से मार्च 2016 के दौरान बंद किए हैं। इनमें से 20,655 कंपनियों के डेटा कंपनी कार्य मंत्रालय (एमसीए)[1] के सिस्टम पर आधारित हैं, 361 कंपनियों के डेटा सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग (डीएसआईएम) द्वारा गैर-बैंकिंग पर्यवेक्षण विभाग (डीएनबीएस), भारतीय रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालयों से मिलाकर संकलित किए गए हैं, जबकि बाकी 170 कंपनियों के डेटा अन्य स्रोतों से प्राप्त किए गए हैं। इस आलेख में इन कंपनियों के गत तीन वर्षों, अर्थात 2013-14 से 2015-16 के दौरान, के निष्पादन की तुलनात्मक स्थिति का आकलन किया गया है। चुनिंदा 21,186 कंपनियों के विस्तृत डेटा व्याख्यात्मक टिप्पणियों के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर डेटा रिलीज़ खंड (मार्च 2017) में उपलब्ध हैं। कंपनी कार्य मंत्रालय (एमसीए), भारत सरकार (जीओआई) द्वारा दिए गए जनसंख्या प्रदत्त पूंजी (पीयूसी) के अनंतिम अनुमान के अनुसार 31 मार्च, 2016 को सभी एनजीएनबीएफएंडआई के कुल पीयूसी में चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का हिस्सा 74.9 प्रतिशत था। एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की पहचान राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) 2004 कोड के आधार पर की गई थी और उनका वर्गीकरण पांच प्रमुख गतिविधि समूहों में भी किया गया था, *जैसे,* (1) शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग, (2) ऋण वित्त, (3) आस्ति वित्त, (4) नाना प्रकार एवं (5) विविध (चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियां)। पीयूसी और वित्तीय आय के संदर्भ में चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की संरचना के मुताबिक 'ऋण वित्त' का सर्वाधिक हिस्सा है और उसके बाद क्रमशः 'शेयर ट्रेडिंग' एवं 'निवेश होल्डिंग' तथा 'आस्ति वित्त' कंपनियों का हिस्सा अधिक है (सारणी 1)।

1. वृद्धि दरें : योजित सकल मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई

1.1 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का योजित सकल मूल्य (जीवीए) 2015-16 में 19.8 प्रतिशत की उच्चतर वृद्धि दर्शाता है जो 2014-15 में 15.8 प्रतिशत था। जीवीए में सुधार मुख्य रूप से 2015-16 के दौरान कुल व्यय की तुलना में वित्तीय आय में उच्चतर वृद्धि के कारण हुआ था। गतिविधि समूहों में 'ऋण वित्त', 'आस्ति वित्त' और 'नाना प्रकार' कंपनियों में गत वर्ष की तुलना में 2015-16 के दौरान जीवीए में वृद्धि पाई गई (चार्ट 1 और विवरण 1)।

1.2 वित्तीय आय में 2015-16 में 18.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो 2014-15 में 17.1 प्रतिशत थी। वित्तीय आय में वृद्धि मुख्य रूप से वर्ष के दौरान उच्चतर लाभांश आय की वजह से थी (चार्ट 1 और विवरण 1)।

---

* कंपनी वित्त प्रभाग (सीएफडी), सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा तैयार किया गया है। पिछला आलेख भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के मई 2016 अंक में प्रकाशित हुआ था, जिसमें 2014-15 के दौरान 23,293 गैर-सरकारी गैर-बैंकिंग वित्तीय और निवेश कंपनियों को शामिल किया गया है।

[1] सीएफडी एमसीए से कॉरपोरेट डेटा प्राप्त करता रहा है, जो एक्सटेन्सिबल बिजनेस रिपोर्टिंग लैंग्वेज (एक्सबीआरएल) एवं फॉर्म एओसी-4 (एक्सबीआरएल से इतर) प्लैटफार्म जैसी दो पारस्परिक रूप से विशिष्ट प्रणालियों के जरिए कॉरपोरेट क्षेत्र की सांख्यिकी, अर्थात, वार्षिक तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता डेटा एकत्रित करता है। एक्सबीआरएल आधारित प्रणाली के अंतर्गत, वे कॉरपोरेट जिनका पीयूसी ₹5 करोड़ एवं उससे अधिक है या जिनका कारोबार ₹100 करोड़ एवं उससे अधिक है अथवा सूचीबद्ध कंपनियां अपने संपूर्ण वार्षिक लेखे प्रस्तुत करती हैं, जबकि फॉर्म एओसी-4 प्रणाली के जरिए बाकी बची कंपनियों के वार्षिक लेखों से लिए गए चुनिंदा वेरिअबल्स के संबंध में डेटा प्रस्तुत किए जाते हैं।

सारणी 1: गतिविधि समूह के अनुसार चुनिंदा 21,186 कंपनियों की संरचना - 2015-16

(प्रतिशत)

गतिविधि	कंपनियों की संख्या	चुकता पूंजी	वित्तीय आय	कुल निवल आस्तियां
शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग	43.8	28.0	11.4	12.1
ऋण वित्त	11.3	31.9	42.1	37.1
आस्ति वित्त	19.1	27.0	31.7	37.5
नाना प्रकार	4.4	1.4	0.6	0.6
विविध	21.5	11.8	14.2	12.8
जिनमें से :				
चिट फंड/ कुरी और म्युचुअल फंड तथा यूटीआई	8.2	1.0	1.6	1.0
सभी गतिविधियां	**100.0 (21,186)**	**100.0 (976,884)**	**100.0 (1,517,515)**	**100.0 (13,855,640)**

टिप्पणी : कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े संबंधित कॉलम के कुल को दर्शाता है। राशि ₹ मिलियन में हैं।

1.3 दूसरी सरफ, कुल व्यय कुल आय की तुलना में निम्नतर दर पर बढ़ा, जिसकी बदौलत 2015-16 में परिचालन लाभ (ईबीडीटी) में 22.3 प्रतिशत की उच्चतर वृद्धि हुई जो 2014-15 में 13.3 प्रतिशत था। 2015-16 में कर्मचारी पारिश्रमिक की वृद्धि दर में भी भारी गिरावट पाई गई (चार्ट 1)।

1.4 निवल लाभ में वृद्धि 2014-15 में 21 प्रतिशत थी जो 2015-16 में घटकर 12.5 प्रतिशत रह गई। इसका कारण 2015-16 के दौरान कर प्रावधान में उल्लेखनीय वृद्धि था (विवरण 1)।

1.5 कुल उधारियों की वृद्धि दर 2014-15 के 20.2 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 21.9 प्रतिशत हो गई। फिर भी, बैंकों से उधारी में वृद्धि गत वर्ष के 26.5 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 19.6 प्रतिशत रह गई। यह भी पाया गया कि निवेशों (अल्प और दीर्घ कालिक निवेशों को मिलाकर) में वृद्धि गत वर्ष के 7.5 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 3.7 प्रतिशत रह गई (विवरण 1)।

2. चलनिधि की स्थिति और परिचालन क्षमता : निवल कार्यशील पूंजी में गिरावट आई है जबकि निवेश पर प्रतिलाभ में सुधार हुआ है

2.1 अपने अल्प-कालिक दायित्वों, जिसका माप वर्तमान अनुपात (चालू देयताओं की तुलना में चालू आस्तियों का अनुपात) के रूप में किया जाता है, को पूरा करने में कंपनियों

चार्ट 1 : चुनिंदा मदों की वृद्धि दरें : 2014-15 और 2015-16

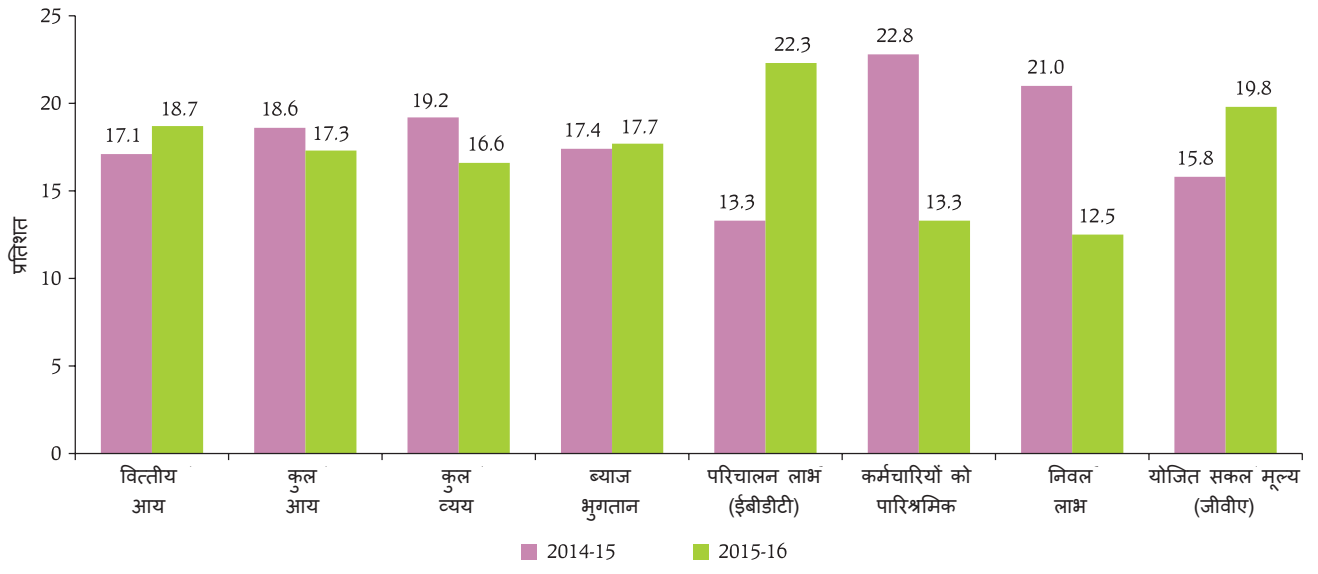

चार्ट 2 : चलनिधि और परिचालन क्षमता : 2013-14 से 2015-16

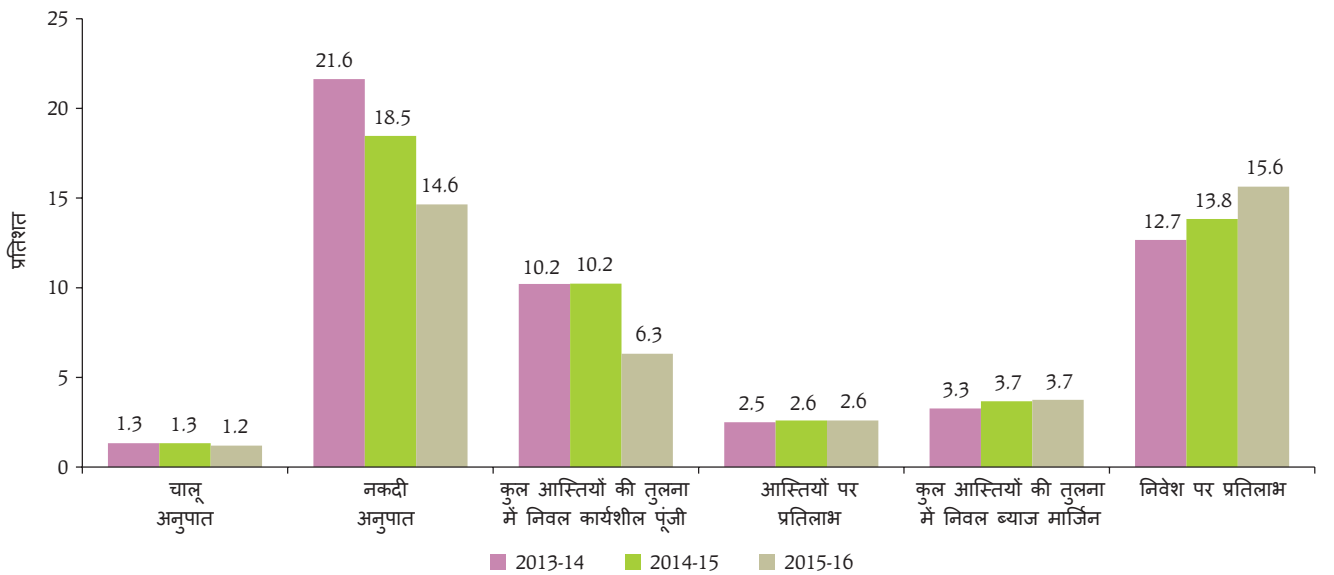

की चलनिधि स्थिति 2015-16 में सीमांत रूप से घटकर 1.2 प्रतिशत रह गई जो गत वर्ष में 1.3 प्रतिशत थी। साथ ही, नकदी अनुपात (चालू देयताओं की तुलना में नकदी और नकदी समतुल्य का अनुपात) और निवल कार्यशील पूंजी (चालू देयताओं से चालू आस्तियों को घटाकर जिसे कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है) भी अपनी गत वर्ष की स्थिति से 2015-16 में घटी (चार्ट 2 और विवरण 2)।

2.2 परिचालनगत पक्ष को देखें तो पता चलता है कि निवेश पर प्रतिलाभ (आरओआई) (जिसे कुल निवेशों की तुलना में निवल लाभों के अनुपात के रूप में मापा जाता है) 2015-16 में बढ़कर 15.6 प्रतिशत हो गया जो 2014-15 में 13.8 प्रतिशत था। फिर भी, निवल ब्याज मार्जिन गत वर्ष के समान 3.7 प्रतिशत पर रहा, जिसे कुल आस्तियों के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है (चार्ट 2 और विवरण 2)।

3. लाभप्रदता अनुपात : परिचालन लाभ मार्जिन के साथ-साथ आरओई में सुधार हुआ है

3.1 परिचालन लाभ मार्जिन, जिसे वित्तीय आय की तुलना में परिचालन लाभ के अनुपात के रूप में मापा जाता है, 2015-16 में सीमांत रूप से बढ़कर 34.1 प्रतिशत हो गया जो गत वर्ष में 33.1 प्रतिशत था। गतिविधि समूहों में, 'शेयर ट्रेडिंग एवं निवेश होल्डिंग', 'ऋण वित्त' एवं 'आस्ति वित्त' कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन में गत वर्ष की तुलना में 2015-16 के दौरान वृद्धि हुई (विवरण 2)।

3.2 इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) (जिसे निवल मालियत की तुलना में निवल लाभ के अनुपात के रूप में मापा जाता है) 2014-15 के 8.2 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 8.7 प्रतिशत हो गया। आरओई में वृद्धि 2015-16 में सभी गतिविधि समूहों में पाई गई (विवरण 2)।

3.3 लाभांश भुगतान अनुपात (जिसे निवल लाभ की तुलना में प्रदत्त लाभांश के अनुपात के रूप में मापा जाता है) 2014-15 के 23.5 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 22.5 प्रतिशत रह गया। फिर भी, 'ऋण वित्त' एवं 'नाना प्रकार' कंपनियों के गतिविधि समूहों में 2015-16 के दौरान लाभांश भुगतान अनुपात में वृद्धि पाई गई (विवरण 2)।

4. संवेदनशीलता : अनुमानित प्राप्त राशियों की तुलना में लीवरेज और अशोध्य कर्जों का अनुपात बढ़ा

4.1 चुनिंदा एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों के लीवरेज अनुपात (जिसे इक्विटी की तुलना में कर्ज के अनुपात के रूप में मापा जाता है) में पिछले तीन वर्षों में वृद्धि के रुझान पाए गए, जो 2015-16 में बढ़कर 121.1 प्रतिशत हो गया। 'ऋण वित्त' एवं 'आस्ति वित्त' कंपनियों का लीवरेज अनुपात उल्लेखनीय रूप से उच्च स्तर पर था, जिसमें अन्य गतिविधि समूहों की तुलना में तीन वर्ष की अवधि के दौरान बढ़ते रुझान पाए गए (चार्ट 3)।

चार्ट 3 : लीवरेज अनुपात : 2013-14 से 2015-16

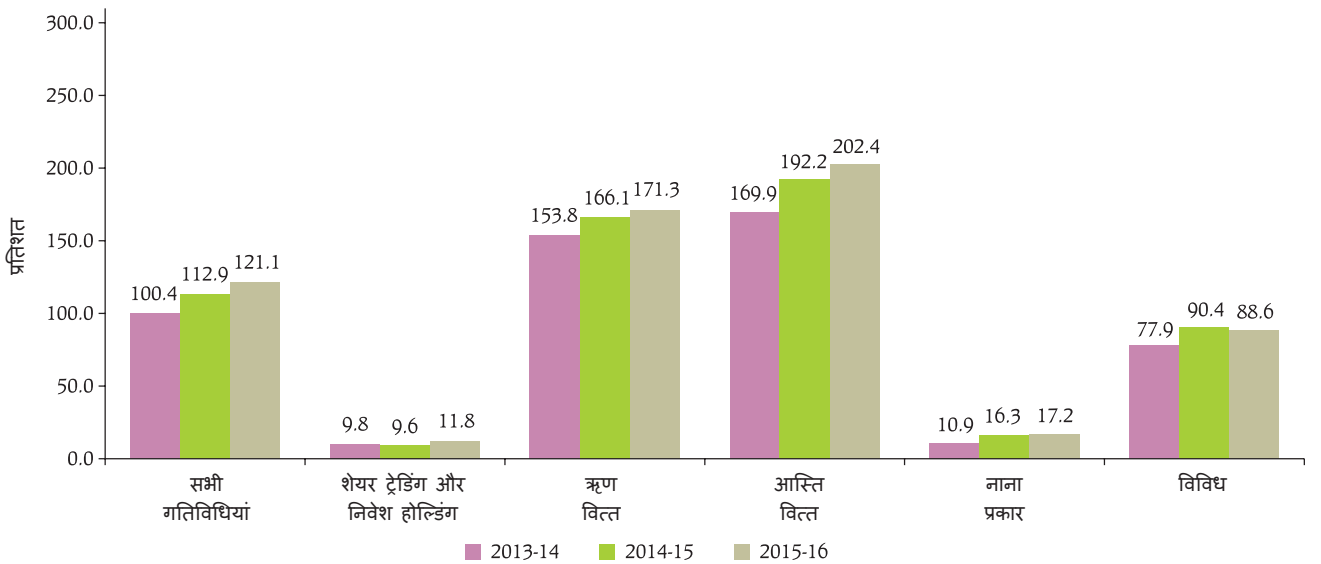

4.2 यद्यपि एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का समग्र वित्तीय परिचालन गत वर्ष की तुलना में 2015-16 में आरओई एवं आरओआई के संदर्भ में बढ़ा, लेकिन उनका अनुमानित प्राप्य राशियों[2] की तुलना में अशोध्य कर्जों का अनुपात 2014-15 के 4.3 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 4.9 प्रतिशत हो गया, जो उनके लाभ को कम कर देता है। अनुमानित प्राप्य राशियों की तुलना में अशोध्य ऋणों का अनुपात 'ऋण वित्त' एवं 'नाना प्रकार' कंपनियों के लिए उच्चतर पाया गया था, हालांकि यह स्थिति 'ऋण वित्त' कंपनियों के मामले में सीमांत रूप से बेहतर हुई (चार्ट 4 और विवरण 2)।

चार्ट 4 : अनुमानित प्राप्य राशियों की तुलना में अशोध्य कर्ज का अनुपात : 2013-14 से 2015-16

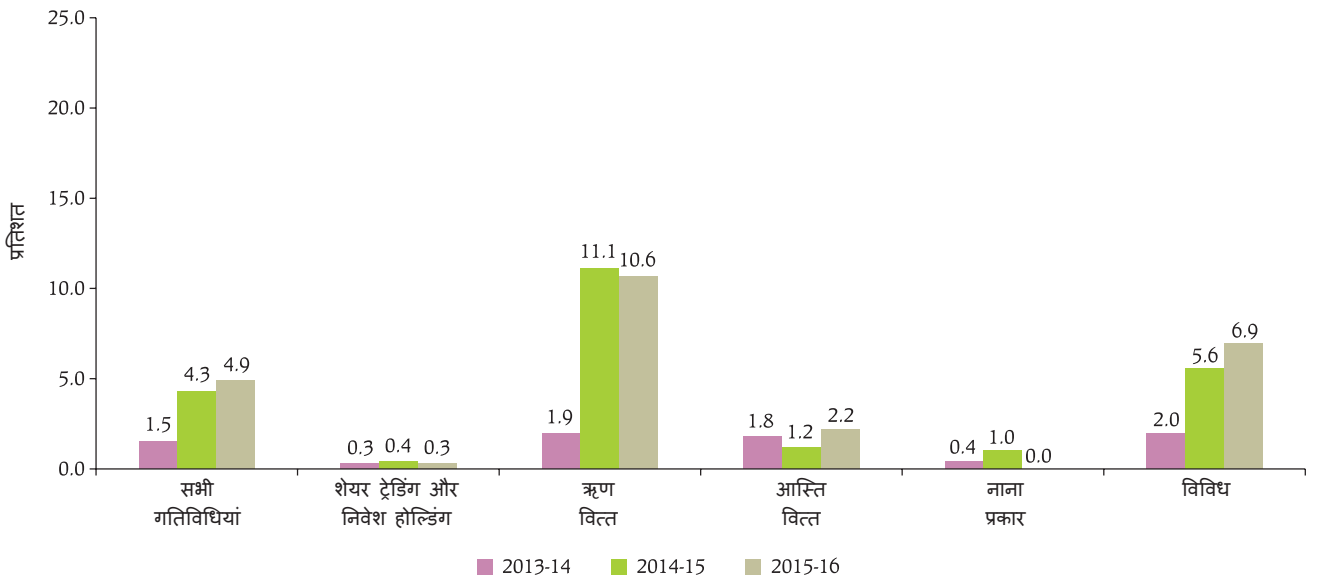

[2] अनुमानित प्राप्य राशियों को अशोध्य कर्ज के रूप में परिभाषित किया गया है जिसमें प्राप्य राशियां भी शामिल हैं तथा अशोध्य कर्जों में संदिग्ध कर्जों के लिए प्रावधान शामिल है।

5. आय और व्यय : कुल आय में ब्याज आय का हिस्सा और कुल व्यय में ब्याज व्यय का हिस्सा बढ़ा

5.1 निधि आधारित आय एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों के लिए आय सृजित करने में शुल्क-आधारित आय की तुलना में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। ब्याज आय का हिस्सा गत वर्ष के 65.5 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 66.5 प्रतिशत हो गया, जो एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की कुल आय में निधि-आधारित आय का प्रमुख स्रोत है। ब्याज आय के हिस्से में यह वृद्धि 2015-16 के दौरान 'ऋण वित्त', 'नाना प्रकार' और 'विविध' कंपनियों में पाई गई थी (विवरण 3)।

5.2 व्यय पक्ष को देखें तो पता चलता है कि कुल व्यय में ब्याज व्यय का हिस्सा 2014-15 के 48.1 प्रतिशत से सीमांत रूप से बढ़कर 2015-16 में 48.6 प्रतिशत हो गया। फिर भी, कुल व्यय में कर्मचारी लाभ व्यय (वेतन, मजदूरी और बोनस प्लस भविष्य निधि प्लस कर्मचारी कल्याण व्यय) 2015-16 के दौरान घटा जो मुख्य रूप से वेतनों, मजदूरी और बोनस में गिरावट के चलते हुआ। 'ऋण वित्त', 'नाना प्रकार' और 'विविध' कंपनियों में वेतनों, मजदूरी और बोनस के हिस्से में गिरावट पाई गई थी (विवरण 3)।

6. देयताओं की संरचना : शेयरधारकों की निधि का हिस्सा धीरे-धीरे घटा लेकिन अल्प और दीर्घ कालिक उधारी का हिस्सा बढ़ा।

6.1 कुल देयताओं में शेयरधारकों की निधि का हिस्सा 2013-14 के 33.2 प्रतिशत से धीरे-धीरे घटकर 2015-16 में 29.6 प्रतिशत रह गया (चार्ट 5)। समान रुझान आरक्षित निधि और अधिशेष के साथ-साथ शेयर पूंजी में भी पाए गए थे। 2015-16 के दौरान कुल देयताओं में शेयरधारकों की निधि के हिस्से में गिरावट 'नाना प्रकार' की कंपनियों को छोड़कर अन्य सभी गतिविधि समूहों में पाई गई थी (विवरण 4)।

6.2 पूंजी संरचना दर्शाता है कि कुल देयताओं में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक उधारियों का हिस्सा 2014-15 के 12.5 प्रतिशत और 35.5 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में क्रमशः 13.8 प्रतिशत और 35.9 प्रतिशत हो गया। इसके अतिरिक्त, 2015-16 में बैंकों से अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक ऋणों का हिस्सा भी बढ़ा (चार्ट 5 और विवरण 4)।

6.3 'नाना प्रकार' की कंपनियों को छोड़कर, जिसमें 2015-16 में गिरावट आई थी, अन्य सभी गतिविधि समूहों में कुल देयताओं में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक उधारियों

चार्ट 5 : देयता संरचना प्रोफाइल : 2013-14 से 2015-16

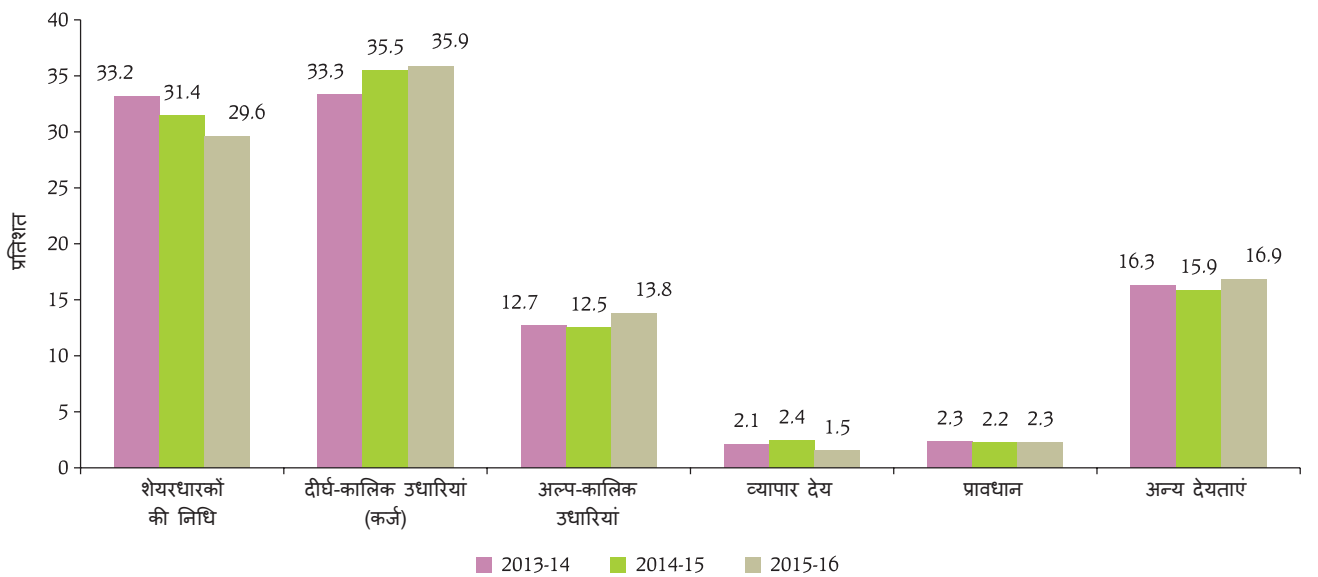

के हिस्से में वृद्धि पाई गई थी। 'शेयर ट्रेडिंग' और 'निवेश होल्डिंग' तथा 'आस्ति वित्त' कंपनियों में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक उधारियों, दोनों का हिस्सा 2015-16 के दौरान बढ़ा (विवरण 4)।

7. आस्तियों का स्वरूप : कुल आस्तियों में दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा बढ़ा जबकि निवेश का हिस्सा घटा

7.1 चुनिंदा एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की आस्तियों की संरचना दर्शाती है कि कुल आस्तियों में कुल ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा (अल्प और दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों सहित) 60 प्रतिशत से अधिक था। कुल आस्तियों में कुल ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा 2014-15 के 61.9 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 65.7 प्रतिशत हो गया। इन कंपनियों द्वारा प्रदत्त कुल ऋणों और अग्रिमों के हिस्से में जो वृद्धि हुई थी वह मुख्य रूप से दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों में बढ़ोतरी की वजह से हुआ था। कुल आस्तियों में दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा 2014-15 के 39 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 43 प्रतिशत हो गया, जबकि अल्प-कालिक ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा सीमांत रूप से घटा। 2015-16 के दौरान सभी गतिविधि समूहों में कुल आस्तियों में दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों के हिस्से में बढ़ोतरी देखी गई थी (चार्ट 6 और विवरण 5)।

7.2 कुल आस्तियों में चालू और गैर-चालू निवेशों का हिस्सा 2014-15 के क्रमशः 3.4 प्रतिशत और 15.4 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में क्रमशः 2.6 प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत रह गया। कुल आस्तियों में चालू और गैर-चालू निवेशों के हिस्सों में यह गिरावट 'शेयर ट्रेडिंग' और 'निवेश होल्डिंग' तथा 'नाना प्रकार' को छोड़कर, जिसमें गत वर्ष की तुलना में 2015-16 के दौरान चालू निवेशों में वृद्धि हुई थी, सभी गतिविधि समूहों में पाई गई थी (चार्ट 6 और विवरण 5)।

7.3 इसके अतिरिक्त, कुल आस्तियों में नकदी और नकदी समतुल्यों का हिस्सा 2013-14 के 6.7 प्रतिशत से धीरे-धीरे घटकर 2015-16 में 4.7 प्रतिशत रह गया (चार्ट 6)।

8. निधि के स्रोत : निधि के कुल स्रोतों में कर्ज वित्त के जरिए जुटाई गई निधि का हिस्सा बढ़ा

8.1 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों (कुल देयताओं में 50 प्रतिशत से अधिक को शामिल करते हुए) की देयता संरचना में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक उधारियों की बड़ी भूमिका होने के नाते, बाह्य स्रोत का कारोबार के विस्तार में प्रमुख

चार्ट 6 : आस्ति संरचना प्रोफाइल : 2013-14 से 2015-16

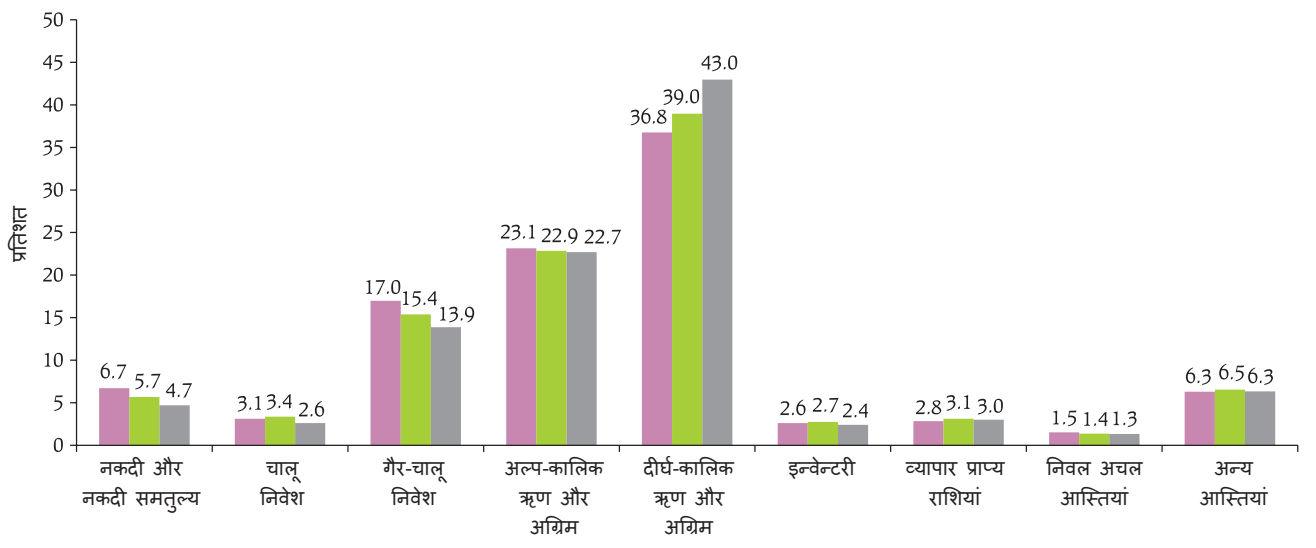

भूमिका रही। निधि के कुल स्रोतों में बाह्य स्रोतों के जरिए जुटाई गई निधियों का हिस्सा 2014-15 के 86.8 प्रतिशत की तुलना में 2015-16 में बढ़कर 88 प्रतिशत हो गया। 'शेयर ट्रेडिंग' और 'निवेश होल्डिंग' तथा 'ऋण वित्त' कंपनियों में निधि के कुल स्रोतों में निधि के बाह्य स्रोतों के हिस्सों में बढ़ोतरी पाई गई थी (विवरण 6)।

8.2 अल्प-कालिक उधारियों के जरिए जुटाई गई निधि गत वर्ष के 11.2 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 21.2 प्रतिशत हो गई। जबकि कुल निधि के कुल स्रोतों में दीर्घ-कालिक उधारियों से जुटाई गई निधि का हिस्सा 2014-15 के 49.2 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 37.9 प्रतिशत रह गया। निधि के कुल स्रोतों में बैंकों से लिए गए मियादी ऋणों के जरिए जुटाई गई निधि का हिस्सा गत वर्ष के 30.9 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 21.7 प्रतिशत रह गया, जो मुख्य रूप से बैंकों से लिए गए दीर्घ-कालिक ऋणों के जरिए जुटाई गई निधि में गिरावट की वजह से हुआ (विवरण 6)।

8.3 निधि के कुल स्रोतों में निधि के आंतरिक स्रोतों का हिस्सा गत वर्ष के 13.2 प्रतिशत से सीमांत रूप से घटकर 2015-16 में 12 प्रतिशत रह गया, जो मुख्य रूप से 2015-16 के दौरान आरक्षित निधि और अधिशेष तथा चुकता पूंजी के हिस्सों में गिरावट की वजह से हुआ। गतिविधि समूहों में 'शेयर ट्रेडिंग' और 'निवेश होल्डिंग' तथा 'ऋण वित्त' कंपनियों में निधि के कुल स्रोतों में निधि के आंतरिक स्रोतों के हिस्सों में गिरावट पाई गई थी (विवरण 6)।

9. निधि के उपयोग : कारोबार गतिविधि में ऋणों के वित्तपोषण और गैर-चालू निवेश में वृद्धि

9.1 निधि के कुल उपयोग में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा 85 प्रतिशत से अधिक था। निधि के कुल उपयोग में एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों द्वारा प्रदत्त अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा 2014-15 के 20.7 प्रतिशत और 52.8 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में क्रमशः 21.8 प्रतिशत और 65.4 प्रतिशत हो गया। इसके अतिरिक्त, निधि के कुल उपयोग में गैर-चालू निवेशों का हिस्सा 2014-15 के 4.9 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 5.4 प्रतिशत हो गया (विवरण 7)।

9.2 'आस्ति वित्त' कंपनियों को छोड़कर सभी गतिविधि समूहों में 2015-16 के दौरान निधि के कुल उपयोग में दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों के हिस्से में वृद्धि हुई। जबकि 2015-16 के दौरान 'ऋण वित्त' और 'आस्ति वित्त' कंपनियों के निधि के कुल उपयोग में गैर-चालू निवेशों का हिस्सा गत वर्ष की तुलना में बढ़ा (विवरण 7)।

10. चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों के निष्पादन : परिचालन लाभ मार्जिन, आरओए एवं आरओई घटा

10.1 समग्र स्तर पर, चुनिंदा एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों के संपूर्ण वित्तीय निष्पादन के विपरीत चुनिंदा 1,730 चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों की वित्तीय आय गत वर्ष के 10.3 प्रतिशत की तुलना में 2015-16 में 0.5 प्रतिशत की सीमांत दर पर बढ़ी (सारणी 2)।

10.2 चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों के कुल व्यय में 2014-15 के 7 प्रतिशत की तुलना में 2015-16 में 4.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कुल व्यय की तुलना में कुल आय में निम्नतर वृद्धि के परिणामस्वरूप, चुनिंदा चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों के परिचालन लाभ में गत वर्ष के 28.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2015-16 में 17.7 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अतिरिक्त, चुनिंदा चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों के निवल लाभ में भी 2015-16 में 12.7 प्रतिशत की कमी आई (सारणी 2)।

10.3 समग्र स्तर पर, एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों के बढ़ते रुझान के विपरीत चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों का लीवरेज अनुपात (इक्विटी की तुलना में कर्ज का अनुपात) गत वर्ष के 44.6 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 43.1 प्रतिशत रह गया। इसके अतिरिक्त, परिचालन लाभ और निवल लाभ में गिरावट के चलते चिट फंड और म्युचुअल फंड कंपनियों के परिचालन लाभ मार्जिन, आरओए एवं आरओई

सारणी 2 : चुनिंदा वृद्धि दरें और चिट एवं म्युचुअल फंड कंपनियों के अनुपात (1,730)

प्रतिशत

मद	2013-14	2014-15	2015-16
चुनिंदा वृद्धि दरें			
1. वित्तीय आय	-	10.3	0.5
2. कुल आय	-	9.0	2.1
3. कुल व्यय	-	7.0	4.4
4. परिचालन लाभ (ईबीडीटी)	-	28.4	-17.7
5. निवल लाभ	-	24.3	-12.7
चुनिंदा अनुपात			
1. वित्तीय आय की तुलना में ईबीडीटी	16.4	19.1	15.6
2. इक्विटी की तुलना में कर्ज	43.2	44.6	43.1
3. कुल निवल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ	2.1	2.4	2.0
4. निवल मालियत की तुलना में निवल लाभ	11.2	12.9	10.6
5. कुल निवल आस्तियों की तुलना में उधारियां	17.8	16.1	15.0
6. कुल उधारियों की तुलना में बैंक उधारियां	23.7	17.4	13.2

टिप्पणी : कोष्ठक में दिया गया आंकड़ा चिट और म्युचुअल फंड कंपनियों की कुल संख्या को दर्शाता है।

में 2014-15 में सुधार की तलना में 2015-16 में कमी आई (सारणी 2)।

10.4 कुल निवल आस्तियों में उधारियों का हिस्सा 2014-15 के 16.1 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 15 प्रतिशत रह गया। इतना ही नहीं, कुल उधारियों में बैंकों से उधारियों का हिस्सा भी 2014-15 के 17.4 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में 13.2 प्रतिशत रह गया (सारणी 2)।

11. निष्कर्ष

11.1 समग्र परिणाम दर्शाते हैं कि चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों के संपूर्ण निष्पादन 2015-16 में बेहतर हुए हैं। योजित सकल मूल्य (जीवीए) के साथ-साथ वित्तीय आय गत वर्ष की तुलना में 2015-16 में बढ़ी। कुल व्यय कुल आय की तुलना में निम्नतर दर पर बढ़ा, जिसकी बदौलत परिचालन लाभ (ईबीडीटी) में 2015-16 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई। फिर भी, ब्याज व्यय में वृद्धि, जिसका कुल व्यय में बड़ा हिस्सा है, गत वर्ष की तुलना में 2015-16 में सीमांत रूप से बढ़ी।

11.2 इसके अतिरिक्त, निवेश पर प्रतिलाभ (आरओआई) 2015-16 में बेहतर हुआ। फिर भी, 2015-16 में चलनिधि स्थिति ख़राब हुई और लीवरेज अनुपात तथा अनुमानित प्राप्य राशियों की तुलना में अशोध्य कर्जों का अनुपात बढ़ा।

11.3 देयता पक्ष में, एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की कुल देयताओं में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक उधारियों का हिस्सा गत वर्ष की तुलना में 2015-16 में बढ़ा, जबकि तीन वर्षों में कुल देयताओं में शेयरधारकों की निधि का हिस्सा धीरे-धीरे घटा। दूसरी तरफ, कुल आस्तियों में अल्प-कालिक और दीर्घ-कालिक ऋणों और अग्रिमों का हिस्सा 2015-16 में बढ़ा।

11.4 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियां अपने कारोबार के विस्तार के लिए मुख्यतः बाह्य स्रोतों पर निर्भर करती आ रही हैं और उनका हिस्सा 2015-16 में बढ़ा है। अल्प-कालिक उधारियों के जरिए जुटाई गई निधि का हिस्सा गत वर्ष की तुलना में 2015-16 में बढ़ा है। इन कंपनियों ने 2015-16 में अपने निधियों का उपयोग मुख्य रूप से गैर-चालू निवेशों एवं अल्प-कालिक तथा दीर्घ-कालिक ऋण और अग्रिम पोर्टफोलियो में विस्तार करने के लिए किया है।

विवरण 1: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की चुनिंदा मदों में वृद्धि दरें: 2014-15 और 2015-16

(प्रतिशत)

मद	सभी गतिविधियां		शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग		ऋण वित्त	
	(21,186)		(9,269)		(2,396)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
1. वित्तीय आय	17.1	18.7	25.7	7.7	15.8	22.2
जिसमें से: क) प्राप्त ब्याज	23.1	19.1	40.2	7.8	17.3	22.2
ख) प्राप्त लाभांश	5.6	17.1	4.7	55.3	41.7	-27.8
2. कुल आय	18.6	17.3	25.9	9.2	17.3	19.9
3. कुल व्यय	19.2	16.6	19.0	6.2	19.9	18.4
4. ब्याज भुगतान	17.4	17.7	15.8	23.0	16.0	19.4
5. कर्मचारियों का पारिश्रमिक	22.8	13.3	10.8	8.1	41.9	10.2
6. मूल्यह्रास का प्रावधान	25.7	5.4	31.5	-11.9	14.6	31.4
7. परिचालनगत लाभ (ईबीडीटी)	13.3	22.3	32.6	7.9	3.9	37.1
8. सकल वर्धित मूल्य (जीवीए)$	15.8	19.8	26.6	7.9	14.8	27.6
9. कर प्रावधान	17.5	23.2	50.9	0.3	6.6	34.3
10. निवल लाभ	21.0	12.5	33.1	13.9	14.2	20.4
11. भुगतान किया गया लाभांश	12.5	12.6	16.1	4.9	-1.2	53.2
12. प्रतिधारित लाभ	23.6	12.5	43.9	18.5	19.2	11.5
13. निवेश	7.5	3.7	7.5	3.9	9.4	3.9
14. ऋण और अग्रिम	18.9	25.1	9.2	8.7	22.2	32.8
15. कुल निवल आस्तियाँ	15.2	17.8	9.9	4.9	18.1	23.1
16. उधार	20.2	21.9	28.0	15.9	22.2	26.4
जिसमें से: बैंकों से उधार	26.5	19.6	22.8	17.9	14.8	6.4
17. निवल मालियत	9.1	11.0	6.2	4.2	13.0	17.2

मद	आस्ति वित्त		नाना प्रकार		विविध	
	(4,039)		(922)		(4,560)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
1. वित्तीय आय	16.3	18.6	22.4	28.8	15.5	18.2
जिसमें से: क) प्राप्त ब्याज	32.4	15.4	14.3	49.8	13.7	22.4
ख) प्राप्त लाभांश	-27.3	-35.2	-1.6	14.9	-12.5	-33.6
2. कुल आय	19.0	16.4	16.7	36.5	15.9	18.1
3. कुल व्यय	20.4	14.8	20.9	37.7	15.5	19.9
4. ब्याज भुगतान	20.4	13.9	14.2	41.0	17.6	16.2
5. कर्मचारियों का पारिश्रमिक	16.4	20.5	30.8	20.4	11.6	13.9
6. मूल्यह्रास का प्रावधान	28.4	0.5	44.9	-8.3	32.6	-3.9
7. परिचालनगत लाभ (ईबीडीटी)	12.2	22.2	30.6	-0.7	14.1	13.1
8. सकल वर्धित मूल्य (जीवीए)$	13.0	21.9	30.7	6.3	13.0	13.4
9. कर प्रावधान	16.0	26.6	10.7	17.2	26.4	9.5
10. निवल लाभ	21.3	11.1	35.6	13.7	17.7	0.2
11. भुगतान किया गया लाभांश	15.1	-12.7	-28.0	47.4	32.3	10.4
12. प्रतिधारित लाभ	22.7	16.0	36.4	13.4	14.7	-2.1
13. निवेश	4.6	4.1	6.9	0.1	8.6	2.0
14. ऋण और अग्रिम	15.8	20.8	14.4	9.7	22.7	21.6
15. कुल निवल आस्तियाँ	15.1	19.2	11.5	4.3	14.0	13.4
16. उधार	18.8	22.2	32.9	-1.6	16.3	8.7
जिसमें से: बैंकों से उधार	39.0	34.1	27.5	-64.5	26.0	3.3
17. निवल मालियत	9.2	14.4	4.2	10.2	8.8	7.1

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
$जीवीए को इस प्रकार परिभाषित किया गया है (वित्तीय आय+ गैर वित्तीय आय - कुल व्यय + वेतन, मजदूरी और बोनस+ कर्मचारी कल्याण व्यय+ मूल्यह्रास)।

विवरण 2: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का चुनिंदा वित्तीय अनुपात : 2013-14 से 2015-16

(प्रतिशत)

मद	सभी गतिविधियां			शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग			ऋण वित्त		
	(21,186)			(9,269)			(2,396)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
1. निवल लाभों की तुलना में लाभांश	24.5	23.5	22.5	40.5	35.8	32.3	25.0	22.2	28.3
2. वित्तीय आय की तुलना में परिचालनगत लाभ	34.2	33.1	34.1	45.7	48.1	48.2	23.8	21.4	24.0
3. कुल निवल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ	2.5	2.6	2.6	3.2	3.9	4.3	2.1	2.0	1.9
4. निवल मालियत की तुलना में निवल लाभ	7.7	8.2	8.7	4.4	5.5	6.1	8.4	8.3	8.5
5. ईक्विटी की तुलना में ऋण	100.4	112.9	121.1	9.8	9.6	11.8	153.8	166.1	171.3
6. कुल निवल आस्तियों की तुलना में उधार	46.0	48.0	49.7	13.6	15.8	17.5	50.8	52.6	54.0
7. कुल उधार की तुलना में बैंक उधारियां	39.0	41.0	40.2	24.6	23.6	24.0	46.2	43.4	36.5
8. चालू अनुपात$	1.3	1.3	1.2	1.8	1.7	1.8	1.3	1.3	1.1
9. नकदी अनुपात@	21.6	18.5	14.6	45.5	45.0	44.0	19.7	17.8	12.1
10. कुल आस्तियों की तुलना में निवल कार्यशील पूंजी	10.2	10.2	6.3	15.6	14.5	16.2	10.3	10.1	3.0
11. कुल आस्तियों की तुलना में निवल ब्याज मार्जिन	3.3	3.7	3.7	2.0	2.8	2.7	4.9	4.9	5.0
12. निवेश पर प्रतिलाभ	12.7	13.8	15.6	5.8	7.0	7.9	13.5	13.7	15.9
13. अपेक्षित प्राप्तियों की तुलना में अशोध्य ऋण	1.5	4.3	4.9	0.3	0.4	0.3	1.9	11.1	10.6

मद	आस्ति वित्त			नाना प्रकार			विविध		
	(4,039)			(922)			(4,560)		
1. निवल लाभों की तुलना में लाभांश	18.9	18.6	14.0	1.4	0.9	1.0	19.4	22.7	21.6
2. वित्तीय आय की तुलना में परिचालनगत लाभ	46.3	44.7	46.0	33.1	35.3	27.3	27.9	27.5	26.3
3. कुल निवल आस्तियों की तुलना में निवल लाभ	2.7	2.7	2.7	2.1	2.0	2.6	2.6	2.6	2.6
4. निवल मालियत की तुलना में निवल लाभ	11.0	11.9	12.0	3.1	3.2	4.0	7.3	7.7	8.3
5. ईक्विटी की तुलना में ऋण	169.9	192.2	202.4	10.9	16.3	17.2	77.9	90.4	88.6
6. कुल निवल आस्तियों की तुलना में उधार	56.4	58.1	59.6	21.7	25.9	24.4	40.7	41.6	39.8
7. कुल उधार की तुलना में बैंक उधारियां	37.5	43.8	48.1	18.7	18.0	6.5	27.3	29.6	28.1
8. चालू अनुपात$	1.2	1.2	1.2	1.6	1.5	1.9	1.5	1.5	1.2
9. नकदी अनुपात@	14.4	10.4	10.5	18.9	20.9	24.7	32.7	24.0	16.5
10. कुल आस्तियों की तुलना में निवल कार्यशील पूंजी	5.5	7.2	5.8	14.2	14.5	20.1	17.0	14.4	7.5
11. कुल आस्तियों की तुलना में निवल ब्याज मार्जिन	3.0	3.8	3.7	3.3	3.4	5.0	1.1	1.0	1.2
12. निवेश पर प्रतिलाभ	24.0	26.9	29.9	5.7	5.7	7.9	14.9	15.6	17.6
13. अपेक्षित प्राप्तियों की तुलना में अशोध्य ऋण	1.8	1.2	2.2	0.4	1.0	-	2.0	5.6	6.9

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
$ वास्तविक अनुपात (गुना में)
@ नकदी अनुपात को चालू देयताओं की तुलना में नकदी और नकदी समतुल्यों के अनुपात के रूप में परिभाषित किया गया है। - शून्य या नगण्य।

विवरण 3: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की आय और व्यय संरचना : 2013-14 से 2015-16

(प्रतिशत)

मदें	सभी गतिविधियां			शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग			ऋण वित्त		
	(21,186)			(9,269)			(2,396)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
आय									
1. वित्तीय आय $	99.1	97.9	99.0	96.5	96.3	95.0	97.3	96.0	97.8
ए. निधि आधारित आय	93.0	93.9	94.6	90.1	94.0	91.7	93.7	91.4	92.5
जिसमें से, (ए) ब्याज	63.1	65.5	66.5	34.0	37.8	37.3	81.5	81.5	83.1
(बी) लाभांश	2.0	1.8	1.8	9.1	7.6	10.8	0.9	1.0	0.6
(सी) निवल लाभ/ शेयर लेनदेन में हुई हानि	4.3	6.0	5.5	19.8	31.6	27.6	2.5	2.1	3.4
(डी) किराया खरीद वित्तपोषण से शुद्ध आय	0.9	1.0	0.9	2.5	2.5	1.7	0.2	0.2	0.2
(ई) अन्य निधि आधारित आय	22.2	19.3	19.6	24.1	14.2	14.0	8.4	6.5	5.2
बी. शुल्क आधारित आय	6.1	3.9	4.4	6.4	2.4	3.3	3.5	4.6	5.3
जिसमें से (ए) दलाली	0.1	0.1	0.1	0.4	0.3	0.2	0.2	0.1	0.1
(बी) अन्य शुल्क आधारित आय	5.9	3.8	4.3	6.0	2.0	3.0	3.4	4.5	5.2
2. गैर वित्त आय	0.6	0.7	0.6	1.5	0.8	0.6	0.5	0.8	0.9
3. गैर परिचालनगत अधिशेष(+)/घाटा(-)	0.2	1.5	0.4	2.0	2.9	4.4	2.2	3.2	1.3
कुल आय	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**
व्यय									
1. ब्याज	48.8	48.1	48.6	20.8	20.3	23.5	58.8	56.9	57.4
2. वेतन, मजदूरी और बोनस	15.9	16.3	15.9	26.6	24.8	25.1	11.1	13.1	12.2
3. भविष्य निधि	1.0	1.1	1.0	1.5	1.5	1.7	0.6	0.8	0.7
4. कर्मचारी कल्याण व्यय	0.9	0.9	1.0	1.4	1.1	1.2	0.6	0.6	0.7
5. अशोध्य ऋण #	0.6	1.9	2.1	0.3	0.3	0.2	0.5	2.7	2.7
6. अन्य व्यय	27.5	29.3	27.5	43.8	46.8	44.2	20.8	24.0	20.8
7. अन्य प्रावधान (कर और मूल्यह्रास के अलावा)	3.3	0.3	2.1	1.1	0.2	0.1	6.3	0.6	4.2
8. मूल्यह्रास प्रावधान	2.0	2.1	1.9	4.5	4.9	4.1	1.3	1.2	1.4
कुल व्यय	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।

- शून्य अथवा नगण्य # अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान शामिल है

$ प्रत्येक कंपनी की गतिविधियों के स्वरूप के मुताबिक परिचालन व्यय को ब्याज आय, लाभांश आय इत्यादि के रूप में पुनर्वर्गीकृत करने एवं अन्य आय के तदनुरूप संबंधित मद को जोड़ने के पश्चात वित्तीय आय एवं उसके उप-घटकों पर पहुंचा जा सका।

विवरण 3: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की आय और व्यय संरचना : 2013-14 से 2015-16 *(समाप्त)*

(प्रतिशत)

मदें	आस्ति वित्त			नाना प्रकार			विविध		
	(4,039)			(922)			(4,560)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
आय									
1. वित्तीय आय $	105.2	102.8	104.7	94.8	99.4	93.8	94.6	94.3	94.4
ए. निधि आधारित आय	94.6	100.3	101.9	93.7	98.2	92.9	90.0	87.8	88.1
जिसमें से, (ए) ब्याज	63.9	71.1	70.5	62.2	60.9	66.9	33.4	32.8	34.0
(बी) लाभांश	0.7	0.4	0.2	2.4	2.0	1.7	1.9	1.4	0.8
(सी) निवल लाभ/ शेयर लेनदेन में हुई हानि	1.8	2.8	2.1	2.6	5.7	3.9	2.2	1.6	0.8
(डी) किराया खरीद वित्तपोषण से शुद्ध आय	1.0	1.2	1.3	4.9	8.8	2.8	1.0	1.3	1.2
(ई) अन्य निधि आधारित आय	25.8	23.7	26.6	19.9	19.4	17.3	51.5	50.6	51.2
बी. शुल्क आधारित आय	10.6	2.5	2.8	1.1	1.2	0.9	4.5	6.5	6.3
जिसमें से (ए) दलाली	-	-	-	-	-	-	0.2	0.1	0.1
(बी) अन्य शुल्क आधारित आय	10.4	2.3	2.6	1.1	1.0	0.9	4.3	6.3	6.2
2. गैर वित्त आय	0.2	0.5	0.2	1.7	2.5	0.4	1.0	0.5	0.6
3. गैर परिचालनगत अधिशेष(+)/घाटा(-)	-5.4	-3.3	-4.9	3.5	-1.9	5.8	4.4	5.3	5.0
कुल आय	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**
व्यय									
1. ब्याज	50.5	50.6	50.1	31.9	30.1	30.8	34.9	35.5	34.4
2. वेतन, मजदूरी और बोनस	15.6	14.9	15.7	20.7	22.7	19.8	23.8	22.9	21.9
3. भविष्य निधि	1.1	1.2	1.1	1.6	1.7	1.6	1.5	1.4	1.2
4. कर्मचारी कल्याण व्यय	1.4	1.3	1.5	0.9	0.7	0.6	1.0	1.1	1.0
5. अशोध्य ऋण #	0.7	0.8	1.5	0.3	0.5	-	0.9	2.2	2.4
6. अन्य व्यय	28.3	28.7	27.9	40.1	38.8	43.6	35.2	34.8	37.4
7. अन्य प्रावधान (कर और मूल्यह्रास के अलावा)	0.1	-	-	-	-	-	0.9	-	-
8. मूल्यह्रास प्रावधान	2.3	2.4	2.1	4.5	5.4	3.6	1.8	2.1	1.7
कुल व्यय	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
- शून्य अथवा नगण्य # अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान शामिल है
$ प्रत्येक कंपनी की गतिविधियों के स्वरूप के मुताबिक परिचालन व्यय को ब्याज आय, लाभांश आय इत्यादि के रूप में पुनर्वर्गीकृत करने एवं अन्य आय के तदनुरूप संबंधित मद को जोड़ने के पश्चात वित्तीय आय एवं उसके उप-घटकों पर पहुंचा जा सका।

विवरण 4: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का देयता संरचना प्रोफाइल : 2013-14 से 2015-16

(प्रतिशत)

मदें	सभी गतिविधियां			शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग			ऋण वित्त		
	(21,186)			(9,269)			(2,396)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
1. शेयरधारकों की निधि	33.2	31.4	29.6	72.6	70.2	69.7	25.0	23.9	22.8
जिसमें से, (i) शेयर पूंजी	8.5	7.8	7.1	17.4	17.2	16.4	7.3	6.5	6.1
(ii) आरक्षित निधि और अधिशेष	24.6	23.6	22.5	54.7	52.7	52.9	17.7	17.4	16.7
2. गैर चालू देयताएं	35.6	37.8	38.2	8.2	8.0	9.4	41.5	42.7	41.6
(ए) दीर्घावधि उधारियां (ऋण)$	33.3	35.5	35.9	7.1	6.7	8.2	38.4	39.7	39.0
जिसमें से, (i) बान्ड/डिबेंचर	6.4	7.0	10.0	1.6	1.3	2.2	11.1	15.2	19.2
(ii) मियादी ऋण	21.6	21.3	20.3	3.3	3.6	4.4	19.4	19.7	15.7
जिसमें से, बैंकों से मियादी ऋण	10.9	12.8	12.9	0.7	0.7	1.4	17.8	17.6	14.6
(iii) जमाराशियां	1.7	2.9	2.4	0.1	0.1	0.1	1.1	1.8	2.2
(iv) संबंधित पार्टियों से लिए गए ऋण और अग्रिम	2.5	1.6	1.1	1.9	1.3	1.0	4.8	1.2	0.7
(बी) दीर्घ-कालिक प्रावधान	1.2	1.2	1.2	0.2	0.2	0.2	2.3	2.1	1.9
(सी) अन्य दीर्घ-कालिक देयताएं	1.1	1.1	1.1	0.9	1.1	0.9	0.8	0.9	0.7
3. चालू देयताएं	31.1	30.7	32.1	18.9	21.8	20.7	33.5	33.4	35.6
(ए) अल्प-कालिक उधारियां$	12.7	12.5	13.8	6.5	9.1	9.3	12.4	12.9	15.0
जिसमें से, (i) मांग पर देय ऋण	9.0	8.3	8.9	4.5	5.2	5.2	6.8	5.9	6.2
जिसमें से, बैंकों से	7.1	6.9	7.1	2.6	3.0	2.8	5.7	5.2	5.1
(ii) संबंधित पार्टियों से लिए गये ऋण और अग्रिम	0.6	0.3	0.7	1.0	1.7	2.6	0.5	0.2	0.7
(iii) अन्य ऋण और अग्रिम	2.8	3.5	3.7	1.0	2.2	1.3	4.4	5.7	7.3
(बी) व्यापार देय	2.1	2.4	1.5	6.1	5.1	4.3	1.5	1.2	1.0
(सी) अल्प-कालिक प्रावधान	1.1	1.1	1.1	1.5	1.6	1.1	1.2	1.1	1.1
(डी) अन्य चालू देयताएं	15.1	14.7	15.7	4.8	6.0	6.0	18.3	18.3	18.6
कुल देयताएं	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
- शून्य अथवा नगण्य # अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान शामिल है
$ गैर एक्सबीआरएल डेटा के दीर्घ-कालिक उधारियों और अल्प-कालिक उधारियों के उप घटकों का अनुमान प्रत्येक गतिविधि समूहों के एक्सबीआरएल डेटा के तदनुरूपी अनुपातों के आधार पर लगाया जाता है।

विवरण 4: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का देयता संरचना प्रोफाइल : 2013-14 से 2015-16 *(समाप्त)*

(प्रतिशत)

मदें	आस्ति वित्त			नाना प्रकार			विविध		
	(4,039)			(922)			(4,560)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
1. शेयरधारकों की निधि	24.3	23.0	22.1	66.7	62.2	65.7	35.5	33.9	32.0
जिसमें से, (i) शेयर पूंजी	6.3	5.6	5.1	15.5	14.5	14.8	7.9	7.2	6.5
(ii) आरक्षित निधि और अधिशेष	18.0	17.4	17.0	49.0	47.7	50.9	27.5	26.7	25.5
2. गैर चालू देयताएं	42.6	45.6	46.2	7.9	11.0	12.2	31.8	34.9	33.4
(ए) दीर्घावधि उधारियां (ऋण)$	41.2	44.2	44.7	7.3	10.2	11.3	27.6	30.6	28.3
जिसमें से, (i) बान्ड/डिबेंचर	3.9	3.1	5.9	-	-	-	6.5	2.1	2.7
(ii) मियादी ऋण	36.2	33.6	33.2	2.8	3.7	6.0	7.6	10.1	11.6
जिसमें से, बैंकों से मियादी ऋण	10.1	14.2	16.6	2.2	3.1	1.0	6.5	8.7	8.3
(iii) जमाराशियां	0.3	0.2	0.3	0.2	2.5	2.0	9.0	16.3	11.3
(iv) संबंधित पार्टियों से लिए गए ऋण और अग्रिम	0.7	2.3	1.4	2.3	0.8	-	2.4	1.2	1.1
(बी) दीर्घ-कालिक प्रावधान	0.6	0.5	0.5	0.2	0.2	0.2	1.3	1.4	2.0
(सी) अन्य दीर्घ-कालिक देयताएं	0.7	0.8	1.0	0.5	0.6	0.6	2.9	2.8	3.0
3. चालू देयताएं	33.1	31.4	31.7	25.2	26.8	22.1	32.5	31.2	34.6
(ए) अल्प-कालिक उधारियां$	15.1	13.9	14.9	14.4	15.7	13.0	13.1	10.9	11.5
जिसमें से, (i) मांग पर देय ऋण	12.6	12.2	13.3	10.1	10.0	0.6	9.6	6.7	7.6
जिसमें से, बैंकों से	11.0	11.3	12.1	1.9	1.5	0.6	4.6	3.6	2.9
(ii) संबंधित पार्टियों से लिए गये ऋण और अग्रिम	0.4	-	0.2	1.9	-	3.7	0.7	0.1	0.4
(iii) अन्य ऋण और अग्रिम	2.2	1.6	1.2	2.5	4.3	5.8	2.3	3.8	3.0
(बी) व्यापार देय	1.1	2.6	0.9	4.2	3.8	2.6	2.1	2.4	2.3
(सी) अल्प-कालिक प्रावधान	1.0	0.9	0.9	0.7	0.6	0.6	1.0	1.2	1.8
(डी) अन्य चालू देयताएं	15.9	14.0	15.0	5.9	6.7	5.9	16.4	16.6	19.0
कुल देयताएं	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।

- शून्य अथवा नगण्य # अशोध्य ऋण के लिए प्रावधान शामिल है

$ गैर एक्सबीआरएल डेटा के दीर्घ-कालिक उधारियों और अल्प-कालिक उधारियों के उप घटकों का अनुमान प्रत्येक गतिविधि समूहों के एक्सबीआरएल डेटा के तदनुरूपी अनुपातों के आधार पर लगाया जाता है।

विवरण 5: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों का आस्ति संरचना प्रोफाइल 2013-14 से 2015-16

(प्रतिशत)

मदें	सभी गतिविधियां			शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग			ऋण वित्त		
	(21,186)			(9,269)			(2,396)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
1. चालू आस्तियां	**41.3**	**41.0**	**38.5**	**34.5**	**36.3**	**36.9**	**43.8**	**43.6**	**38.6**
(ए) नकदी और नकदी समतुल्य	6.7	5.7	4.7	8.6	9.8	9.1	6.6	6.0	4.3
(बी) चालू निवेश	3.1	3.4	2.6	4.4	4.9	5.6	4.1	4.4	3.1
(सी) इन्वेंट्रीज	2.6	2.7	2.4	5.1	6.1	6.3	2.0	2.2	1.6
(डी) व्यापार प्राप्य	2.8	3.1	3.0	4.6	3.8	4.0	2.7	2.2	2.2
(ई) अल्प-कालिक ऋण और अग्रिम	23.1	22.9	22.7	10.1	9.8	10.0	26.0	26.1	25.5
(एफ) अन्य चालू आस्तियां	2.9	3.2	3.0	1.7	1.8	2.0	2.5	2.6	1.9
2. गैर चालू आस्तियां	**58.7**	**59.0**	**61.5**	**65.5**	**63.7**	**63.1**	**56.2**	**56.4**	**61.4**
(ए) गैर चालू निवेश	17.0	15.4	13.9	51.6	49.8	48.7	11.5	10.0	9.1
जिसमें से, भारतीय प्रतिभूतियां	16.9	15.3	13.8	51.5	49.8	48.6	11.3	9.9	8.8
(बी) दीर्घ-कालिक ऋण और अग्रिम	36.8	39.0	43.0	9.2	9.4	9.9	41.2	43.3	49.4
(सी) निवल अचल आस्तियां	1.5	1.4	1.3	3.7	3.4	3.5	1.0	0.9	1.0
(डी) अन्य गैर-चालू आस्तियां	3.1	3.1	3.1	0.9	0.9	0.8	2.0	1.8	1.4
कुल आस्तियां	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

मदें	आस्ति वित्त			नाना प्रकार			विविध		
	(4,039)			(922)			(4,560)		
	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16	2013-14	2014-15	2015-16
1. चालू आस्तियां	**38.6**	**38.6**	**37.5**	**39.4**	**41.3**	**42.2**	**49.5**	**45.5**	**42.0**
(ए) नकदी और नकदी समतुल्य	4.8	3.3	3.3	4.8	5.6	5.5	10.6	7.5	5.7
(बी) चालू निवेश	1.5	1.8	1.2	3.5	4.1	4.8	3.7	3.4	2.4
(सी) इन्वेंट्रीज	2.4	2.3	2.2	5.2	4.8	5.1	1.9	1.7	1.5
(डी) व्यापार प्राप्य	1.9	3.8	3.5	3.5	3.1	2.4	3.9	3.2	2.9
(ई) अल्प-कालिक ऋण और अग्रिम	24.1	22.8	22.4	20.7	21.9	22.7	27.1	27.6	27.5
(एफ) अन्य चालू आस्तियां	3.9	4.7	4.8	1.7	1.8	1.8	2.3	2.1	2.0
2. गैर चालू आस्तियां	**61.4**	**61.4**	**62.5**	**60.6**	**58.7**	**57.8**	**50.5**	**54.5**	**58.0**
(ए) गैर चालू निवेश	9.7	8.4	7.6	32.7	30.7	28.5	13.8	13.3	12.6
जिसमें से, भारतीय प्रतिभूतियां	9.7	8.4	7.6	32.7	30.7	28.5	13.8	13.3	12.6
(बी) दीर्घ-कालिक ऋण और अग्रिम	44.9	46.7	48.0	22.4	22.2	23.8	32.7	36.8	41.6
(सी) निवल अचल आस्तियां	1.1	0.9	0.9	4.1	3.9	4.3	1.7	1.6	1.5
(डी) अन्य गैर-चालू आस्तियां	5.4	5.3	5.8	1.3	1.8	1.0	1.9	2.3	2.0
कुल आस्तियां	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
$ गैर-एक्सबीआरएल डेटा के निवेशों के उप-घटकों का अनुमान प्रत्येक गतिविधि समूहों के एक्सबीआरएल डेटा के तदनुरूपी अनुपात के आधार पर लगाया जाता है।

विवरण 6 : चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की निधियों के स्रोत की संरचना : 2014-15 और 2015-16

(प्रतिशत)

मद	सभी गतिविधियां		शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग		ऋण वित्त	
	(21,186)		(9,269)		(2,396)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
आंतरिक स्रोत	13.2	12.0	37.1	6.1	14.4	12.5
1. प्रदत्त पूंजी	2.6	1.9	11.3	1.3	1.9	1.8
2. आरक्षित निधि और अधिशेष	8.0	7.3	21.0	9.7	10.0	8.3
3. प्रावधान	2.6	2.8	4.8	-4.8	2.5	2.4
बाह्य स्रोत	**86.8**	**88.0**	**62.9**	**93.9**	**85.6**	**87.5**
4. शेयर पूंजी और शेयर पर प्रीमियम	9.6	10.0	13.6	44.2	6.0	7.7
ए. गैर-चालू देयताएं	50.7	39.0	5.5	36.0	47.4	35.8
5. दीर्घ-कालिक उधारियां	49.2	37.9	3.0	38.2	46.4	35.7
जिसमें से, (क) बान्ड/डिबेंचर	10.9	26.7	-1.8	20.3	37.6	36.4
(ख) मियादी ऋण	18.8	15.0	6.8	21.0	21.1	-1.4
जिसमें से, बैंकों से	24.9	13.4	0.5	15.0	16.6	1.7
(ग) जमाराशियां	10.6	-0.6	-0.1	1.0	5.5	3.8
(घ) संबंधित पार्टियों से ऋण और अग्रिम	-4.4	-2.0	-5.1	-3.5	-18.1	-1.6
6. अन्य दीर्घ-कालिक देयताएं	1.5	1.1	2.5	-2.1	1.0	0.1
बी. चालू देयताएं	27.5	38.7	47.3	8.4	32.5	44.1
7. अल्प-कालिक उधारियां	11.2	21.2	34.6	12.2	15.4	24.2
जिसमें से, (क) मांग पर देय ऋण	3.1	12.4	11.7	6.8	0.6	7.7
जिसमें से, बैंकों से	6.0	8.3	7.0	-1.6	2.4	4.6
(ख) संबंधित पार्टियों से ऋण और अग्रिम	-1.1	3.1	9.0	20.8	-1.2	3.0
(ग) जमाराशियां	1.3	0.7	-0.1	0.1	3.0	-0.3
(घ) अन्य ऋण और अग्रिम	7.9	5.0	14.1	-15.5	13.0	13.8
8. व्यापार देय	4.5	-3.6	-5.3	-10.9	-0.6	0.1
9. अन्य चालू देयताएं	11.8	21.1	18.0	7.1	17.7	19.8
निधियों के कुल स्रोत	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
- शून्य अथवा नगण्य

विवरण 6 : चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों की निधियों के स्रोत की संरचना : 2014-15 और 2015-16 *(समाप्त)*

(प्रतिशत)

मद	आस्ति वित्त		नाना प्रकार		विविध	
	(4,039)		(922)		(4,560)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
आंतरिक स्रोत	4.2	7.6	50.1	162.6	16.0	26.9
1. प्रदत्त पूंजी	1.4	2.2	6.3	22.8	1.8	1.1
2. आरक्षित निधि और अधिशेष	1.2	4.4	41.4	140.6	10.1	11.1
3. प्रावधान	1.6	1.0	2.4	-0.9	4.1	14.7
बाह्य स्रोत	**95.8**	**92.4**	**49.9**	**-62.6**	**84.0**	**73.1**
4. शेयर पूंजी और शेयर पर प्रीमियम	12.2	10.6	-5.6	-13.2	11.7	5.3
ए. गैर-चालू देयताएं	64.6	49.2	36.2	40.3	55.0	15.4
5. दीर्घ-कालिक उधारियां	63.3	47.4	34.4	39.5	52.2	11.0
जिसमें से, (क) बान्ड/डिबेंचर	-2.2	21.1	-	-	-29.3	6.9
(ख) मियादी ऋण	16.4	31.5	11.9	58.8	27.8	22.3
जिसमें से, बैंकों से	40.7	29.3	10.9	-50.2	24.3	5.2
(ग) जमाराशियां	-0.5	0.5	22.0	-8.7	69.1	-25.8
(घ) संबंधित पार्टियों से ऋण और अग्रिम	12.2	-2.9	-11.6	-20.2	-7.4	0.8
6. अन्य दीर्घ-कालिक देयताएं	1.3	1.7	1.8	0.7	2.8	4.5
बी. चालू देयताएं	19.5	32.4	39.9	-89.2	19.1	52.4
7. अल्प-कालिक उधारियां	5.6	20.3	26.0	-49.7	-4.5	15.3
जिसमें से, (क) मांग पर देय ऋण	9.4	19.0	9.0	-223.2	-14.3	13.7
जिसमें से, बैंकों से	13.0	16.2	-1.4	-21.0	-3.6	-2.2
(ख) संबंधित पार्टियों से ऋण और अग्रिम	-2.2	1.2	-15.7	92.7	-4.5	2.6
(ग) जमाराशियां	0.2	1.4	12.6	40.9	-0.2	2.1
(घ) अन्य ऋण और अग्रिम	-1.7	-1.3	20.2	40.0	14.5	-3.1
8. व्यापार देय	12.4	-8.2	0.5	-25.7	5.2	1.2
9. अन्य चालू देयताएं	1.5	20.3	13.3	-13.9	18.4	35.9
निधियों के कुल स्रोत	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े गतिविधि में शामिल कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।
- शून्य अथवा नगण्य

विवरण 7: चुनिंदा 21,186 एनजीएनबीएफएंडआई कंपनियों के निधि उपयोग की संरचना 2014-15 से 2015-16

(प्रतिशत)

मदें	सभी गतिविधियां		शेयर ट्रेडिंग और निवेश होल्डिंग		ऋण वित्त	
	(21,186)		(9,269)		(2,396)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
1. चालू आस्तियां	**38.4**	**24.3**	**53.0**	**49.6**	**41.7**	**17.3**
(ए) नकदी और नकदी समतुल्य	-1.2	-0.7	21.5	-4.1	2.5	-2.9
(बी) चालू निवेश	4.9	-1.5	9.7	19.1	6.1	-2.4
(सी) इन्वेंट्रीज	3.5	0.6	16.5	9.4	3.3	-1.1
(डी) व्यापार प्राप्य राशि	4.9	2.4	-4.3	7.3	-0.5	2.4
(ई) अल्पकालिक ऋण और अग्रिम	20.7	21.8	6.7	12.9	26.7	22.8
(एफ) अन्य चालू आस्तियां	5.5	1.8	2.9	4.9	3.7	-1.5
2. गैर-चालू आस्तियां	**61.6**	**75.7**	**47.0**	**50.4**	**58.3**	**82.7**
(ए) गैर-चालू निवेश	4.9	5.4	31.7	24.1	1.9	4.8
जिसमें से, भारतीय प्रतिभूतियां	4.9	5.2	31.5	23.9	2.0	4.4
(बी) दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम	52.8	65.4	10.8	20.7	54.9	75.3
(सी) आस्थगित कर आस्तियां	-0.5	0.3	0.8	0.1	-0.2	0.6
(डी) सकल अचल आस्तियां	1.4	1.5	2.8	6.8	1.1	2.0
(ई) अन्य गैर-चालू आस्तियां	2.9	3.1	0.9	-1.4	0.5	-0.1
निधि का कुल उपयोग	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

मदें	आस्ति वित्त		नाना प्रकार		विविध	
	(4,039)		(922)		(4,560)	
	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16	2014-15	2015-16
1. चालू आस्तियां	**37.9**	**32.2**	**56.4**	**66.5**	**17.0**	**15.5**
(ए) नकदी और नकदी समतुल्य	-6.6	3.7	12.6	2.2	-15.3	-7.2
(बी) चालू निवेश	3.5	-1.7	8.6	22.9	1.6	-5.1
(सी) इन्वेंट्रीज	1.6	1.8	1.1	12.9	0.4	-0.1
(डी) व्यापार प्राप्य राशि	15.7	2.5	-0.4	-14.1	-1.9	0.7
(ई) अल्पकालिक ऋण और अग्रिम	13.8	20.2	31.9	41.1	31.4	26.1
(एफ) अन्य चालू आस्तियां	9.9	5.6	2.6	1.5	0.8	1.2
2. गैर-चालू आस्तियां	**62.1**	**67.8**	**43.6**	**33.5**	**83.0**	**84.5**
(ए) गैर-चालू निवेश	-0.1	3.9	12.4	-22.3	9.3	7.6
जिसमें से, भारतीय प्रतिभूतियां	-0.1	3.9	12.4	-22.3	9.3	7.6
(बी) दीर्घकालिक ऋण और अग्रिम	57.2	55.5	20.5	60.2	66.2	75.1
(सी) आस्थगित कर आस्तियां	-1.6	0.2	0.1	0.4	1.0	-0.2
(डी) सकल अचल आस्तियां	1.6	-0.1	4.1	12.9	0.8	2.9
(ई) अन्य गैर-चालू आस्तियां	5.0	8.4	6.5	-17.7	5.7	-0.9
निधि का कुल उपयोग	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**	**100.0**

टिप्पणी: गतिविधि के नाम के सामने कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े कंपनियों की संख्या दर्शाते हैं।

*यूनियन बजट 2017-18 : एक मूल्यांकन**

वैश्विक स्तर पर अनिश्चित आर्थिक और राजनैतिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए इस लेख में यूनियन बजट 2017-18 की प्रमुख बातों का विश्लेषण किया गया है, किंतु प्रमुख नीतिगत उपाय घरेलू स्तर पर किए गए। 'परिवर्तित, ऊर्जावान और स्वच्छ (टीईसी) भारत' बनाने के उद्देश्य के चलते संवृद्धि को बढ़ाने हेतु राजकोषीय विवेक और आर्थिक सुधारों के समग्र फ्रेमवर्क के भीतर गरीब लोगों और सुविधाओं से वंचित लोगों के लिए होने वाले व्यय में बढ़ोतरी होगी।

यूनियन बजट 2017-18 : प्रमुख बातें

- कर-संग्रह और गैर-कर राजस्व में वृद्धि के जरिए प्राप्त किए जाने वाले प्रमुख घाटा संकेतकों के संबंध में 2016-17 के केंद्र सरकार के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 2017-18 के बजट में सकल राजकोषीय घाटा (जीएफडी) और राजस्व घाटा (आरडी) को कम किया गया है जो कि राजकोषीय समेकन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है तथापि, 3.0 प्रतिशत का जीएफडी-जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) का लक्ष्य 2017-18 से आस्थगित करके 2018-19 कर दिया गया है।
- प्राप्तियों के पक्ष पर, सकल कर राजस्व आयकर संग्रह में अत्यधिक बढ़ोतरी होने से प्रेरित रहने की संभावना है जबकि अप्रत्यक्ष करों में वृद्धि कम होगी।
- 2016-17 में लगभग 20 प्रतिशत की कमी होने के बावजूद 2017-18 में विनिवेश प्राप्तियों में वृद्धि होने की संभावना है।
- राजस्व व्यय को बजट में तेजी से कम किया गया है ताकि पूंजीगत व्यय की स्थिर गति को बनाए रखा जा सके, जबकि योजनागत और गैर योजनागत के बीच व्यय वर्गीकरण को समाप्त कर दिया गया है।
- समग्र रूप से, जहां, बजट किसानों और ग्रामीण क्षेत्र पर अति केंद्रित है, साथ ही, खपत मांग को बढ़ावा देने के लिए विमुद्रीकरण के बाद सर्वाधिक प्रभावित आवास, लघु और मध्यम उद्यम (एसएमई) और कृषि क्षेत्र के लिए लक्ष्यित नीति तैयार की गई हैं, वहीं बुनियादी संरचना पर अधिक व्यय करने को प्रोत्साहित किया गया है ताकि वृद्धि की गति सुदृढ़ हो सके।

बजट में प्रस्तावित प्रमुख नीतिगत पहल के बारे में बॉक्स 1 में उल्लेख किया गया है।

बॉक्स 1 : यूनियन बजट 2017-18 - प्रमुख पहल

बजट में सामंजस्य गतिविधि रणनीति के घटक घोषित किए गए हैं। ये सभी, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए पथ विकसित करने में बहुत महत्वपूर्ण हैं जिन्हें विस्तृत रूप से तीन वर्गों में बांटा जा सकता है।

I. राजकोषीय अनुशासन

पहली बार, सभी मंत्रालयों और विभागों को मिलाकर एक समेकित परिणामी बजट अन्य बजट दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2017-18 के लिए सकल राजकोषीय घाटा का लक्ष्य जीडीपी का 3.2 प्रतिशत रखा गया और अगले वर्ष के लिए यह लक्ष्य 3 प्रतिशत रखा गया। वर्ष 2017-18 के लिए राजस्व घाटा एफआरबीएम अधिनियम के अनुसार अनिवार्य 2.0 प्रतिशत से कम करके 1.9 प्रतिशत किया गया। माल और सेवा कर (जीएसटी) के सहज कार्यान्वयन के लिए गहन उपायों की योजना बनाई गई है।

II. वित्तीय क्षेत्र सुधार

बजट में वित्तीय क्षेत्र सुधार के लिए प्रस्तावित उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं : (i) 'इंद्रधनुष योजना' के अनुरूप बैंकों के पुन:पूंजीकरण के लिए ₹100 बिलियन का आबंटन; (ii) रेलवे के सरकारी क्षेत्र के उद्यम जैसे - इंडियन रेलवे केटरिंग ऐंड टूरिज्म कार्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी), भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) और भारतीय रेलवे विनिर्माण कंपनी (इर्कान) के शेयरों को शेयर बाजर में सूचीबद्ध करना ; (iii) शेयर बाजार में चिह्नित केंद्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) को समयबद्ध तरीके से सूचीबद्ध करने को सुनिश्चित करने के लिए संशोधित प्रणाली और प्रक्रिया; (iv) वित्तीय क्षेत्र की सत्यनिष्ठा और स्थिरता को सुरक्षा प्रदान करने हेतु वित्तीय क्षेत्र से संबंधित कंप्यूटर इमरजेंसी प्रतिक्रया दल (सीईआरटी-फिन) का गठन करना; (v) वित्तीय फर्मों के समाधान से संबंधित विधेयक वित्तीय प्रणाली

(जारी...)

* राजकोषीय विश्लेषण प्रभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक में तैयार किया गया। यूनियन बजट 2016-17 से संबंधित पिछला लेख भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन मई 2016 में प्रकाशित किया गया था।

की स्थिरता और आघात-सहनीयता में योगदान देने के लिए प्रस्तुत किया जाना है; (vi) अवैध जमाराशियों से संबंधित योजनाओं की बुराई को समाप्त करने के लिए एक विधेयक प्रस्तुत किया जाएगा ताकि अनैतिक संस्थाओं से गरीब लोगों को सुरक्षित किया जा सके और; (vii) कतिपय अपवादों को छोड़कर ₹3 लाख से अधिक का नगदी लेनदेन करने की अनुमति नहीं।

III. संरचनागत सुधार

प्रमुख संरचनागत सुधारों में निम्नलिखित शामिल हैं: बेहतर कीमत प्राप्ति और फसल कटने के बाद होने वाले नुकसान में कमी करने हेतु राज्यों के लिए संविदा खेती से संबंधित एक मॉडल कानून तैयार करना; (ii) राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) में डेयरी संसाधन और बुनियादी संरचना विकास निधि की स्थापना करना ताकि पर्याप्त दुग्ध संसाधन इन्फ्रास्ट्रक्चर सुनिश्चित किया जा सके; (iii) महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत आबंटन को बढाना और किसानों की आय दोहरी करने में सहयोग प्रदान के लिए इस योजना को उन्मुख करना; (iv) 2017-18 में राष्ट्रीय आवास बैंक को वैयक्तिक आवास ऋण को पुनर्वित्त देने के लिए लगभग ₹20,000 करोड़ ताकि वहनीय आवास में अधिक निवेश हो सके; (v) औषधि और कासमैटिक नियमों में संशोधन ताकि संगत मूल्य पर औषधियों की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जा सके; (vi) विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड को समाप्त करना और एफडीआई नीति को और अधिक उदार बनाना; (vii) ब्यापार इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्यात योजना (टीआईईएस) नाम से एक नई और पुनर्संरिचत केंद्रीय योजना प्रारंभ करना; (viii) भारतीय विमानपतन प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन करना ताकि भू-आस्तियों का प्रभावी मुद्रीकरण किया जा सके; (ix) मौजूदा भुगतान और निपटान प्रणाली विनियमन और पर्यवेक्षण बोर्ड के स्थान पर भारतीय रिज़र्व बैंक में भुगतान विनियामक बोर्ड का गठन करना; और (x) न्यायाधिकरण की संख्या को संगत बनाना और जहां भी उचित हो, वहां, न्यायाधिकरणों का विलय करना। अन्य सुधार उपाय जिसमें किसी राजनैतिक दल को एक व्यक्ति द्वारा दिए जाने वाले चंदे को सीमितकर अधिकतम ₹2000 का नकदी अभिदान करने की अनुमति और भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम में संशोधन ताकि भारत सरकार द्वारा तैयार की जाने वाली योजना के अनुसार इलेक्टोरल बांड जारी किया जा सके।

I. 2016-17 में राजकोषीय निष्पादन (संशोधित अनुमान)

हाल का राजकोषीय समेकन का चरण, जो 2012-13 से प्रारंभ हुआ था, जारी रहने के कारण केंद्रीय वित्त में वृद्धि हुई। जीडीपी का 2.0 प्रतिशत राजस्व घाटा बजट में निर्धारित 2.3 प्रतिशत से कम था जबकि 2016-17 के बजट में जीएफडी 3.5 प्रतिशत रहा था (चार्ट 1)।

2016-17 के लिए राजकोषीय रणनीति मुख्यत: सातवें केंद्रीय वेतन आयोग (सीपीसी-VII) और समान पद समान पेंशन (ओआरओपी) के कार्यान्वयन से संबंधित अतिरिक्त व्यय प्रतिबद्धता को सहज रूप से वित्त के लिए कर में वृद्धि और गैर कर में अंतर्वाह के चलते राजस्व-प्रेरित थी। वस्तुत: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों (राज्यों को अंतरित निवल राशि) से

चार्ट 1: राजकोषीय समेकन के लिए मार्ग

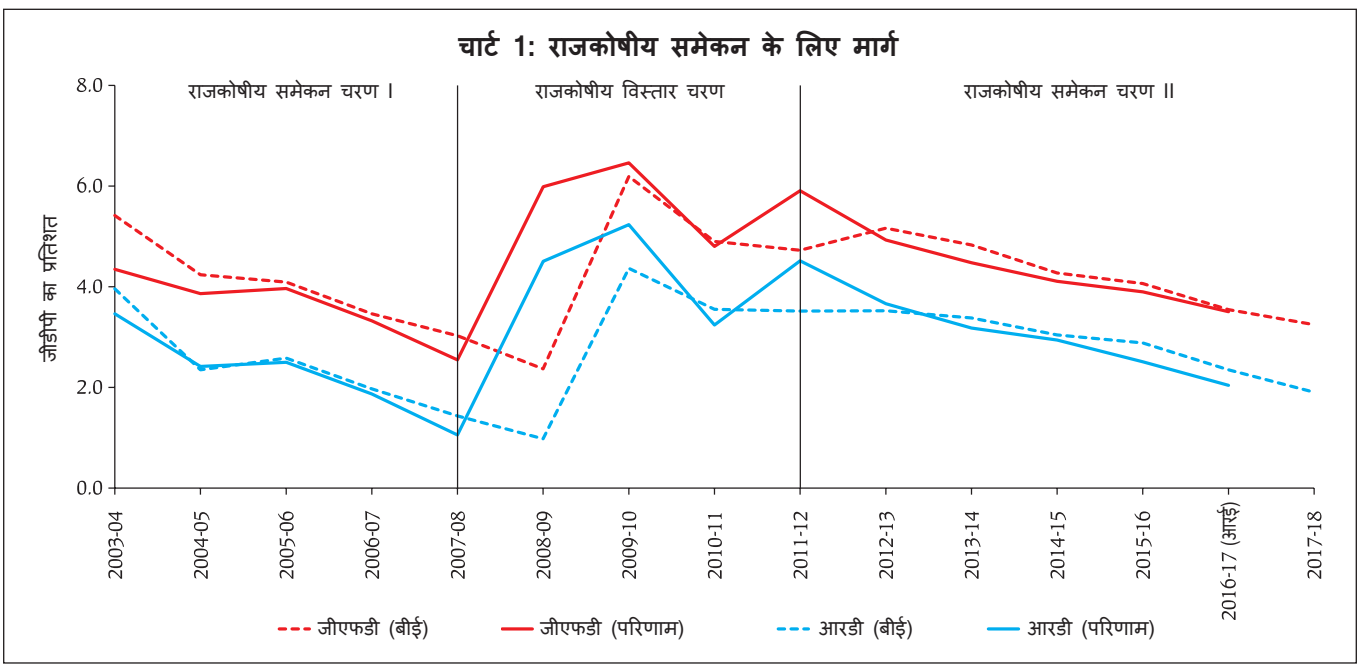

प्राप्त कुल राजस्व बजट अनुमान से काफी अधिक रहा था। जहां, प्रत्यक्ष राजस्व आय घोषणा योजना (आईडीएस) के अंतर्गत संग्रहित किए गए लगभग ₹674 बिलियन के कारण बढ़ गया था, वहीं अप्रत्यक्ष करों में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (34.5 प्रतिशत) और सेवा करों (17.1 प्रतिशत) में दर्ज संग्रह राशि के संदर्भ में काफी वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क से प्राप्त राजस्व बजट में निर्धारित लक्ष्य से 21.6 प्रतिशत अधिक था जो स्वच्छ वातावरण उपकर, कतिपय मोटर वाहनों पर लगाया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर उपकर, ज्वैलरी पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में हुई वृद्धि, 1 जून 2016 से सेवाओं पर लगाया गया कृषि कल्याण उपकर और नकारात्मक सूची की छंटनी से सेवा कर संग्रह में वृद्धि के प्रभाव को दर्शाता है।

निम्नलिखित अर्थात (i) संचार सेवाओं से प्राप्त निवल प्राप्तियां (बीई में ₹990 बिलियन की तुलना में ₹787 बिलियन) क्योंकि उच्च मूल्य वाले बांडों की बिक्री नहीं हुई थी (ii) विनिवेश से प्राप्त आय में कमी के बावजूद गैर-कर राजस्व लाभांश और लाभ से प्राप्त उच्च प्राप्तियों के कारण बजटीय लक्ष्य से 3.7 प्रतिशत अधिक पाया गया। कुल गैर-ऋण प्राप्तियां बजट में निर्धारित लक्ष्य से 1.8 प्रतिशत अधिक पाई गई।

पूर्व में उल्लिखित अतिरिक्त व्यय के दबाव के बावजूद राजस्व व्यय सामान्यत: बजट में निर्धारित स्तर पर बना रहा। पूंजी व्यय पिछले वर्ष की 28.6 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 10.6 अधिक वृद्धि दर्ज करते हुए बीई (13.3 प्रतिशत) से काफी अधिक रहा, जो राजकोषीय समेकन की गुणवत्ता में वहनीय सुधार को दर्शाता है।

II. 2017-18 के लिए बजट अनुमान

2017-18 में केंद्र के जीएफडी और आरडी को बजट में 0.3 प्रतिशत अंक और 0.1 प्रतिशत अंक क्रमश: घटाकर जीडीपी का 3.2 प्रतिशत और 1.9 प्रतिशत कर दिया गया (विवरण 1)। तथापि, सरकार ने जीएफडी-जीडीपी के 3.0 प्रतिशत के लक्ष्य को एक वर्ष बढ़ाकर अर्थात 2017-18 से 2018-19[1] कर दिया गया है जो कि हाल ही में एफआरबीएम समीक्षा समिति 2017 (अध्यक्ष: एन. के. सिंह)[2] द्वारा निर्धारित राजकोषीय रोडमैप से भिन्न भी है। प्रभावी राजस्व घाटा (ईआरडी)[3] जीडीपी का 0.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है जो 2016-17 की तुलना में जीडीपी का 0.2 प्रतिशत अधिक है। राजस्व पक्ष[4] में पूंजीगत आस्तियां के सृजन के लिए अनुदान सहायता राशि देने से संबंधित संरचनागत मुद्दों के चलते ईआरडी को समाप्त करने को स्थगित कर 2019-20 के बाद कर दिया गया था (सारणी 1)।

राजकोषीय संकेतक के लक्ष्यों को गैर-ऋण प्राप्तियों में, विशेष रूप से, कृषि और ग्रामीण क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रोजगार सृजन के लिए बजटीय आबंटन को

सारणी 1: घाटा लक्ष्य - लक्ष्य को बढ़ाना

घाटा संकेतक	लक्ष्य (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	लक्ष्य-प्राप्ति के लिए वर्ष				
		संशोधित एफआरबीएम अधिनियम/नियम (2013) के अनुसार	संघीय बजट 2014-15	संघीय बजट 2015-16	संघीय बजट 2016-17	संघीय बजट 2017-18
1	2	3	4	5	6	7
राजस्व घाटा	2	2014-15	2015-16	2017-18	2017-18	2017-18
प्रभावी राजस्व घाटा	0	2014-15	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 के बाद स्थगित
सकल राजकोषीय घाटा	3	2016-17	2016-17	2017-18	2017-18	2018-19

[1] वित्त विधेयक 2015 में बनाए गए एफआरबीएम अधिनियम/नियम में किए गए संशोधन के अनुसार 3.0 प्रतिशत के जीएफडी-जीडीपी लक्ष्य को 2017-18 तक प्राप्त किया जाना प्रस्तावित है।

[2] समिति ने जीएफडी-जीडीपी अनुपात को 2016-17 के 3.5 प्रतिशत से कम करके 2017-18 में 3.0 प्रतिशत और वर्ष 2022-23 तक 2.5 प्रतिशत करने का सुझाव दिया है।

[3] प्रभावी राजस्व घाटा राजस्व घाटा और पूंजीगत आस्तियों के सृजन के लिए राज्यों को दिए गए अनुदान के बीच का अंतर है।

[4] मध्यावधि राजकोषीय नीति विवरण 2017-18।

सारणी 2 : केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति

	जीडीपी की तुलना में प्रतिशत			वृद्धि (प्रतिशत)		
	2015-16	2016-17 (आरई)	2017-18 (बीई)	2015-16	2016-17 (आरई)	2017-18 (बीई)
1	2	3	4	5	6	7
प्राप्तियां						
राजस्व प्राप्तियां	**8.7**	**9.3**	**9.0**	**8.5**	**19.1**	**6.5**
(i) कर राजस्व (निवल)	6.9	7.1	7.3	4.4	15.4	12.7
(ii) गैर कर राजस्व	1.8	2.2	1.7	27.0	33.2	-13.7
गैर ऋण पूंजी प्राप्तियां	**0.5**	**0.4**	**0.5**	**22.3**	**-10.2**	**49.2**
जिसमें से : विनिवेश प्राप्तियां	0.3	0.3	0.4	11.6	8.0	59.3
व्यय						
राजस्व व्यय	**11.2**	**11.4**	**10.9**	**4.8**	**12.8**	**5.9**
पूंजीगत व्यय	**1.9**	**1.8**	**1.8**	**28.6**	**10.6**	**10.7**
कुल व्यय	**13.1**	**13.2**	**12.7**	**7.6**	**12.5**	**6.6**
योजना व्यय	**5.3**	**5.7**	**5.6**	**-**	**20.0**	**8.6**
योजनाओं से इतर व्यय	**7.8**	**7.5**	**7.1**	**-**	**7.4**	**5.0**
जिसमें						
1. ब्याज भुगतान	3.2	3.2	3.1	9.7	9.4	8.3
2. सब्सिडी	1.9	1.7	1.6	2.3	-1.4	4.5

नोट : आंकड़े उपलब्ध नहीं।

बढ़ाते हुए कर राजस्व और विनिवेश आय जरिए वृद्धि करके प्राप्त किए जाने की संभावना है (सारणी 2)।

II गैर-ऋण प्राप्तियां

II.1ए *कर राजस्व*

2017-18 के बजट में कर राजस्व की वृद्धि की संभावना के चलते सकल कर राजस्व-जीडीपी अनुपात बढ़कर 11.3 प्रतिशत होने की संभावना है जो कि वर्ष 2008 से सर्वोच्च स्तर होगा। एक अन्य बहुमूल्य परिवर्तन राजस्व जुटाने में अप्रत्यक्ष करों की तुलना में प्रत्यक्ष करों पर बढ़ता विश्वास है (चार्ट 2)। 2017-18 में प्रत्यक्ष करों में तेजी से वृद्धि होने का अनुमान है, इसका मुख्य कारण ₹50 लाख से ₹1 करोड़ आय वर्ग वाले व्यक्तियों पर कर देय राशि पर 10 प्रतिशत का उपकर लगाया जाना है जिससे अनुमान है कि आयकर संग्रह

चार्ट 2: प्रत्यक्ष करों पर बढ़ता विश्वास

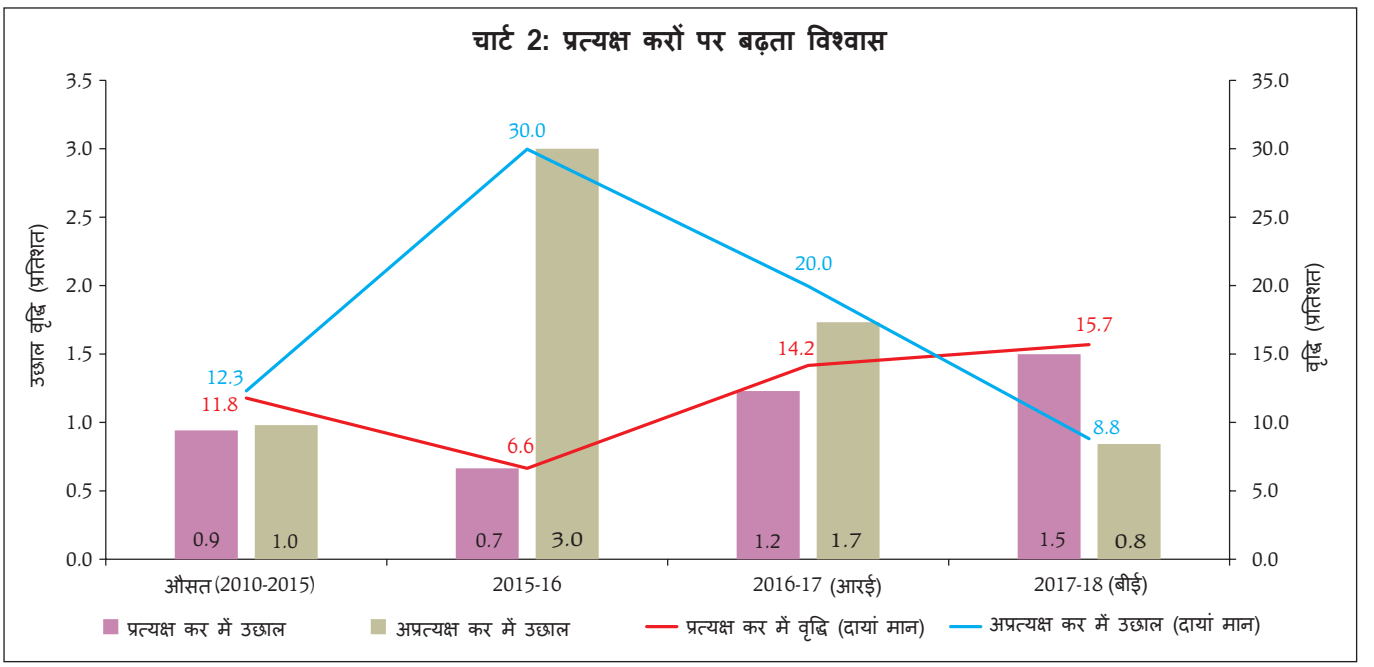

सारणी 3: कर संग्रह में उछाल

	औसत कर संग्रह में तेजी (2008-09 से 2016-17)	संकट के पश्चात कर संग्रह में तेजी (2010-11 से 2016-17)	2016-17 संशोधित अनुमान	2017-18 के लिए बजट में किया गया कर संग्रह में तेजी का प्रावधान
1	2	3	4	5
सकल कर राजस्व	**0.97**	**1.19**	**1.48**	**1.17**
निगम कर	0.81	0.78	0.78	0.87
आय कर	1.02	1.21	1.98	2.38
सीमा-शुल्क	0.66	1.05	0.27	1.23
केंद्रीय उत्पाद शुल्क	1.26	1.80	2.99	0.48
सेवा कर	1.56	1.84	1.48	1.06

राशि 24.9 प्रतिशत बढ़ सकती है। दूसरी ओर, अप्रत्यक्ष कर सामान्य गति से बढ़ने का अनुमान है जो निम्नलिखित को दर्शाते हैं (i) 2016-17 का उच्च आधार और (ii) जीएसटी के संभावित कार्यान्वयन से संभाव्य राजस्व की रूढीवादी लेखांकन प्रणाली। सरकार ने 2017-18 में अप्रत्यक्ष करों से संबंधित अतिरिक्त राजस्व जुटाने (एआरएम) संबंधी कोई उपाय की घोषणा नहीं की है। 2017-18 में प्रत्यक्ष करों पर अधिक जोर भी निगम और व्यक्तिगत आयकरों में अधिक वृद्धि के संबंध में भिन्न-भिन्न स्तर को दर्शाता है (सारणी 3)।

सरकार ने 2017-18 में जीएसटी के कार्यान्वयन के चलते बिक्री और सेवा करों की मौजूदा प्रणाली में कोई परिवर्तन नहीं किया है। न्यूनतम आयवर्ग में व्यक्तिगत आयकर और 50 करोड़ से कम टर्नओवर रखने वाली एसएमई के लिए निगम कर में कमी जैसे उपायों से प्रयोज्य आय में वृद्धि और कार्पोरेट पिरामिड के न्यून स्तर पर अनुपालन बढ़ने की संभावना है।

II.1बी *गैर-कर राजस्व*

गैर-कर राजस्व जिसमें पीएसई, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक और स्पेक्ट्रम से होनी वाली आय शामिल है, पिछले वर्ष की तुलना में स्पेक्ट्रम निलामी प्राप्तियां कम होने के अनुमान के कारण 2017-18 में 13.7 प्रतिशत कम रहने की संभावना है। तदनुसार, दूरसंचार प्राप्तियां 2016-17 (आरई) के ₹787 बिलियन से घटकर 2017-18 (बीई) में ₹443 बिलियन रह जाने का अनुमान है।

II.1सी *गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियां*

2017-18 (बीई) में विनिवेश लक्ष्य 2016-17 (आरई) की तुलना में 59.3 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है (बॉक्स 2)।

बॉक्स 2: विनिवेश कमी - अधोमुखी जोखिम

बजट में ₹725 बिलियन राशि का विनिवेश दर्शाया गया है - पीएसई में ₹465 बिलियन हितधारिता की बिक्री, रणनीतिक और अल्पांश हितधारिता में ₹150 बिलियन का विनिवेश और बीमा कंपनियों को सूचीबद्ध करके ₹110 बिलियन। 2016-17 (आरई) में पीएसयू हित-धारिता बिक्री के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया था किंतु रणनीतिक विनिवेश का लक्ष्य ₹150 बिलियन कम रह गया था। परिणामस्वरूप, वास्तविक विनिवेश बजट में किए गए अनुमान का लगभग 80 प्रतिशत ही हो पाया था (चार्ट 1)।

विनिवेश लक्ष्य पूरा न हो पाने की स्थिति में सकल राजकोषीय घाटा पर इन स्लीपेज के प्रभाव का मूल्यांकन करना विवेकसंगत है। तीन स्थितियां प्रस्तुत की गई हैं। स्थिति-1 में, छह वर्षों (2010-11 से 2015-16) के दौरान वास्तविक विनिवेश का औसत 2017-18 के परिणाम के रूप में लिया गया है। स्थिति-2 में, इन छह वर्षों के

चार्ट 1: विनिवेश - बजट प्रावधान की तुलना में वास्तविक

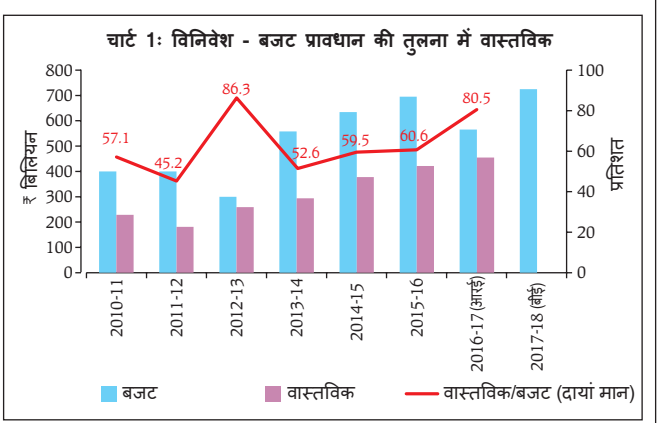

(जारी...)

दौरान पाया गया सर्वोच्च विनिवेश को 2017-18 के लिए वास्तविक विनिवेश के रूप में माना गया है। स्थिति-3 में, इसी अवधि के दौरान बजट प्रावधान के स्तर के लिए वास्तविक का सर्वोच्च समानुपात को 2017-18 के लिए जुटाए जाने वाले समानुपात के रूप में अनुमानित है।

स्थिति-1 में जीएफडी-जीडीपी अनुपात 3.5 प्रतिशत निकलता है, अर्थात 2017-18 के लिए बजट में निर्धारित 3.2 प्रतिशत से जीडीपी का 0.3 प्रतिशत का जीएफडी स्लीपेज है। स्थिति- 2 में जी-एफडी-जीडीपी अनुपात बढ़कर 3.4 प्रतिशत (0.2 प्रतिशत स्लीपेज) हो गया है। स्थिति- 3 में स्लीपेज जीडीपी का 0.1 प्रतिशत है अर्थात 3.3 प्रतिशत का जीएफडी-जीडीपी अनुपात। चूंकि, जीएसटी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कर राजस्व का अनुमान लगाने के लिए रूढीवादी लेखांकन प्रणाली का सहारा लिया है, इसलिए विनिवेश में कमी कर राजस्व द्वारा शायद पूरा नहीं किया जा सकता है और इससे राजकोषीय समेकन के लिए अधोमुखी जोखिम हो सकता है।

II.2 कुल व्यय

सरकार ने योजनागत और गैर योजनागत व्यय के बीच वर्गीकरण को समाप्त करके प्रमुख सुधार-उपाय को कार्यान्वित किया है और इसे संवैधानिक रूप से अनिवार्य और वैश्विक रूप से स्वीकार्य प्रणाली अर्थात सभी व्यय को राजस्व और पूंजी में वर्गीकरण से बदल दिया है। केंद्र सरकार के कुल व्यय में पिछले वर्ष की तुलना में 2017-18 में कम वृद्धि होने को दर्शाया गया है। राजस्व व्यय में वृद्धि पूंजीगत व्यय की तुलना में कम होने की संभावना है, राजस्व : पूंजी समानुपात 87:13 के पांच वर्षी औसत की तुलना में 86:14 रहने का अनुमान है। तथापि, 2017-18 (बीई) में, कुल व्यय मध्यावधि व्यय फ्रेमवर्क (एमटीईएफ) विवरण में किए गए अनुमान की तुलना में 2.3 प्रतिशत अधिक है।

II.2ए *राजस्व व्यय*

2017-18 में राजस्व व्यय में वृद्धि पिछले वर्ष की अपेक्षा कम रहने का अनुमान है, क्योंकि पिछले वर्ष सीपीसी VII और ओआरओपी का सिफारिशों का कार्यान्वयन किया गया था। सुधारात्मक उपायों को जारी रखने में, जीडीपी के समानुपात के रूप में कुल सब्सिडी पर व्यय 2016-17 (आरई) की तुलना में 2017-18 में कम होने की संभावना है (सारणी 4)। सरकार ने विभिन्न सब्सिडी को तर्कसंगत बनाने के लिए महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। डीजल और पेट्रोल पर 1 जनवरी 2015 से पूरी तरह से नियंत्रण हटा लिया गया, अब पेट्रोलियम सब्सिडी केवल कैरोसीन और लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) पर दी जाती है। एलपीजी सब्सिडी के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजना का कार्यान्वयन करने के बाद सरकार ने अब कैरोसीन सब्सिडी में सुधार के प्रयास शुरू कर दिए हैं। तदनुसार, जहां राज्यों को पीडीएस कैरोसीन का आबंटन व्यय प्रबंधन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप 2016-17 से तर्कसंगत बना दिया गया है, वहीं, कैरोसीन के लिए डीबीटी कवरेज को बढ़ाने के लिए भी उपाय किए जा रहे हैं। जहां, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम ने खाद्य सब्सिडी का कवरेज बढ़ा दिया और इसमें लगभग 80 करोड़ लाभार्थी हैं, वहीं सरकार का उद्देश्य है कि लीकेज को कम करके खाद्य सब्सिडी को कम किया जाए, इसके लिए छह राज्यों में उचित मूल्य दुकान का स्वाचलन और 72 प्रतिशत राशन कार्ड को आधार से जोड़ा जा रहा है। आबंटन

सारणी 4 : कुल सब्सिडी

(₹ बिलियन)

मद	2015-16		2016-17 (बीई)		2016-17 (आरई)		2017-18 (बीई)	
	राशि	जीडीपी के तुलना में प्रतिशत	राशि	जीडीपी के तुलना में प्रतिशत	राशि	जीडीपी के तुलना में प्रतिशत	राशि	जीडीपी के तुलना में प्रतिशत
1	2	3	4	5	6	7	8	9
कुल सब्सिडी	**2,641**	**1.9**	**2,631**	**1.7**	**2,605**	**1.7**	**2,723**	**1.6**
i. खाद्य	1,394	1.0	1,348	0.9	1,352	0.9	1,453	0.9
ii. उर्वरक	724	0.5	700	0.5	700	0.5	700	0.4
iii. पेट्रोलियम	300	0.2	290	0.2	275	0.2	250	0.1
iv. ब्याज सब्सिडी	167	0.1	190	0.1	194	0.1	232	0.1
v. अन्य सब्सिडी	55	0.0	103	0.1	84	0.1	87	0.1

की कुशलता और खाद सब्सिडी के निर्धारण को बेहतर बनाने के लिए उर्वरक विभाग ने 16 जिलों में प्रायोगिक परियोजना के जरिए संशोधित रूप में डीबीटी को कार्यान्वित करने का कार्यक्रम तैयार किया है।

II.2बी *पूंजीगत व्यय*

2017-18 में पूंजीगत व्यय पिछले वर्ष की तुलना में 10.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है जो राजस्व-पूंजी शेष को बेहतर करने की सरकार के उद्देश्य को दर्शाता है। रक्षा जिसमें बहुत अधिक विविध प्रभाव पड़ते हैं, को छोड़कर पूंजीगत परिव्यय 2017-18 (2016-17 आरई में 10.8 प्रतिशत) में 12.7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। जहां समग्र गैर-रक्षा पूंजीगत परिव्यय सामान्यत: जीडीपी का 1.1 प्रतिशत पर स्थिर बना रहा। प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र (सिंचाई, ऊर्जा, रेलवे, सड़क और पुल, नागरिक विमानन, पोर्ट और लाइट हाउसेस और संचार) में पिछले कई वर्षों की तुलना में धीमी वृद्धि हुई है (चार्ट 3)।

II.2सी *योजना/गैर योजना व्यय*

यूनियन बजट 2017-18 में, केंद्र सरकार ने व्यय को वर्गीकृत यथा- योजना और गैर योजना करने के लिए एक नई पद्धति शुरू की है। योजना व्यय में केंद्र क्षेत्र की योजनाओं और केंद्रीयकृत प्रायोजित योजनाओं पर किए गए सरकारी व्यय शामिल हैं। दूसरी ओर, गैर-योजना व्यय में ब्याज-भुगतान, पेंशन, वेतन और भत्तों पर किए गए व्यय के साथ-साथ विनियामक/सांविधिक/स्वायत्त निकाय, वित्त आयोग अंतरण और राज्य सरकारों को संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत अंतरण पर हुए व्यय शामिल हैं। योजना और गैर-योजना व्यय जो कुल व्यय का क्रमश: 44.0 प्रतिशत और 56.0 प्रतिशत होता है, 2017-18 में क्रमश: 8.6 प्रतिशत और 5.0 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। केंद्र क्षेत्र की योजनाओं और केंद्रीयकृत प्रायोजित योजनाओं के प्रति बजटीय परिव्यय की जवाबदेही और कुशलता बढ़ाने को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अनेक मंत्रालयों/विभागों का आउटकम बजट प्रस्तुत किया है। दस्तावेज से भौतिक और वित्तीय उत्पाद/प्रदेय साथ ही मध्यावधि परिणाम सहित मंत्रालयों/विभागों की विभिन्न योजनाओं के लिए अनुमानित परिव्यय संबद्ध हैं।

III. राज्यों को अंतरित संसाधन

केंद्रीय करों में राज्यों का हिस्सा बढ़ाने[5] के लिए चौदहवें वित्त आयोग (एफसी- XIV) की सिफारिशों का अनुसरण करते हुए 2016-17 (आरई) में हुई 20 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2017-18 (बीई) में 11 प्रतिशत की वृद्धि होने का

चार्ट 3: बुनियादी संरचना पर जोर

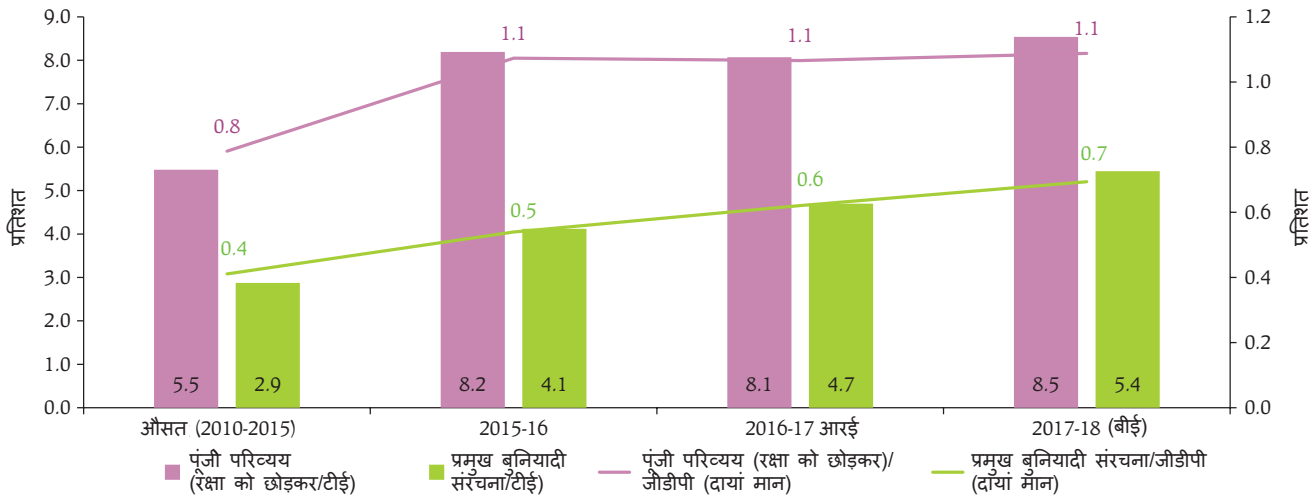

नोट: पूंजी परिव्यय (रक्षा को छोड़कर)
प्रमुख बुनियादी संरचना
टीई : कुल व्यय

सारणी 5: केंद्र से राज्यों को किया गया सकल और निवल अंतरण

(₹ बिलियन)

मदें	2015-16	2016-17 (बीई)	2016-17 (आरई)	2017-18 (बीई)
1	2	3	4	5
1. केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी	5,061.9	5,703.4	6,080.0	6,745.7
2. वित्त आयोग अनुदान	845.8	1,006.5	991.2	1,031.0
3. राज्यों को अन्य केंद्रीय अंतरण	2,385.7	2,543.7	2,776.5	3,034.1
ए. योजना से संबंधित अंतरण	1,950.5	1,904.4	2,013.6	2,124.7
बी. अन्य अंतरण	431.4	354.6	448.6	484.5
सी. उत्तर-पूर्वी राज्यों को अंतरण	3.8	284.7	314.2	425.0
4. विधान मंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों को कुल अंतरण	51.4	53.2	55.5	40.0
5. राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों को सकल अंतरण (1 से 4)	8,344.8	9,306.7	9,903.1	10,850.7
6. ऋणें और अग्रिमों की कम पुनः वसूली	115.1	94.7	91.6	95.2
7. राज्यों और संघ राज्य सरकारों को अंतरित निवल संसाधन (5-6)	8,229.7	9,212.0	9,811.5	10,755.6
सकल अंतरण / जीडीपी (प्रतिशत)	6.1	6.2	6.5	6.4
निवल अंतरण / जीडीपी (प्रतिशत)	6.0	6.1	6.4	6.4

अनुमान है (सारणी 5)। 2017-18 में सकल अंतरण जीडीपी का 0.1 कम रहने की संभावना है जबकि निवल अंतरण पिछले वर्ष के स्तर पर बने रहने का अनुमान है।

IV. बाजार उधारियां और देयताएं

बजट में उल्लेख किया गया है कि ₹465 बिलियन की कुल उधार जरूरत में से निवल बाजार उधारियों (दिनांकित प्रतिभूतियां और 364-दिवसीय खज़ाना बिल) से 2017-18 में जीएफडी का 63.7 प्रतिशत का वित्तपोषण होगा, जबकि 2016-17 (बीई) में यह 62.8 प्रतिशत रहा था (सारणी 6)। जीडीपी के समानुपात के रूप में निवल बाजार उधार 2016-17 (बीई) के 2.2 प्रतिशत की तुलना में 2017-18 में 2.1 प्रतिशत रखा गया है।

केंद्र सरकार की कुल देयता-जीडीपी अनुपात 2016-17 (बीई) के 48.8 प्रतिशत की तुलना में काफी घटाकर 2017-18 में 47.3 प्रतिशत रखा गया है। एफआरबीएम समीक्षा समिति 2017 ने 2022-23 तक केंद्र सरकार के लिए ऋण-जीडीपी अनुपात 40 प्रतिशत रखने की सिफारिश की है। राजस्व प्राप्तियों के समानुपात के रूप में ब्याज भुगतान, जो ऋण चुकौती क्षमता का एक संकेतक है, को पिछले वर्ष से मामूली रूप से बजट में बढ़ा दिया गया है (चार्ट 4)।

सारणी 6: सकल राजकोषीय घाटे को वित्त पोषित करने की पद्धति

(₹ बिलियन)

मदें	2015-16	2016-17 (आरई)	2017-18 (बीई)
1	2	3	4
सकल राजकोषीय घाटा	5327.9	5342.7	5465.3
	(100.0)	(100.0)	(100.0)
द्वारा वित्त पोषित			
निवल बाजार उधारियां*	4149.3	3357.1	3482.3
	(77.9)	(62.8)	(63.7)
अन्य तिजोरी बिल	398.1	301.4	20.0
	(7.5)	(5.6)	(0.4)
लघु बचतों के प्रति जारी की गई प्रतिभूतियां (निवल)	524.7	903.8	1001.6
	(9.8)	(16.9)	(18.3)
बाह्य मदद	127.5	148.7	157.9
	(2.4)	(2.8)	(2.9)
राज्य भविष्य निधि	118.6	130.0	140.0
	(2.2)	(2.4)	(2.6)
एनएसएसएफ	149.1	-261.0	0.0
	(2.8)	(4.9)	(0.0)
आरक्षित निधि	-33.2	-82.4	-10.4
	-(0.6)	-(1.5)	-(0.2)
जमाराशि और अग्रिम	134.7	387.0	502.1
	(2.5)	(7.2)	(9.2)
नकद शेष से आहरण	131.7	402.3	128.4
	(2.5)	(7.5)	(2.4)
अन्य	-372.5	56.0	43.4
	-(7.0)	(1.0)	(0.8)

*इसमें दिनांकित प्रतिभूतियां और 364 दिवसीय तिजोरी बिल शामिल हैं, जहां प्रतिभूतियों की अदला-बदली के निवल प्रभाव को शामिल किया गया है।
टिप्पणी: कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े जीएफडी की तुलना में प्रतिशत दर्शाते हैं।

[5] करों के विभाजित पूल में से राज्यों की हिस्सेदारी को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के संबंध में 14वें वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों को केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है।

चार्ट 4: केंद्र सरकार के कर्ज और ब्याज का बोझ

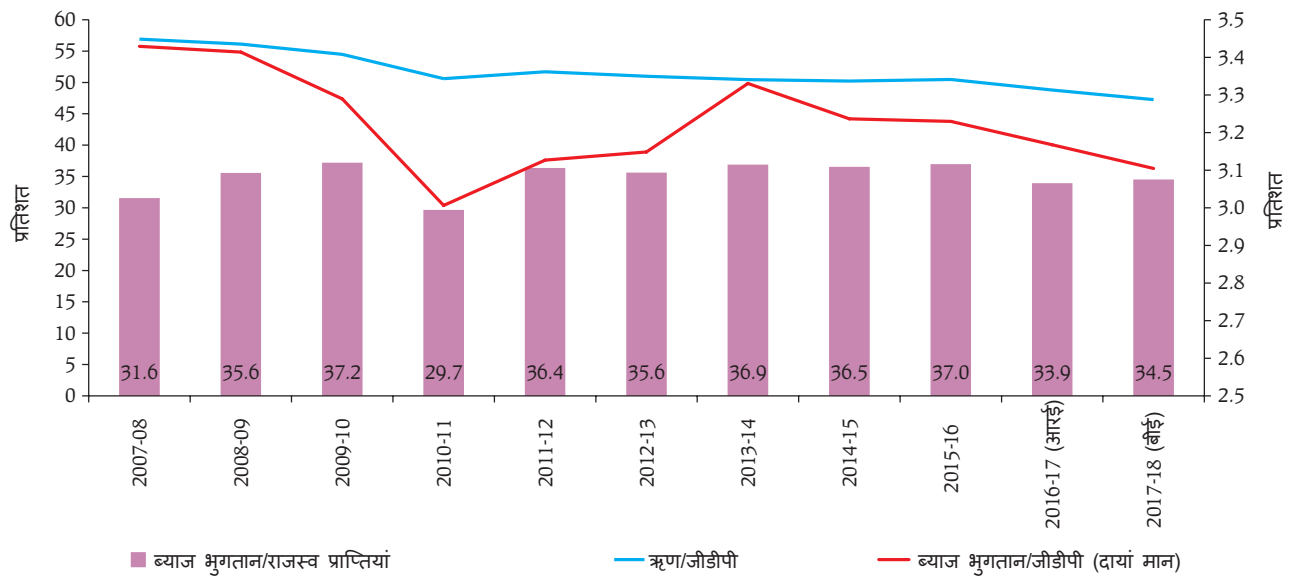

V. समग्र मूल्यांकन

यूनियन बजट 2017-18 में किसानों और ग्रामीण पर अधिक ध्यान दिया गया है, साथ ही, इसमें सामाजिक और भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर की वित्त जरूरत का समाधान करने की भी कोशिश की गई, फिर भी, 2017-18 के लिए निर्धारित जीएफडी लक्ष्य को आगे एक वर्ष बढ़ा देने से राजकोषीय समेकन की प्रतिबद्धता के प्रति चिंता पैदा हो गई है। अनुमानित कर राजस्व वास्तविक प्रतीत होता है और रूढीवादी लेखांकन प्रणाली पर आधारित है। तथापि, विनिवेश प्राप्तियों पर भरोसा अधोमुखी जोखिम वाला बना रहना जारी है। इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में, यूनियन बजट में रेलवे बजट का विलय होने से रेलवे, राजपथ, देशी जलमार्ग और पूर्ण परिवहन प्रणाली के लिए एकीकृत्र योजना के बीच बहु-मॉडल परिवहन की योजना बनाने में सहूलियत होगी। इस संबंध में, राजस्व व्यय में कमी और इन्फ्रास्ट्रक्चर गतिविधि पर जोर देने से भावी संवृद्धि का संकेत मिलता है।

बजट में बाह्य प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए भी व्यापक प्रभावों का उल्लेख किया गया है। इसमें अनेक इनपुट और कच्ची सामग्री पर सीमा शुल्क और/अथवा प्रतिकारी शुल्क कम/समाप्त करने के लिए प्रस्ताव दिया गया है ताकि लागत कम हो सके और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिल सके। वैश्विक बाजार में निर्यात की संभावना वाले केमिकल्स, पेट्रों-केमिकल्स और चमड़ा जैसे क्षेत्रों को कम उत्पादन लागत का लाभ मिलना चाहिए। इससे दीर्घावधि में वैश्विक मूल्य शृंखला में भारत की सहभागिता के संकेत मिलते हैं। अंतत: एफआईपीबी संकेतों को समाप्त करने से एफडीआई अनुमोदन के लिए प्रक्रियागत औपचारिकताएं कम हो सकती हैं जिससे कारोबार सहजता के संबंध में भारत की रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

सारणी 1: बज़ट एक नज़र में

(₹ बिलियन)

मदें	2015-16 (लेखा)	2016-17 (बजट अनुमान)	2016-17 (संशोधित अनुमान)	2017-18 (बजट अनुमान)	घटबढ़ (%)	
					कालम 2 की तुलना में कालम 4	कालम 4 की तुलना में कालम 5
1	2	3	4	5	6	7
1. राजस्व प्राप्तियां (i+ii)	**11,950.3**	**13,770.2**	**14,235.6**	**15,157.7**	**19.1**	**6.5**
i) कर राजस्व (निवल केंद्र को)	9,437.7	10,541.0	10,887.9	12,270.1	15.4	12.7
ii) गैर कर राजस्व	2,512.6	3,229.2	3,347.7	2,887.6	33.2	-13.7
जिसमें से						
ब्याज प्राप्तियां	253.8	296.2	181.5	190.2	-28.5	4.8
2. पूंजीगत प्राप्तियां	**5,957.5**	**6,010.4**	**5,908.5**	**6,309.6**	**-0.8**	**6.8**
जिसमें से						
i) निवल बाज़ार उधारियां *	4,149.31	4,251.8	3,357.09	3,482.26	-19.1	3.7
ii) ऋण की वसूली	208.4	106.3	110.7	119.3	-46.9	7.8
iii) विविध पूंजी प्राप्तियां	421.3	565.0	455.0	725.0	8.0	59.3
3. कुल प्राप्तियां (1+2)	**17,907.8**	**19,780.6**	**20,144.1**	**21,467.4**	**12.5**	**6.6**
4. राजस्व व्यय	**15,377.6**	**17,310.4**	**17,345.6**	**18,369.3**	**12.8**	**5.9**
5. पूंजीगत व्यय	**2,530.2**	**2,470.2**	**2,798.5**	**3,098.0**	**10.6**	**10.7**
6. योजना के अलावा व्यय	**10,656.7**	**11,760.9**	**11,445.6**	**12,016.6**	**7.4**	**5.0**
जिसमें से						
i) ब्याज भुगतान	4,416.6	4,926.7	4,830.7	5,230.8	9.4	8.3
ii) रक्षा	2,259.0	2,491.0	2,480.1	2,623.9	9.8	5.8
iii) प्रमुख सब्सिडी	2,418.3	2,338.3	2,327.0	2,403.4	-3.8	3.3
7. योजना व्यय	**7,251.1**	**8,019.7**	**8,698.5**	**9,450.8**	**20.0**	**8.6**
8. कुल व्यय (4+5)=(6+7)	**17,907.8**	**19,780.6**	**20,144.1**	**21,467.4**	**12.5**	**6.6**
9. राजस्व घाटा (4-1)	**3,427.4**	**3,540.2**	**3,110.0**	**3,211.6**	**-9.3**	**3.3**
	(2.5)	**(2.3)**	**(2.0)**	**(1.9)**		
10. प्रभावी राजस्व घाटा	**2,109.8**	**1,871.8**	**1,395.3**	**1,258.1**	**-33.9**	**-9.8**
	(1.5)	**(1.2)**	**(0.9)**	**(0.7)**		
11. सकल राजकोषीय घाटा [8-(1+2ii+2iii)]	**5,327.9**	**5,339.0**	**5,342.7**	**5,465.3**	**0.3**	**2.3**
	(3.9)	**(3.5)**	**(3.5)**	**(3.2)**		
12. सकल प्राथमिक घाटा (11-6i)	**911.3**	**412.3**	**512.1**	**234.5**	**-43.8**	**-54.2**
	(0.7)	**(0.3)**	**(0.3)**	**(0.1)**		

नोट: 1) पूंजीगत प्राप्तियां चुकौती को घटाने के बाद हैं और इनमें नकदी शेष का आहरण द्वारा कमी शामिल हैं।
2) * प्रतिभूतियों के स्विचिंग आफ के प्रभाव को संज्ञान में लेते हुए दिनांकित प्रतिभूतियां और 364 दिवसीय खज़ाना बिल शामिल हैं।
3) कोष्ठक में दिए गए आंकड़े जीडीपी के प्रतिशत के रूप में हैं।

स्रोत : भारत सरकार का 2017-18 का बज़ट दस्तावेज।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

प्रासंगिक श्रृंखला

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	49
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	50
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	51
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय/विक्रय	52
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	53
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	53
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	54
7	मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) के स्रोत	55
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	56
9	चलनिधि समुच्चय	56
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	57
11	आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत	57
12	वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण	58
13	अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश	58
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक	59
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन	60
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन	61
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	62
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2012=100)	63
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	63
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	63
21	थोक मूल्य सूचकांक	64
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2004-05=100)	66
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	66
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	67
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	67
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	68
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	69
28	वाणिज्यिक पत्र	69
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	69
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	70

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	71
32	विदेशी मुद्रा भंडार	71
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां	71
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	72
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना के अंतर्गत जावक विप्रेषण	72
36	भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक	73
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार	73
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमरीकी डॉलर)	74
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (बिलियन ₹)	75
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमरीकी डॉलर)	76
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (बिलियन ₹)	77
42	अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	78
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	79
	प्रासंगिक श्रृंखला	
44	लघु बचत	80
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	81
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	82

टिप्पणियां : .. = उपलब्ध नहीं।
– = शून्य/नगण्य
प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1 : चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2016-17	2015-16		2016-17	
		ति2	ति3	ति2	ति3
	1	2	3	4	5
1 वस्तु क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.7	8.4	7.0	6.7	6.6
1.1.1 कृषि	4.4	2.3	-2.2	3.8	6.0
1.1.2 उद्योग	6.7	10.3	12.0	5.6	8.0
1.1.3 सेवाएं	7.2	9.0	8.5	7.6	6.3
1.1क अंतिम खपत व्यय	8.7	6.2	6.3	6.9	11.4
1.1ख सकल नियत पूंजी निर्माण	0.6	12.4	3.2	-5.3	3.5
	2016-17	**2016**		**2017**	
		फर.	**मार्च**	**फर.**	**मार्च**
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	-	1.9	0.3	-1.2	-
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक					
2.1.1 जमाराशियां	15.9	9.7	9.3	12.0	11.8
2.1.2 ऋण	8.7	11.0	10.9	3.6	5.1
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	9.6	11.1	10.9	4.3	5.8
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	15.9	6.3	5.4	22.5	17.9
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	-12.9	14.2	13.1	-22.2	-12.9
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	10.6	11.1	10.1	6.5	10.6
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	20.50	21.50	21.50	20.50	20.50
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.3	4.8	4.8	4.7	5.3
3.4 ऋण-जमा अनुपात	72.9	77.0	77.7	71.2	72.9
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात	42.6	80.9	89.8	16.7	42.6
3.6 निवेश-जमा अनुपात	28.1	28.8	28.1	31.6	28.1
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	28.2	25.2	16.9	60.4	28.2
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रिपो दर	6.25	6.75	6.75	6.25	6.25
4.2 रिवर्स रिपो दर	5.75	5.75	5.75	5.75	5.75
4.3 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.75	7.75	7.75	6.75	6.75
4.4 बैंक दर	6.75	7.75	7.75	6.75	6.75
4.5 आधार दर	9.25/9.60	9.30/9.70	9.30/9.70	9.25/9.65	9.25/9.60
4.6 एमसीएलआर	7.75/8.20	-	-	7.8/8.2	7.8/8.2
4.7 एक वर्ष से अधिक की मीयादी जमा दर	6.50/7.00	7.0/7.9	7.0/7.9	6.5/7.0	6.5/7.0
4.8 बचत जमा दर	4.00	4.00	4.00	4.00	4.00
4.9 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.97	6.73	6.91	5.95	5.97
4.10 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	5.82	-	7.27	6.15	5.82
4.11 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.05	-	7.17	6.27	6.05
4.12 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) आय	6.14	7.28	7.11	6.30	6.14
4.13 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर आय	7.08	7.61	7.34	7.19	7.08
5 आरबीआई संदर्भ दर और फारवर्ड प्रीमिआ					
5.1 भा.रु.-अमरीकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	64.84	68.78	66.86	66.84	64.84
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	69.25	76.04	74.91	70.54	69.25
5.3 फारवर्ड प्रीमिआ अमरीकी डालर 1-माह (%)	5.09	8.29	9.69	4.85	5.09
3-माह (%)	4.97	7.36	7.69	5.15	4.97
6-माह (%)	4.90	6.86	7.13	5.00	4.90
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.8	5.3	4.8	3.7	3.8
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	4.1	5.5	5.5	2.6	2.6
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	3.7	-0.9	-0.5	6.5	5.7
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	4.7	2.0	3.0	5.0	4.6
6.3.2 ईंधन और पावर	5.6	-7.1	-8.3	21.0	18.2
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.6	-0.5	0.1	3.7	3.0
7 विदेशी व्यापार (%परिवर्तन)					
7.1 आयात	-0.2	-4.5	-22.9	20.8	45.3
7.2 निर्यात	4.7	-5.3	-4.7	17.5	27.6

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2 : भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(बिलियन ₹)।

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2016-17	2016	2017				
		अप्रै.	मार्च 31	अप्रै. 7	अप्रै. 14	अप्रै. 21	अप्रै. 28
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	13,101.81	16,979.79	13,101.81	13,365.71	13,646.19	13,923.94	14,069.52
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	0.12	0.13	0.12	0.13	0.15	0.13	0.16
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**13,101.93**	**16,979.92**	**13,101.93**	**13,365.84**	**13,646.33**	**13,924.07**	**14,069.68**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 सोने के सिक्के और बुलियन	675.08	699.20	675.08	675.08	675.08	675.08	675.08
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	12,422.35	16,267.43	12,422.35	12,686.37	12,967.08	13,241.04	13,386.86
1.2.3 रुपया सिक्का	4.50	2.83	4.50	4.38	4.17	7.95	7.74
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	–	10.46	–	–	–	–	–
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियां	10,389.43	4,897.15	10,389.43	9,982.00	9,646.51	9,638.63	9,426.27
2.1.1.1 केंद्र सरकार	50.00	1.01	50.00	1.00	1.01	1.01	1.00
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	–	–	–	–	–	236.49	473.06
2.1.1.3 राज्य सरकारें	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42	0.42
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	5,087.73	3,982.72	5,087.73	4,166.26	4,304.10	4,433.21	4,482.13
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	55.13	35.87	55.13	36.49	38.35	38.60	40.82
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	18.92	13.37	18.92	17.93	19.07	18.19	17.18
2.1.1.7 अन्य बैंक	279.49	212.88	279.49	252.27	254.80	255.16	253.46
2.1.1.8 अन्य	4,897.74	650.87	4,897.74	5,507.62	5,028.74	4,652.61	4,158.20
2.1.2 अन्य देयताएं	8,411.18	9,869.16	8,411.18	8,178.01	8,212.31	8,365.50	8,326.55
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**18,800.61**	**14,766.32**	**18,800.61**	**18,160.01**	**17,858.82**	**18,001.18**	**17,752.83**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	0.12	0.13	0.12	0.13	0.15	0.13	0.16
2.2.2 विदेश में रखे शेष	10,263.49	6,488.08	10,263.49	9,783.00	9,532.70	9,427.15	9,259.47
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	–	–	–	–	–	259.13	157.41
2.2.3.2 राज्य सरकारें	12.62	18.39	12.62	9.12	5.51	10.09	8.25
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	218.10	886.50	218.10	65.50	18.40	2.70	18.25
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.6 नाबार्ड	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.7 एक्जिम बैंक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.3.8 अन्य	39.91	59.69	39.91	26.65	21.25	19.64	20.73
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	–	–	–	–	–	–	–
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	–	–	–	–	–	–	–
2.2.5 निवेश	7,528.11	6,483.76	7,528.11	7,528.76	7,529.40	7,530.05	7,530.60
2.2.6 अन्य आस्तियां	738.26	829.75	738.26	746.85	751.41	752.29	757.97
2.2.6.1 सोना	613.19	635.10	613.19	613.19	613.19	613.19	613.19

* डाटा अनंतिम है।

सं. 3 : भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(बिलियन ₹)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा				एमएसएफ	स्थायी चलनिधि सुविधाएं	बाज़ार स्थिरीकरण योजना	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+6+9-2-4-7-8)
	रिपो	रिवर्स रिपो	परिवर्तन-शील रिपो दर	परिवर्तन-शील रिवर्स रिपो दर				विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
मार्च 1, 2017	5.50	72.58	–	1,625.37	3.00	–	–	–	–	–1,689.45
मार्च 2, 2017	5.84	124.28	–	1,670.97	3.70	–	–	–	–	–1,785.71
मार्च 3, 2017	9.05	291.77	0.60	1,968.44	11.00	–	–	–	–	–2,239.56
मार्च 4, 2017	34.80	23.04	–	–	–	–	–	–	–	11.76
मार्च 6, 2017	6.15	38.03	–	2,906.69	29.70	–	–	–	–	–2,908.87
मार्च 7, 2017	4.50	45.03	1.50	1,857.20	20.60	–1.60	–	–	–	–1,877.23
मार्च 8, 2017	5.50	58.68	–	1,653.70	–	1.60	–	–	–	–1,705.28
मार्च 9, 2017	5.50	276.46	–	1,375.15	25.00	–	–	–	–	–1,621.11
मार्च 10, 2017	5.50	398.92	4.00	1,112.25	–	–	–	–	–	–1,501.67
मार्च 13, 2017	–	88.46	–	–	13.17	–	–	–	–	–75.29
मार्च 14, 2017	10.50	338.18	2.00	2,616.23	22.50	–	–	–	–	–2,919.41
मार्च 15, 2017	8.60	294.70	–	2,041.19	1.25	–	–	–	–	–2,326.04
मार्च 16, 2017	6.50	311.20	–	1,048.72	–	1.60	–	–	–	–1,351.82
मार्च 17, 2017	15.97	308.12	9.00	971.40	2.60	2.31	–	–	–	–1,249.64
मार्च 18, 2017	50.36	36.75	–	–	29.00	–	–	–	–	42.61
मार्च 20, 2017	11.15	204.76	–	1,016.31	–	–	–	–	–	–1,209.92
मार्च 21, 2017	10.50	275.50	65.00	1,364.41	0.50	1.71	–	–	–	–1,562.20
मार्च 22, 2017	14.55	178.64	–	1,384.31	–	–	–	–	–	–1,548.40
मार्च 23, 2017	14.55	245.69	–	1,444.57	–	–0.50	–	–	–	–1,676.21
मार्च 24, 2017	14.55	385.72	–	1,209.18	2.00	–	–	–	–	–1,578.35
मार्च 25, 2017	21.20	3.95	–	–	18.30	–	–	–	–	35.55
मार्च 26, 2017	0.04	12.74	–	–	1.55	–	–	–	–	–11.15
मार्च 27, 2017	14.55	305.67	60.00	991.41	3.50	–	–	–	–	–1,219.03
मार्च 28, 2017	30.45	283.89	–	–	43.25	–	–	–	–	–210.19
मार्च 29, 2017	16.80	886.32	–	2,007.79	–	0.50	–	–	–	–2,876.81
मार्च 30, 2017	66.90	830.45	–	2,008.91	5.30	–	–	–	–	–2,767.16
मार्च 31, 2017	93.95	1,351.77	4.90	689.52	19.25	–0.10	–	–	–	–1,923.29

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमरीकी डालर का क्रय-विक्रय

i) ओटीसी सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2015-16	2016	2017	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	10,209.00	4,686.00	1,190.00	3,538.00
1.1 क्रय (+)	63,299.00	8,034.00	2,201.00	5,024.00
1.2 विक्रय (-)	53,090.00	3,348.00	1,011.00	1,486.00
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (बिलियन ₹)	630.89	309.51	80.74	233.84
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमरीकी डालर)	10,209.00	10,209.00	8,813.00	12,351.00
(बिलियन ₹)	630.89	630.89	588.33	822.17
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	–4,253.00	–4,253.00	2,842.00	10,835.00

ii) मुद्रा फ्यूचर्स सेगमेन्ट में परिचालन

मद	2015-16	2016	2017	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमरीकी डालर) (1.1-1.2)	0.00	970.00	0.00	0.00
1.1 क्रय (+)	9462.00	970.00	0.00	0.00
1.2 विक्रय (-)	9462.00	0.00	0.00	0.00
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमरीकी डालर)	0.00	0.00	0.00	0.00

सं. 4ए भारतीय रिज़र्व बैंक में बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमरीकी डॉलर)

मद	31 मार्च 2017 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1,185	1,185	0
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	5,303	3,597	1,706
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	14,616	3,354	11,262
4. 1 वर्ष से अधिक	0	2,133	-2,133
कुल (1+2+3+4)	**21,104**	**10,269**	**10,835**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2016-17	2016			2017			
		अप्रै. 29	नवं. 25	दिसं. 23	जन. 20	फर. 17	मार्च 31	अप्रै. 28
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	19.3	12.5	4.8	4.2	–	–	19.3	2.9
2 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0	28.0
3.2 बकाया	14.8	27.6	11.7	12.3	12.3	10.6	14.8	11.6
4 अन्य								
4.1 सीमा	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 बकाया	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	34.1	40.1	16.4	16.4	12.3	10.6	34.1	14.5

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के नियत अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2015-16	2016	2017		
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	15,972.5	15,935.4	10,638.6	12,138.3	12,637.1
1.1 संचलन में नोट	16,415.6	16,379.4	11,067.9	12,556.6	13,101.8
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	211.6	211.6	242.0	242.0	243.4
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	7.4	7.4	7.4	7.4	7.4
1.4 बैंकों के पास नकदी	662.1	663.0	678.8	667.8	715.6
2 जनता की जमाराशियां	10,052.8	10,041.6	11,955.1	12,899.8	14,317.2
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियां	9,898.3	9,906.4	11,798.7	12,739.8	14,106.3
2.2 रिज़र्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियां	154.5	135.2	156.3	159.9	210.9
3 एम$_1$ (1 + 2)	**26,025.4**	**25,976.9**	**22,593.6**	**25,038.0**	**26,954.3**
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियां	615.7	615.7	930.9	930.9	930.9
5 एम$_2$ (3 + 4)	**26,641.1**	**26,592.6**	**23,524.5**	**25,968.9**	**27,885.2**
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियां	90,150.8	90,226.9	100,492.5	100,064.2	101,489.5
7 एम$_3$ (3 + 6)	**116,176.2**	**116,203.8**	**123,086.1**	**125,102.2**	**128,443.9**
8 कुल डाकघर जमाराशियां	2,084.1	2,084.1	2,542.2	2,542.2	2,542.2
9 एम$_4$ (7 + 8)	**118,260.3**	**118,288.0**	**125,628.3**	**127,644.4**	**130,986.0**

सं. 7: मुद्रा स्टॉक ($एम_3$) का स्रोत

(बिलियन ₹)

स्रोत	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2015-16	2016	2017		
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	**32,384.8**	**32,459.6**	**40,412.4**	**40,118.2**	**38,690.9**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	4,250.0	4,299.0	4,921.7	5,959.7	6,208.1
1.1.1 सरकार पर दावे	6,167.0	6,120.2	7,623.2	7,529.4	7,512.0
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	6,162.2	6,111.1	7,614.1	7,477.3	7,499.4
1.1.1.2 राज्य सरकारें	4.8	9.1	9.1	52.1	12.6
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियां	1,917.0	1,821.1	2,701.5	1,569.7	1,303.9
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	1,916.6	1,820.7	2,701.0	1,569.2	1,303.5
1.1.2.2 राज्य सरकारें	0.4	0.4	0.4	0.4	0.4
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	28,134.9	28,160.6	35,490.7	34,158.4	32,482.8
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**78,030.7**	**78,079.0**	**80,462.9**	**81,302.1**	**84,514.3**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	200.8	86.9	47.7	46.8	72.9
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	77,829.9	77,992.1	80,415.2	81,255.3	84,441.4
2.2.1 वाणिज्य बैंकों द्वारा बैंक ऋण	72,496.1	72,496.1	74,852.5	75,656.7	78,815.3
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	5,285.3	5,447.4	5,477.3	5,515.6	5,548.9
2.2.3 वाणिज्य और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	48.4	48.5	85.4	83.0	77.2
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**25,337.2**	**25,129.2**	**25,289.1**	**24,994.2**	**24,920.1**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	23,834.8	23,626.7	24,341.1	24,046.2	23,972.1
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	23,836.8	23,628.8	24,343.2	24,048.2	23,974.1
3.1.2 विदेशी देयताएं	2.0	2.1	2.0	2.0	2.0
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,502.5	1,502.5	948.0	948.0	948.0
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**219.1**	**219.1**	**249.5**	**249.5**	**250.9**
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**19,795.6**	**19,683.1**	**23,327.8**	**21,561.7**	**19,932.3**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	9,541.7	9,528.2	9,193.0	8,571.0	8,333.5
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	10,253.9	10,154.9	14,134.8	12,990.7	11,598.9
$एम_3$ (1+2+3+4-5)	**116,176.2**	**116,203.8**	**123,086.1**	**125,102.2**	**128,443.9**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2015-16	2016	2017		
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
मौद्रिक समुच्चय					
एन एम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	26,025.4	25,976.9	22,593.6	25,038.1	26,954.4
एन एम2 (एन एम1 + 1.2.2.1)	65,238.9	65,224.7	67,186.1	69,440.8	72,005.3
एन एम3 (एन एम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4- 2.5)	116,156.4	116,184.1	125,040.2	126,943.1	130,222.1
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	15,972.5	15,935.4	10,638.6	12,138.3	12,637.2
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियां	97,039.6	97,123.7	110,893.0	111,412.4	114,219.5
1.2.1 मांग जमाराशियां	9,898.3	9,906.4	11,798.7	12,739.8	14,106.3
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	87,141.2	87,217.4	99,094.3	98,672.6	100,113.2
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	39,213.5	39,247.8	44,592.5	44,402.7	45,050.9
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	2,068.2	2,068.2	1,475.6	1,402.9	1,570.6
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	47,927.7	47,969.5	54,501.9	54,269.9	55,062.2
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	154.5	135.2	156.3	159.9	210.9
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग /सावधि निधीयन	2,989.8	2,989.8	3,352.2	3,232.4	3,154.5
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	115,922.7	116,045.8	127,822.5	128,347.4	129,709.2
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	32,384.8	32,459.6	40,412.3	40,118.2	38,691.0
2.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4,250.0	4,299.0	4,921.7	5,959.7	6,208.1
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	28,134.9	28,160.6	35,490.6	34,158.4	32,482.9
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	83,537.9	83,586.2	87,410.1	88,229.3	91,018.3
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैंक ऋण	200.8	86.9	47.7	46.8	72.9
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	83,337.0	83,499.3	87,362.4	88,182.5	90,945.4
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	5,412.0	5,412.0	6,880.0	6,849.6	6,462.5
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	219.1	219.1	249.5	249.5	250.9
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	21,586.9	21,378.9	23,489.3	23,775.0	23,819.8
2.3.1 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,834.8	23,626.7	24,341.1	24,046.2	23,972.1
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	–2,247.8	–2,247.8	–851.8	–271.2	–152.3
2.4 पूंजी खाता	18,310.9	18,381.1	18,782.0	18,335.7	18,195.5
2.5 अन्य मदें (निवल)	3,261.5	3,078.6	7,739.1	7,093.1	5,362.3

सं. 9: चलनिधि समुच्चय

(बिलियन ₹)

समुच्चय	2015-16	2016	2017		
		मार्च	जन.	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5
1 एन एम$_3$	**116,156.4**	**116,156.4**	**123,400.4**	**125,040.2**	**130,222.1**
2 डाकघर जमाराशियां	2,084.1	2,084.1	2,542.2	2,542.2	2,542.2
3 एल$_1$ (1 + 2)	**118,240.5**	**118,240.5**	**125,942.5**	**127,582.3**	**132,764.2**
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	29.3	29.3	29.3	29.3	29.3
4.1 सावधि मुद्रा उधार	26.6	26.6	26.6	26.6	26.6
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3
4.3 सावधि जमाराशियां	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5
5 एल$_2$ (3 + 4)	**118,269.8**	**118,269.8**	**125,971.8**	**127,611.6**	**132,793.6**
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियां	394.7	394.7	..	..	451.5
7 एल$_3$ (5 + 6)	**118,664.5**	**118,664.5**	..	..	**133,245.0**

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के लिए नियत अंतिम शुक्रवार/ नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2015-16	2016	2017		
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	16,634.6	16,598.4	11,317.4	12,806.0	13,352.7
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,018.3	4,128.6	4,589.8	4,563.7	5,441.3
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंक	4,738.7	3,874.4	4,282.4	4,256.9	5,087.7
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	154.5	135.2	156.3	159.9	210.9
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	21,807.4	20,862.2	16,063.5	17,529.7	19,004.8
2 स्रोत					
2.1 भा.रि.बैं.के देशी ऋण	7,295.3	6,544.6	665.9	1,805.0	3,115.3
2.1.1 सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण	4,250.0	4,299.0	4,921.7	5,959.7	6,208.1
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल भा.रि.बैं.ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+ 2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	4,245.6	4,290.4	4,913.0	5,908.1	6,195.9
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	–	–	–	–	–
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	6,159.5	6,109.5	7,609.8	7,472.3	7,494.9
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	6,149.0	6,099.0	7,609.8	7,472.3	7,494.9
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	2.8	1.6	4.3	5.0	4.5
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियां	1,916.6	1,820.7	2,701.0	1,569.2	1,303.5
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल भा.रि.बैं. ऋण	4.3	8.7	8.7	51.7	12.2
2.1.2 बैंकों पर भा.रि.बैं. के दावे	2,844.5	2,158.7	-4,303.5	-4,201.5	-3,165.7
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को ऋण और अग्रिम	2,844.5	2,158.7	-4,303.5	-4,201.5	-3,165.7
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को भा.रि.बैं. के ऋण	200.8	86.9	47.7	46.8	72.9
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	27.0	27.7	10.6	13.2	14.8
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	–	–	–	–	–
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	219.1	219.1	249.5	249.5	250.9
2.3 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,834.8	23,626.7	24,341.1	24,046.2	23,972.1
2.3.1 सोना	1,334.3	1,326.0	1,305.3	1,329.0	1,288.3
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	22,500.6	22,300.9	23,036.0	22,717.4	22,684.0
2.4 पूंजी खाता	8,728.0	8,798.3	8,279.5	7,801.0	7,512.8
2.5 अन्य मदें (निवल)	813.7	729.9	913.5	770.0	820.6

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31 /माह के अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2015-16	2016	2017				
		अप्रै. 1	फर. 24	मार्च 10	मार्च 17	मार्च 24	मार्च 31
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	21,807.4	21,811.1	16,464.0	17,463.5	17,529.7	17,848.5	19,004.8
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	16,634.6	16,634.6	11,644.8	12,461.5	12,806.0	13,130.7	13,352.7
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियां	5,018.3	5,025.6	4,661.4	4,841.4	4,563.7	4,545.4	5,441.3
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियां	154.5	150.8	157.7	160.6	159.9	172.4	210.9
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	4,250.0	4,253.3	5,456.9	6,520.9	5,959.7	6,284.8	6,208.1
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	2,844.5	2,844.5	-4,453.5	-4,759.9	-4,201.5	-4,251.6	-3,165.7
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	200.8	200.8	46.1	37.9	46.8	52.1	72.9
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	23,834.8	23,807.1	24,273.1	24,289.2	24,046.2	24,092.2	23,972.1
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	219.1	219.1	249.5	249.5	249.5	249.5	250.9
2.6 भा.रि.बैं. की निवल ग़ैर मौद्रिक देयताएं	9,541.7	9,513.8	9,108.1	8,874.1	8,571.0	8,578.5	8,333.5

सं. 12: वाणिज्य बैंक सर्वेक्षण

(बिलियन ₹)

मद	माह के नियत अंतिम शुक्रवार/ माह के नियत शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2015-16	2016	2017		
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियां	90,263.3	90,263.3	103,469.1	104,028.9	106,728.9
1.1.1 मांग जमाराशियां	8,890.0	8,890.0	10,666.2	11,612.3	12,953.3
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियां	81,373.4	81,373.4	92,802.9	92,416.6	93,775.6
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियां	36,618.0	36,618.0	41,761.3	41,587.5	42,199.0
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	2,068.2	2,068.2	1,475.6	1,402.9	1,570.6
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियां	44,755.4	44,755.4	51,041.6	50,829.1	51,576.6
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	2,989.8	2,989.8	3,352.2	3,232.4	3,154.5
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	104,171.4	104,171.4	115,105.0	114,573.4	115,665.6
2.1.1 सरकार को ऋण	26,239.3	26,239.3	33,373.8	32,061.2	30,422.4
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	77,932.1	77,932.1	81,731.1	82,512.1	85,243.2
2.1.2.1 बैंक ऋण	72,496.1	72,496.1	74,852.5	75,656.7	78,815.3
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	71,443.6	71,443.6	73,797.1	75,098.1	78,279.6
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	97.8	97.8	69.9	80.2	44.2
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	15.8	15.8	18.4	15.3	10.9
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	5,322.4	5,322.4	6,790.4	6,759.9	6,372.9
2.2 वाणिज्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	–2,247.8	–2,247.8	–851.8	–271.2	–152.3
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	1,847.4	1,847.4	1,385.2	1,898.9	1,983.5
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियां	3,009.6	3,009.6	1,398.1	1,391.5	1,376.3
2.2.3 समुद्रपार विदेशी मुद्रा उधार	1,085.6	1,085.6	839.0	778.6	759.5
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	2,290.1	2,290.1	9,163.6	9,024.7	8,871.2
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	3,874.4	3,874.4	4,282.4	4,256.9	5,087.7
2.3.2 उपलब्ध नकदी	574.4	574.4	577.8	566.3	617.7
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	2,158.7	2,158.7	–4,303.5	–4,201.5	–3,165.7
2.4 पूंजी खाता	9,341.1	9,341.1	10,260.8	10,293.0	10,441.0
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	1,619.5	1,619.5	6,334.6	5,772.6	4,060.1
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	3,954.8	3,954.8	4,031.6	4,443.0	3,995.0
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	–256.0	–256.0	–366.7	–267.7	–108.8

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेश

(बिलियन ₹)

मद	मार्च 31, 2017 की स्थिति	2016	2017		
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियां	30,433.3	26,255.1	33,277.0	32,076.6	30,433.3
2 वाणिज्यिक पत्र	1,157.7	817.9	1,315.1	1,338.7	1,157.7
3 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
3.1 सरकारी उद्यम	92.0	77.1	90.7	88.4	92.0
3.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	568.0	435.5	522.6	539.0	568.0
3.3 अन्य	51.8	55.9	44.7	50.1	51.8
4 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
4.1 सरकारी उद्यम	1,068.0	930.7	1,148.1	1,038.6	1,068.0
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	1,681.5	1,324.4	1,479.8	1,535.5	1,681.5
4.3 अन्य	806.2	511.2	690.5	725.9	806.2
5 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
5.1 म्यूचुअल फंड	122.2	641.7	916.9	696.3	122.2
5.2 वित्तीय संस्थाएं	825.6	629.0	680.5	747.4	825.6

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में) /नियत शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक			
	2016-17	2016	2017		2016-17	2016	2017	
		मार्च	फर.	मार्च		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6	7	8
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	219	214	219	219	148	147	148	148
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**2,472.6**	**2,312.4**	**2,175.3**	**2,472.6**	**2,405.3**	**2,250.3**	**2,108.7**	**2,405.3**
1.1 बैंकों से मांग और मीयादी जमाराशियां	1,842.7	1,583.2	1,671.9	1,842.7	1,775.7	1,522.1	1,605.8	1,775.7
1.2 बैंकों से उधार राशि	571.4	645.0	452.3	571.4	571.1	644.0	451.7	571.1
1.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	58.4	84.2	51.1	58.4	58.4	84.2	51.1	58.4
2 अन्य के प्रति देयताएं	**119,201.3**	**103,899.7**	**116,427.8**	**119,201.3**	**116,014.2**	**101,303.1**	**113,480.6**	**116,014.2**
2.1 कुल जमाराशियां	111,169.6	95,756.3	107,189.1	111,169.6	108,105.2	93,272.9	104,367.4	108,105.2
2.1.1 मांग	13,252.3	9,095.8	10,928.9	13,252.3	12,953.3	8,890.0	10,669.2	12,953.3
2.1.2 मीयादी	97,917.2	86,660.5	96,260.1	97,917.2	95,151.9	84,382.9	93,698.2	95,151.9
2.2 उधार	3,184.1	3,011.5	3,886.2	3,184.1	3,154.5	2,989.8	3,848.9	3,154.5
2.3 अन्य मांग और मीयादी देयताएं	4,847.7	5,131.9	5,352.5	4,847.7	4,754.5	5,040.4	5,264.3	4,754.5
3 रिज़र्व बैंक से उधार	**218.1**	**2,324.7**	**103.3**	**218.1**	**218.1**	**2,324.7**	**103.3**	**218.1**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अन्य	218.1	2,324.7	103.3	218.1	218.1	2,324.7	103.3	218.1
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,874.3	4,571.0	5,074.2	5,874.3	5,705.5	4,448.8	4,931.0	5,705.5
4.1 उपलब्ध नकदी	635.5	586.7	597.7	635.5	617.74	574.4	577.0	617.7
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	5,238.8	3,984.4	4,476.6	5,238.8	5,087.7	3,874.4	4,354.0	5,087.7
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**3,069.7**	**2,980.4**	**2,937.3**	**3,069.7**	**2,558.2**	**2,604.0**	**2,442.6**	**2,558.2**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेष	2,031.7	1,759.6	1,841.3	2,031.7	1,819.9	1,616.8	1,657.2	1,819.9
5.1.1 चालू खाते में	171.5	124.9	143.6	171.5	136.8	108.8	120.9	136.8
5.1.2 अन्य खातों में	1,860.2	1,634.7	1,697.7	1,860.2	1,683.2	1,508.0	1,536.3	1,683.2
5.2 मांग और अल्पसूचना पर मुद्रा	298.6	513.6	325.8	298.6	89.9	348.9	95.9	89.9
5.3 बैंकों को अग्रिम	379.8	273.3	333.3	379.8	367.1	260.5	331.9	367.1
5.4 अन्य आस्तियां	359.6	433.8	436.9	359.6	281.4	377.8	357.6	281.4
6 निवेश	**31,353.7**	**27,000.9**	**33,856.9**	**31,353.7**	**30,433.3**	**26,255.1**	**32,956.5**	**30,433.3**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	31,295.9	26,981.7	33,831.8	31,295.9	30,422.4	26,239.3	32,938.3	30,422.4
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	57.8	19.2	25.0	57.8	10.9	15.8	18.2	10.9
7 बैंक ऋण	**81,284.8**	**74,689.6**	**76,648.4**	**81,284.8**	**78,815.3**	**72,496.1**	**74,345.1**	**78,815.3**
7क खाद्यान्न ऋण	652.4	1,215.2	772.0	652.4	539.3	1,052.5	609.3	539.3
7.1 ऋण नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	78,958.3	72,492.8	74,570.1	78,958.3	76,550.2	70,337.2	72,320.1	76,550.2
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	260.7	264.3	217.2	260.7	243.1	257.1	202.2	243.1
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	1,403.0	1,313.5	1,241.0	1,403.0	1,366.2	1,288.7	1,209.8	1,366.2
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	248.7	205.5	233.7	248.7	246.4	204.4	231.1	246.4
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	414.2	413.6	386.3	414.2	409.4	408.8	381.7	409.4

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

मद	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 18, 2016	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 31	2016-17	2017
	1	2	3	4	5	6
1 सकल बैंक ऋण	**66,500**	**66,500**	**67,754**	**71,398**	**7.4**	**7.4**
1.1 खाद्यान्न ऋण	**1,031**	**1,031**	**886**	**36**	**–96.5**	**-96.5**
1.2 गैर-खाद्यान्न ऋण	**65,469**	**65,469**	**66,867**	**71,361**	**9.0**	**9.0**
1.2.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**8,829**	**8,829**	**9,330**	**9,925**	**12.4**	**12.4**
1.2.2 उद्योग	**27,307**	**27,307**	**26,014**	**26,779**	**–1.9**	**-1.9**
1.2.2.1 सूक्ष्म और लघु	3,715	3,715	3,562	3,699	–0.4	-0.4
1.2.2.2 मझौले	1,148	1,148	1,005	1,049	–8.7	-8.7
1.2.2.3 बड़े	22,444	22,444	21,448	22,031	–1.8	-1.8
1.2.3 सेवाएं	**15,411**	**15,411**	**16,120**	**18,416**	**19.5**	**19.5**
1.2.3.1 परिवहन परिचालक	997	997	1,039	1,104	10.7	10.7
1.2.3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	191	191	174	179	–6.3	-6.3
1.2.3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	371	371	380	375	1.2	1.2
1.2.3.4 नौवहन	104	104	118	116	11.7	11.7
1.2.3.5 पेशेवर सेवाएं	1,046	1,046	1,243	1,380	32.0	32.0
1.2.3.6 व्यापार	3,811	3,811	3,943	4,280	12.3	12.3
1.2.3.6.1 थोक व्यापार	1,686	1,686	1,800	1,933	14.6	14.6
1.2.3.6.2 खुदरा व्यापार	2,125	2,125	2,143	2,347	10.5	10.5
1.2.3.7 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	1,776	1,776	1,781	1,856	4.5	4.5
1.2.3.8 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	3,527	3,527	3,195	3,910	10.9	10.9
1.2.3.9 अन्य सेवाएं	3,587	3,587	4,247	5,214	45.4	45.4
1.2.4 व्यक्तिगत ऋण	**13,922**	**13,922**	**15,403**	**16,242**	**16.7**	**16.7**
1.2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	178	178	202	208	17.2	17.2
1.2.4.2 आवास	7,468	7,468	8,202	8,601	15.2	15.2
1.2.4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	667	667	588	661	–0.9	-0.9
1.2.4.4 शेयरों और बांडों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	64	64	49	54	–16.4	-16.4
1.2.4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	377	377	493	521	38.4	38.4
1.2.4.6 शिक्षा	682	682	720	701	2.7	2.7
1.2.4.7 वाहन ऋण	1,529	1,529	1,692	1,721	12.5	12.5
1.2.4.8 अन्य व्यक्तिगत ऋण	2,958	2,958	3,456	3,775	27.6	27.6
1.2अ प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**22,259**	**22,259**	**22,889**	**24,364**	**9.5**	**9.5**
1.2अ.1 कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	8,826	8,826	9,302	9,910	12.3	12.3
1.2अ.2 सूक्ष्म और लघु उद्यम	8,476	8,476	8,437	9,026	6.5	6.5
1.2अ.2.1 विनिर्माण	3,715	3,715	3,562	3,713	–0.1	-0.1
1.2अ.2.2 सेवाएं	4,761	4,761	4,875	5,314	11.6	11.6
1.2अ.3 आवास	3,423	3,423	3,572	3,684	7.6	7.6
1.2अ.4 माइक्रो क्रेडिट	188	188	185	189	0.5	0.5
1.2अ.5 शिक्षा ऋण	601	601	611	604	0.5	0.5
1.2अ.6 अजा/अजजा के लिए राज्य प्रायोजित संस्थाएं	5	5	6	6	24.1	24.1
1.2अ.7 कमजोर वर्ग	4,774	4,774	5,208	5,542	16.1	16.1
1.2अ.8 निर्यात ऋण	424	424	435	425	0.3	0.3

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार अभिनियोजन

(बिलियन ₹)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 18, 2016	2016	2017		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		मार्च 18	फर. 17	मार्च 31	2016-17	2017
	1	2	3	4	5	6
1 उद्योग	**27,307**	**27,307**	**26,014**	**26,779**	**–1.9**	**–1.9**
1.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	**390**	**390**	**332**	**345**	**–11.5**	**–11.5**
1.2 खाद्य प्रसंस्करण	**1,501**	**1,501**	**1,329**	**1,457**	**–2.9**	**–2.9**
1.2.1 चीनी	400	400	303	327	–18.1	–18.1
1.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	199	199	166	184	–7.7	–7.7
1.2.3 चाय	36	36	35	35	–1.6	–1.6
1.2.4 अन्य	866	866	826	910	5.1	5.1
1.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	**181**	**181**	**168**	**173**	**–4.9**	**–4.9**
1.4 वस्त्र	**2,058**	**2,058**	**1,903**	**1,967**	**–4.4**	**–4.4**
1.4.1 सूती वस्त्र	1,035	1,035	924	965	–6.8	–6.8
1.4.2 जूट से बने वस्त्र	22	22	21	23	6.3	6.3
1.4.3 मानव-निर्मित वस्त्र	208	208	196	204	–2.1	–2.1
1.4.4 अन्य वस्त्र	793	793	763	775	–2.3	–2.3
1.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	**105**	**105**	**99**	**107**	**2.0**	**2.0**
1.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	**95**	**95**	**98**	**105**	**10.8**	**10.8**
1.7 काग़ज़ और काग़ज़ से बने उत्पाद	**355**	**355**	**341**	**326**	**–8.1**	**–8.1**
1.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक इंधन	**512**	**512**	**527**	**596**	**16.4**	**16.4**
1.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**1,645**	**1,645**	**1,520**	**1,724**	**4.8**	**4.8**
1.9.1 उर्वरक	285	285	303	335	17.5	17.5
1.9.2 औषधि और दवाइयां	535	535	446	464	–13.3	–13.3
1.9.3 पेट्रो केमिकल्स	365	365	368	521	42.6	42.6
1.9.4 अन्य	461	461	402	419	–9.1	–9.1
1.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**374**	**374**	**367**	**392**	**4.9**	**4.9**
1.11 कांच और कांच के सामान	**89**	**89**	**78**	**79**	**–10.8**	**–10.8**
1.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	**543**	**543**	**546**	**543**	**–0.1**	**–0.1**
1.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**4,160**	**4,160**	**4,147**	**4,216**	**1.3**	**1.3**
1.13.1 लोहा और स्टील	3,115	3,115	3,135	3,195	2.6	2.6
1.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	1,046	1,046	1,013	1,021	–2.4	–2.4
1.14 सभी अभियांत्रिकी	**1,542**	**1,542**	**1,475**	**1,499**	**–2.8**	**–2.8**
1.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	382	382	343	336	–12.1	–12.1
1.14.2 अन्य	1,159	1,159	1,132	1,163	0.3	0.3
1.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	**690**	**690**	**724**	**736**	**6.7**	**6.7**
1.16 रत्न और आभूषण	**727**	**727**	**690**	**738**	**1.5**	**1.5**
1.17 निर्माण	**745**	**745**	**818**	**827**	**11.0**	**11.0**
1.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**9,648**	**9,648**	**8,984**	**9,070**	**–6.0**	**–6.0**
1.18.1 पावर	5,799	5,799	5,258	5,256	–9.4	–9.4
1.18.2 दूरसंचार	913	913	822	851	–6.8	–6.8
1.18.3 सड़क	1,775	1,775	1,797	1,800	1.4	1.4
1.18.4 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,161	1,161	1,107	1,163	0.1	0.1
1.19 अन्य उद्योग	**1,945**	**1,945**	**1,867**	**1,922**	**–1.2**	**–1.2**

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(बिलियन ₹)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/नियत शुक्रवार की स्थिति					
	2015-16	2015	2016			
		दिसं. 25	नवं. 25	दिसं. 09	दिसं. 23	दिसं. 30
	1	2	3	4	5	6
सूचना देने वाले बैंकों की संख्या	32	32	30	30	30	30
1 कुल जमाराशियां (2.1.1.2+2.2.1.2)	433.2	411.0	479.7	485.2	485.6	483.8
2 मांग और मीयादी देयताएं						
2.1 मांग देयताएं	152.1	141.7	169.8	165.4	169.3	170.9
2.1.1 जमाराशियां						
2.1.1.1 अंतर-बैंक	33.7	29.2	42.6	42.3	38.2	39.6
2.1.1.2 अन्य	78.2	69.3	90.8	95.1	94.4	93.7
2.1.2 बैंकों से उधार	9.5	8.7	10.0	0.0	10.0	10.0
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	30.6	34.6	26.4	28.0	26.7	27.7
2.2 मीयादी देयताएं	840.7	834.9	883.2	895.1	901.8	898.1
2.2.1 जमाराशियां						
2.2.1.1 अंतर-बैंक	479.1	486.0	486.7	497.2	503.0	500.4
2.2.1.2 अन्य	355.1	341.8	388.8	390.2	391.1	390.1
2.2.2 बैंकों से उधार	0.0	0.5	0.0	0.0	0.0	0.0
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	6.5	6.6	7.7	7.7	7.6	7.6
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0	0.4	0.0	0.0	0.0	0.0
4 अधिसूचित बैंक/राज्य सरकार से उधार	435.4	425.9	438.1	440.2	422.1	421.7
4.1 मांग	164.0	153.1	152.7	152.1	148.9	148.7
4.2 मीयादी	271.5	272.8	285.4	288.1	273.2	272.9
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेष	46.1	42.5	69.0	86.2	55.9	55.9
5.1 उपलब्ध नकदी	2.4	2.3	28.4	18.7	13.6	11.7
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेष	43.8	40.2	40.5	67.5	42.3	44.2
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेष	6.8	6.2	10.4	12.0	11.3	13.9
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	298.8	290.2	281.6	290.7	301.7	302.7
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	191.3	204.7	253.0	262.3	268.9	265.2
9 बैंक ऋण (10.1+11)	480.8	429.7	458.3	453.5	456.5	458.0
10 अग्रिम						
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	480.8	429.7	458.2	453.5	456.5	458.0
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	727.9	720.6	717.4	714.7	709.9	710.2
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0

मूल्य और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2016-17			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	मार्च 16	फर. 17	मार्च 17	मार्च 16	फर. 17	मार्च 17	मार्च 16	फर. 17	मार्च 17
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	**135.3**	**134.9**	**135.2**	**130.4**	**133.6**	**133.5**	**128.9**	**132.1**	**132.5**	**129.8**	**133.0**	**133.1**
1.1 अनाज और उत्पाद	130.8	128.9	130.2	127.3	133.3	133.6	124.8	132.8	132.7	126.5	133.1	133.3
1.2 मांस और मछली	137.9	140.1	138.7	134.4	138.3	138.9	136.3	139.8	139.4	135.1	138.8	139.1
1.3 अंडा	128.9	130.7	129.6	125.1	129.3	128.8	123.7	129.3	128.3	124.6	129.3	128.6
1.4 दूध और उत्पाद	135.2	132.4	134.1	130.5	137.2	137.2	129.7	133.5	134.8	130.2	135.8	136.3
1.5 तेल और चर्बी	120.3	112.0	117.3	118.3	122.1	121.6	107.9	114.3	114.0	114.5	119.2	118.8
1.6 फल	138.1	132.7	135.6	131.7	138.7	140.1	119.9	131.4	135.6	126.2	135.3	138.0
1.7 सब्जी	139.2	144.8	141.1	130.7	119.1	119.5	128.1	120.2	122.1	129.8	119.5	120.4
1.8 दाल और उत्पाद	165.6	170.3	167.2	161.2	156.9	148.0	170.3	143.1	135.8	164.3	152.2	143.9
1.9 चीनी और उत्पाद	112.1	114.9	113.1	100.4	116.2	117.0	101.8	119.5	120.3	100.9	117.3	118.1
1.10 मसाले	135.1	143.8	138.0	130.8	136.0	135.6	140.1	144.0	142.5	133.9	138.7	137.9
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	128.0	122.4	125.7	124.9	129.4	129.5	120.7	123.4	123.6	123.1	126.9	127.0
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	141.7	139.2	140.5	137.0	144.4	145.4	135.4	141.9	142.3	136.3	143.2	144.0
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	**140.1**	**144.1**	**141.2**	**135.0**	**143.7**	**144.3**	**140.6**	**146.3**	**147.0**	**136.5**	**144.4**	**145.0**
3 कपड़ा और जूते	**137.9**	**127.8**	**133.9**	**133.8**	**140.2**	**141.0**	**125.5**	**129.3**	**129.6**	**130.5**	**135.9**	**136.5**
3.1 कपड़ा	138.6	128.9	134.8	134.4	140.9	141.7	126.4	130.5	130.9	131.3	136.8	137.4
3.2 जूते	133.7	121.7	128.7	130.2	135.8	136.2	120.3	122.5	122.6	126.1	130.3	130.6
4 आवास	--	**128.0**	**128.0**	--	--	--	**124.9**	**130.5**	**131.1**	**124.9**	**130.5**	**131.1**
5 ईंधन और लाइट	**130.1**	**116.4**	**124.9**	**127.0**	**133.2**	**134.3**	**114.8**	**119.2**	**120.8**	**122.4**	**127.9**	**129.2**
6 विविध	**125.0**	**120.6**	**122.9**	**121.1**	**127.0**	**127.4**	**117.3**	**122.4**	**122.5**	**119.3**	**124.8**	**125.0**
6.1 घरेलू सामान और सेवा	131.3	124.3	128.0	127.7	133.6	134.3	122.3	125.3	125.6	125.1	129.7	130.2
6.2 स्वास्थ्य	128.1	121.6	125.6	124.8	130.1	130.6	119.7	122.9	123.2	122.9	127.4	127.8
6.3 परिवहन और संचार	117.3	112.8	114.9	113.6	119.5	119.7	108.5	115.5	115.7	110.9	117.4	117.6
6.4 मनोरंजन	125.9	121.0	123.1	122.5	127.7	128.3	119.1	122.2	122.3	120.6	124.6	124.9
6.5 शिक्षा	132.3	131.0	131.6	127.5	134.9	135.1	126.4	132.4	132.4	126.9	133.4	133.5
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव	121.7	120.3	121.1	117.4	123.2	123.3	117.1	121.7	121.7	117.3	122.6	122.6
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	**132.4**	**127.9**	**130.3**	**128.0**	**132.6**	**132.8**	**123.8**	**128.2**	**128.6**	**126.0**	**130.6**	**130.8**

स्रोत: केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2016-17	2016	2017	
				मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2001	4.63	276	268	274	275
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	870	843	869	866
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	–	875	848	874	872

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2016-17	2016	2017	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	29,665	28,794	29,265	28,758
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	42,748	37,500	42,914	42,100

स्रोत: मुंबई में सोने और चांदी के मूल्य के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड/बिजनेस लाइन/द इकोनॉमिक टाइम्स, मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक
(आधार: 2004-05=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			मार्च	जन.	फर. (अ)	मार्च (अ)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	**100.000**	**183.2**	**175.3**	**185.1**	**185.5**	**185.3**
1.1 प्राथमिक वस्तुएं	**20.118**	**261.4**	**246.1**	**258.2**	**258.1**	**257.5**
1.1.1 खाद्य वस्तुएं	**14.337**	**275.2**	**259.5**	**268.3**	**267.5**	**267.6**
1.1.1.1 खाद्यान्न	4.090	280.0	259.7	283.3	272.8	265.9
1.1.1.1.1 अनाज	3.373	253.4	241.3	260.0	255.9	253.3
1.1.1.1.2 दाल	0.717	405.5	346.5	393.2	352.4	325.4
1.1.1.2 फल और सब्जियां	3.843	255.2	226.2	220.1	230.9	241.5
1.1.1.2.1 सब्जियां	1.736	251.9	212.4	195.7	203.3	224.5
1.1.1.2.2 फल	2.107	257.8	237.5	240.2	253.7	255.6
1.1.1.3 दूध	3.238	259.9	253.9	261.3	261.6	262.1
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.414	304.3	300.8	308.6	309.5	310.2
1.1.1.5 मसाले आदि	0.569	348.0	347.3	357.3	334.6	309.9
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएं	0.183	251.9	236.5	257.9	254.1	253.6
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएं	**4.258**	**230.0**	**219.8**	**231.7**	**234.8**	**230.6**
1.1.2.1 फाइबर	0.877	241.2	208.9	248.3	252.4	254.1
1.1.2.2 तिलहन	1.781	217.3	211.6	211.3	211.1	209.5
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएं	1.386	244.8	239.2	248.9	251.7	248.6
1.1.2.4 फूल	0.213	192.5	206.9	221.6	249.4	193.6
1.1.3 खनिज	**1.524**	**219.6**	**192.9**	**237.8**	**234.8**	**238.3**
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.489	280.9	254.0	308.0	295.3	307.9
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.135	203.0	195.4	196.7	211.8	204.4
1.1.3.3 कच्चा तेल	0.900	188.9	159.3	205.9	205.4	205.7
1.2 ईंधन और बिजली	**14.910**	**189.9**	**172.4**	**201.2**	**203.8**	**203.7**
1.2.1 कोयला	2.094	199.0	189.9	217.4	226.1	226.1
1.2.2 खनिज तेल	9.364	194.4	168.5	208.3	210.4	210.3
1.2.3 बिजली	3.452	172.3	172.3	172.3	172.3	172.3
1.3 विनिर्मित उत्पाद	**64.972**	**157.4**	**154.1**	**158.8**	**158.8**	**158.7**
1.3.1 खाद्य उत्पाद	**9.974**	**191.3**	**179.6**	**193.9**	**194.5**	**192.1**
1.3.1.1 डेरी उत्पाद	0.568	211.6	204.3	214.9	215.6	218.0
1.3.1.2 डिब्बाबंदी, खाद्य परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.358	168.4	166.5	168.1	169.2	165.3
1.3.1.3 अनाज मिल के उत्पाद	1.340	200.5	183.3	214.1	212.9	203.0
1.3.1.4 बेकरी उत्पाद	0.444	151.3	149.9	151.8	151.8	152.0
1.3.1.5 चीनी, खांडसारी और गुड़	2.089	207.5	183.0	212.6	216.4	217.7
1.3.1.6 खाद्य तेल	3.043	156.1	149.7	158.2	157.6	155.9
1.3.1.7 खली	0.494	261.0	255.5	244.7	245.7	246.3
1.3.1.8 चाय और काफी प्रसंस्करण	0.711	198.9	196.6	189.0	189.6	180.1
1.3.1.9 नमक का उत्पादन	0.048	198.1	199.8	192.8	192.8	192.8
1.3.1.10 अन्य खाद्य उत्पाद	0.879	231.2	216.5	236.1	235.5	233.4
1.3.2 पेय पदार्थ, तंबाकू और तंबाकू के उत्पाद	**1.762**	**221.1**	**211.8**	**221.7**	**221.5**	**221.7**
1.3.2.1 शराब उद्योग	0.385	148.7	145.1	149.7	150.3	150.2
1.3.2.2 माल्ट लिकर	0.153	187.8	186.4	188.6	185.7	185.7
1.3.2.3 सॉफ्ट ड्रिंक और कार्बोनेटेड वाटर	0.241	182.0	170.4	183.9	183.3	183.3
1.3.2.4 बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू और जर्दा का उत्पादन	0.983	264.2	252.0	264.4	264.4	264.7
1.3.3 वस्त्र उद्योग	**7.326**	**141.9**	**139.9**	**142.2**	**142.6**	**142.9**
1.3.3.1 सूती वस्त्र	2.605	160.7	155.8	162.0	162.2	162.7
1.3.3.1.1 सूती धागा	1.377	171.9	164.6	173.7	174.3	174.5
1.3.3.1.2 सूती फैब्रिक्स	1.228	148.0	145.8	148.9	148.6	149.4
1.3.3.2 मानव-निर्मित वस्त्र	2.206	129.6	129.1	130.1	130.9	131.4
1.3.3.2.1 मानव-निर्मित रेशे	1.672	127.5	127.2	127.4	127.8	128.6
1.3.3.2.2 मानव-निर्मित फैब्रिक्स	0.533	136.1	134.8	138.3	140.5	140.1
1.3.3.3 ऊनी वस्त्र	0.294	152.0	151.6	151.8	152.1	152.0
1.3.3.4 जूट, हेम्प और मेस्टा से बने वस्त्र	0.261	238.4	238.1	232.7	232.7	233.9
1.3.3.5 अन्य विविध वस्त्र	1.960	116.2	116.3	116.1	116.1	116.1
1.3.4 लकड़ी और लकड़ी के उत्पाद	**0.587**	**196.4**	**197.0**	**191.9**	**191.8**	**193.2**
1.3.4.1 लकड़ी और काष्ठ फलक	0.181	163.5	165.8	158.5	158.5	158.5
1.3.4.2 प्रसंस्कृत लकड़ी	0.128	199.0	195.3	199.2	199.2	199.2
1.3.4.3 प्लाइवुड और फाइबर बोर्ड	0.241	226.8	228.0	220.3	220.0	222.9
1.3.4.4 अन्य	0.038	151.9	154.4	147.3	146.8	150.4

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*
(आधार: 2004-05=100)

पण्य	भारांक	2016-17	2016	2017		
			मार्च	जन.	फर. (अ)	मार्च (अ)
	1	2	3	4	5	6
1.3.5 कागज़ और कागज़ के उत्पाद	**2.034**	**156.9**	**155.8**	**158.3**	**157.7**	**158.8**
1.3.5.1 कागज़ और लुगदी	1.019	151.7	151.1	153.4	152.5	154.5
1.3.5.2 गत्ता विनिर्माण	0.550	135.0	136.5	134.3	133.7	134.0
1.3.5.3 मुद्रण और प्रकाशन	0.465	194.3	189.3	197.6	197.5	197.7
1.3.6 चमड़ा और चमड़े के बने उत्पाद	**0.835**	**145.9**	**145.8**	**145.1**	**145.1**	**145.3**
1.3.6.1 चमड़ा	0.223	114.6	115.7	112.6	113.4	113.3
1.3.6.2 चमड़े के जूते	0.409	163.6	161.5	164.7	164.4	164.5
1.3.6.3 चमड़े के अन्य उत्पाद	0.203	144.7	147.4	141.1	141.1	141.7
1.3.7 रबड़ और प्लास्टिक उत्पाद	**2.987**	**147.9**	**145.3**	**148.6**	**148.9**	**150.4**
1.3.7.1 टायर और ट्यूब	0.541	177.7	176.1	179.0	178.8	180.3
1.3.7.1.1 टायर	0.488	177.8	176.4	179.1	178.8	180.5
1.3.7.1.2 ट्यूब	0.053	176.5	173.3	178.4	178.4	178.4
1.3.7.2 प्लास्टिक उत्पाद	1.861	135.4	133.5	135.6	136.0	137.4
1.3.7.3 रबड़ उत्पाद	0.584	160.2	154.3	161.8	162.1	164.4
1.3.8 रसायन और रासायनिक उत्पाद	**12.018**	**151.0**	**149.6**	**151.2**	**151.5**	**152.3**
1.3.8.1 मूल अकार्बनिक रसायन	1.187	155.6	154.5	155.5	155.6	156.1
1.3.8.2 मूल कार्बनिक रसायन	1.952	143.3	137.8	147.3	149.2	151.4
1.3.8.3 उर्वरक और कीटनाशक	3.145	155.0	155.9	153.4	152.9	152.6
1.3.8.3.1 उर्वरक	2.661	157.5	158.9	155.4	155.0	154.8
1.3.8.3.2 कीटनाशक	0.483	141.3	139.0	142.2	141.3	140.6
1.3.8.4 पेन्ट, वार्निश और लाखवाली पालिश	0.529	152.5	152.0	152.5	152.4	152.5
1.3.8.5 रंग सामग्री और नील	0.563	143.4	142.0	143.7	143.7	143.7
1.3.8.6 औषधि और दवाइयां	0.456	128.8	128.6	128.5	128.4	128.5
1.3.8.7 परफ्यूम, कॉस्मेटिक, टॉयलेट सामग्री आदि	1.130	164.8	163.2	164.3	164.6	165.0
1.3.8.8 तारपीन, प्लास्टिक रसायन	0.586	155.2	153.7	155.8	155.8	156.3
1.3.8.9 सिंथेटिक रबड़ सहित पोलिमर	0.970	145.6	144.4	145.0	145.2	146.1
1.3.8.10 पेट्रोकेमिकल मध्यवर्ती	0.869	145.6	144.0	145.8	146.3	151.1
1.3.8.11 दियासलाई, विस्फोटक और अन्य रसायन	0.629	154.0	152.6	154.9	155.3	154.5
1.3.9 अधात्विक खनिज उत्पाद	**2.556**	**178.9**	**178.4**	**178.2**	**178.8**	**177.7**
1.3.9.1 ढांचागत मिट्टी के उत्पाद	0.658	200.8	198.5	200.8	201.0	201.7
1.3.9.2 कांच,मिट्टी के बर्तन, चीनी मिट्टी के बर्तन और उसके उत्पाद	0.256	143.9	142.7	144.2	144.0	144.2
1.3.9.3 सीमेन्ट और चूना	1.386	175.5	175.7	174.2	175.2	172.8
1.3.9.4 सीमेन्ट, स्लेट और ग्रेफाइट उत्पाद	0.256	176.0	177.0	176.1	176.1	176.3
1.3.10 मूल खनिज, मिश्र तथा धातु उत्पाद	**10.748**	**156.2**	**153.4**	**161.2**	**160.4**	**160.5**
1.3.10.1 लौह धातु	8.064	142.0	139.3	148.6	147.3	147.4
1.3.10.1.1 लौह और सेमिस	1.563	137.0	136.3	143.3	140.7	142.7
1.3.10.1.2 स्टील : लंबी	1.630	145.6	146.9	150.0	148.5	150.1
1.3.10.1.3 स्टील : फ्लैट	2.611	136.4	130.8	146.1	144.9	143.5
1.3.10.1.4 स्टील : पाइप और ट्यूब	0.314	127.0	123.8	129.4	129.7	127.2
1.3.10.1.5 स्टेनलेस स्टील और मिश्र	0.938	161.4	157.6	165.8	164.8	166.8
1.3.10.1.6 ढलाई और गढ़ाई	0.871	141.4	140.2	143.9	143.8	142.0
1.3.10.1.7 फेरो एलॉय	0.137	168.2	148.2	200.1	200.1	191.3
1.3.10.2 अलौह धातुएं	1.004	164.8	163.1	165.6	165.8	166.3
1.3.10.2.1 एल्युमिनियम	0.489	138.2	135.1	139.7	140.1	140.7
1.3.10.2.2 अन्य अलौह धातुएं	0.515	190.0	189.7	190.2	190.3	190.6
1.3.10.3 धातु उत्पाद	1.680	219.6	215.8	219.1	220.2	220.3
1.3.11 मशीनरी और मशीनी पुर्जे	**8.931**	**135.4**	**135.1**	**135.4**	**135.4**	**135.3**
1.3.11.1 कृषि मशीनरी और औजार	0.139	152.5	149.3	154.0	154.0	154.0
1.3.11.2 औद्योगिक मशीनरी	1.838	154.0	153.5	153.9	153.9	153.5
1.3.11.3 निर्माण मशीनरी	0.045	141.6	141.5	141.6	141.6	141.6
1.3.11.4 मशीनी पुर्जे	0.367	174.0	175.8	170.9	170.0	170.0
1.3.11.5 एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर	0.429	121.3	121.2	121.3	121.3	121.3
1.3.11.6 गैर इलेक्ट्रिकल मशीनरी	1.026	128.4	128.0	128.5	128.5	128.6
1.3.11.7 इलेक्ट्रिकल मशीनरी, उपस्कर और बैटरी	2.343	138.9	138.0	138.9	138.9	139.0
1.3.11.8 इलेक्ट्रिकल साजसमान, तार, केबल आदि	1.063	152.8	152.9	154.0	154.1	153.7
1.3.11.9 इलेक्ट्रिकल औजार और उपस्कर	0.337	123.7	122.0	124.0	124.0	124.0
1.3.11.10 इलेक्ट्रॉनिक चीजें	0.961	89.1	89.5	88.9	88.9	89.0
1.3.11.11 आईटी हार्डवेयर	0.267	91.8	91.7	92.0	92.0	92.0
1.3.11.12 संचार उपस्कर	0.118	98.8	99.6	99.3	99.3	99.3
1.3.12 परिवहन, उपस्कर और पुर्जे	**5.213**	**139.9**	**139.0**	**140.4**	**140.5**	**140.8**
1.3.12.1 ऑटोमोटिव	4.231	139.4	138.3	139.9	139.9	140.4
1.3.12.2 ऑटो पुर्जे	0.804	140.5	140.1	140.7	141.1	140.7
1.3.12.3 अन्य परिवहन उपस्कर	0.178	150.7	150.4	150.7	150.7	150.6

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2004-05=100)

उद्योग	भारांक	2014-15	2015-16	अप्रैल-फरवरी		फरवरी	
				2015-16	2016-17	2016	2017
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	**100.00**	**176.9**	**181.1**	**179.5**	**180.3**	**184.5**	**182.3**
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन और उत्खनन	14.16	126.5	129.3	127.5	129.5	136.1	140.6
1.2 विनिर्माण	75.53	186.1	189.8	188.1	187.6	193.9	190.1
1.3 बिजली	10.32	178.6	188.7	187.9	196.6	181.9	182.5
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	45.68	167.8	173.8	172.4	179.7	173.5	177.7
2.2 पूंजीगत माल	8.83	258.0	250.5	247.7	212.9	231.1	223.2
2.3 मध्यवर्ती माल	15.69	153.8	157.6	156.3	159.6	159.2	158.9
2.4 उपभोक्ता माल	29.81	178.9	184.3	182.5	182.6	200.8	189.5
2.4.1 उपभोक्ता टिकाऊ माल	8.46	231.0	257.2	254.4	266.3	277.2	274.7
2.4.2 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	21.35	158.3	155.4	154.0	149.5	170.5	155.8

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

सं. 23ः केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में

(राशि बिलियन ₹ में)

मद	वित्तीय वर्ष	अप्रैल-फरवरी			
	2016-17 (संशोधित अनुमान)	2016-17 (वास्तविक)	2015-16 (वास्तविक)	संशोधित अनुमान का प्रतिशत	
				2016-17	2015-16
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	14,235.6	10,941.8	9,470.5	76.9	78.5
1.1 कर राजस्व (निवल)	10,887.9	8,852.7	7,357.8	81.3	77.7
1.2 करेतर राजस्व	3,347.7	2,089.1	2,112.7	62.4	81.7
2 पूंजीगत प्राप्तियां	5,908.5	6,588.4	6,088.2	111.5	105.1
2.1 ऋण की वसूली	110.7	141.8	174.3	128.1	92.2
2.2 अन्य प्राप्तियां	455.0	390.4	185.2	85.8	73.2
2.3 उधारियां और अन्य देयताएं	5,342.7	6,056.1	5,728.7	113.4	107.1
3 कुल प्राप्तियां (1+2)	20,144.1	17,530.2	15,558.7	87.0	87.1
4 गैर-योजना व्यय	14,306.0	12,714.8	11,586.6	88.9	88.6
4.1 राजस्व खाते पर	13,320.2	11,853.8	10,615.8	89.0	87.5
4.1.1 ब्याज भुगतान	4,830.7	4,039.8	3,794.9	83.6	85.7
4.2 पूंजी खाते पर	985.8	861.1	970.8	87.3	101.6
5 योजना व्यय	5,838.1	4,815.4	3,972.2	82.5	83.2
5.1 राजस्व खाते पर	4,025.4	3,528.5	2,762.8	87.7	82.5
5.2 पूंजी खाते पर	1,812.7	1,286.9	1,209.4	71.0	85.1
6 कुल व्यय (4+5)	20,144.1	17,530.2	15,558.7	87.0	87.1
7 राजस्व व्यय (4.1+5.1)	17,345.6	15,382.2	13,378.6	88.7	86.4
8 पूंजी व्यय (4.2+5.2)	2,798.5	2,148.0	2,180.1	76.8	91.7
9 राजस्व घाटा (7-1)	3,110.0	4,440.4	3,908.1	142.8	114.4
10 राजकोषीय घाटा {6-(1+2.1+2.2)}	5,342.7	6,056.1	5,728.7	113.4	107.1
11 सकल प्राथमिक घाटा [10-4.1.1]	512.1	2,016.3	1,933.9	393.8	209.1

स्रोत : महालेखानियंत्रक, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 24: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		अप्रै. 1	फर. 24	मार्च 3	मार्च 10	मार्च 17	मार्च 24	मार्च 31
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	323.7	422.9	228.4	216.6	230.8	229.6	272.9	323.7
1.2 प्राथमिक व्यापारी	243.5	271.4	150.8	153.8	180.8	194.8	202.0	243.5
1.3 राज्य सरकारें	146.2	308.0	438.1	398.0	352.5	297.5	247.5	146.2
1.4 अन्य	343.4	324.7	633.1	615.4	554.6	521.9	453.3	343.4
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	216.2	135.9	219.0	213.0	233.5	230.0	267.0	216.2
2.2 प्राथमिक व्यापारी	316.5	450.1	354.2	297.5	286.4	306.0	271.2	316.5
2.3 राज्य सरकारें	193.6	55.7	194.4	194.4	194.9	194.9	193.6	193.6
2.4 अन्य	120.9	135.9	113.3	172.5	142.7	126.5	115.4	120.9
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	512.3	341.9	581.4	545.2	570.8	526.6	637.3	512.3
3.2 प्राथमिक व्यापारी	551.8	703.2	506.5	425.4	503.8	491.6	478.7	551.8
3.3 राज्य सरकारें	26.3	19.6	26.9	26.9	26.9	26.9	26.9	26.3
3.4 अन्य	326.4	474.7	367.6	459.3	355.3	391.7	293.9	326.4
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 प्राथमिक व्यापारी	–	–	–	–	–	–	–	–
4.3 राज्य सरकारें	1,560.6	1,576.5	1,326.3	1,754.1	1,520.9	1,678.2	1,793.2	1,560.6
4.4 अन्य	5.1	5.5	5.8	7.2	3.2	7.2	7.1	5.1
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर)#	3,320.8	3,644.0	3,813.6	3,718.1	3,633.1	3,538.1	3,459.8	3,320.8

14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे नहीं है। यह बिल स्वरूप के अनुसार मध्यवर्ती हैं क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए परिसमाप्त किए जाते हैं।

सं. 25: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि बिलियन ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियां			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2016-17										
मार्च 1	60	81	736.92	30.53	26	60.00	30.53	90.53	98.51	6.0668
मार्च 8	60	98	574.92	10.63	41	59.98	10.63	70.61	98.54	5.9428
मार्च 15	60	68	392.27	22.72	41	60.00	22.72	82.72	98.54	5.9428
मार्च 22	60	81	460.25	6.84	37	59.99	6.84	66.83	98.56	5.8602
मार्च 29	60	61	277.72	12.00	26	60.00	12.00	72.00	98.57	5.8189
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2016-17										
फर. 22	40	62	240.60	20.00	25	40.00	20.00	60.00	96.97	6.2665
मार्च 8	40	88	248.14	40.02	32	39.98	40.02	80.00	97.03	6.1386
मार्च 22	40	63	163.86	15.47	20	40.00	15.47	55.47	97.07	6.0535
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2016-17										
फर. 15	40	73	180.27	–	38	40.00	–	40.00	94.09	6.2985
मार्च 1	40	75	161.17	–	34	40.00	–	40.00	94.12	6.2645
मार्च 15	40	63	138.73	–	31	40.00	–	40.00	94.19	6.1853
मार्च 29	40	48	86.67	0.02	30	40.00	0.02	40.02	94.23	6.1401

वित्तीय बाजार

सं. 26ः दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार		दरों का दायरा	भारित औसत दरें
		उधार लेना/उधार देना	उधार लेना/उधार देना
		1	2
मार्च	1, 2017	4.75-6.25	6.04
मार्च	2, 2017	4.75-6.25	5.95
मार्च	3, 2017	4.30-6.25	5.89
मार्च	4, 2017	4.60-6.25	6.04
मार्च	6, 2017	4.70-6.25	5.94
मार्च	7, 2017	4.60-6.30	5.97
मार्च	8, 2017	4.60-6.25	5.92
मार्च	9, 2017	4.50-6.80	5.98
मार्च	10, 2017	4.45-6.25	6.00
मार्च	14, 2017	4.50-6.25	5.92
मार्च	15, 2017	4.50-6.25	5.97
मार्च	16, 2017	4.35-6.25	6.01
मार्च	17, 2017	4.25-6.25	6.02
मार्च	18, 2017	5.00-6.45	6.11
मार्च	20, 2017	4.25-6.25	6.00
मार्च	21, 2017	4.25-6.25	5.92
मार्च	22, 2017	4.25-6.25	5.97
मार्च	23, 2017	4.25-6.20	5.92
मार्च	24, 2017	4.25-6.20	5.88
मार्च	27, 2017	4.20-6.15	5.94
मार्च	29, 2017	4.00-6.60	5.94
मार्च	30, 2017	4.00-6.25	5.98
मार्च	31, 2017	5.00-9.50	6.04
अप्रैल	3, 2017	4.05-6.25	5.79
अप्रैल	5, 2017	5.00-6.10	5.80
अप्रैल	6, 2017	3.85-6.15	5.85
अप्रैल	7, 2017	3.80-6.20	5.92
अप्रैल	10, 2017	3.75-6.15	5.93
अप्रैल	11, 2017	3.75-6.15	5.95
अप्रैल	12, 2017	3.50-6.25	5.92
अप्रैल	13, 2017	3.50-6.20	5.94
अप्रैल	15, 2017	4.60-6.10	5.71

टिप्पणीः नोटिस मुद्रा सहित

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2016	2017			
	मार्च 18	फर. 17	मार्च 3	मार्च 17	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	2,105.9	1,457.5	1,460.7	1,388.3	1,557.4
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (बिलियन ₹)	678.6	98.8	242.4	240.9	246.0
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	7.18-8.55	6.18-6.70	6.12-6.71	6.16-6.68	6.21-6.70

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2016	2017			
	मार्च 31	फर. 15	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (बिलियन ₹)	2,602.4	4,020.3	3,726.7	4,590.5	3,979.7
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (बिलियन ₹)	673.6	1,044.3	772.3	1,500.2	1,094.1
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	7.35-13.14	6.03-14.21	6.08-14.19	5.90-14.92	5.99-13.33

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर

(बिलियन ₹)

मद	2016-17	2016	2017					
		अप्रै. 1	फर. 24	मार्च 3	मार्च 10	मार्च 17	मार्च 24	मार्च 31
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 मांग मुद्रा	259.0	338.9	210.8	214.7	236.2	221.3	258.4	338.7
2 नोटिस मुद्रा	46.8	71.1	12.1	83.8	3.8	121.9	5.7	21.0
3 मीयादी मुद्रा	8.4	3.0	6.8	6.3	6.7	2.6	6.2	9.7
4 सीबीएलओ	1,700.2	1,313.6	1,896.1	2,510.3	2,380.9	2,161.9	2,721.7	2,229.6
5 बाजार रिपो	1,753.3	1,029.5	1,669.2	2,273.8	1,641.2	1,950.5	1,343.3	2,384.7
6 कार्पोरेट बांड में रिपो	2.5	1.6	2.0	1.2	0.9	4.8	12.1	5.0
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	55,345	83,653	55,158	53,476	53,763	62,828	58,787	88,386
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	1,249.1	1,019.3	494.3	670.1	534.3	568.0	734.6	783.5
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	50.7	66.2	45.5	74.5	84.7	65.7	96.9	73.0
10 खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	45.1	75.7	44.3	40.5	25.3	33.6	34.4	86.2
10.2 182-दिवसीय	11.8	10.2	1.7	7.8	14.2	3.8	8.3	9.9
10.3 364-दिवसीय	18.5	13.6	12.5	14.5	15.2	24.5	20.3	16.4
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	13.8	–	6.5	54.7	14.0	–	–	–
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	1388.8	1,184.8	604.7	862.1	687.8	695.6	894.5	969.0
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	–	10.0	0.4	14.8	0.3	0.6	7.9	3.0

सं. 30: गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि बिलियन ₹ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2016-17		2015-16 (अप्रै.-मार्च)		2016-17 (अप्रै.-मार्च)*		मार्च 2016		मार्च 2017*	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	**116**	**303.6**	**87**	**240.0**	**116**	**303.6**	**17**	**16.9**	**29**	**34.9**
1ए प्रीमियम	113	291.3	78	225.7	113	291.3	14	15.9	29	33.2
1.1 पब्लिक	105	280.7	73	142.5	105	280.7	15	12.4	26	32.2
1.1.1 प्रीमियम	102	270.4	65	134.2	102	270.4	12	11.6	26	30.8
1.2 राइट्स	11	22.9	14	97.5	11	22.9	2	4.5	3	2.6
1.2.1 प्रीमियम	11	20.9	13	91.4	11	20.9	2	4.3	3	2.4
2 अधिमान शेयर	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3 डिबेंचर	**15**	**293.3**	**9**	**27.1**	**15**	**293.3**	–	–	–	–
3.1 परिवर्तनीय	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
3.2 अपरिवर्तनीय	15	293.3	9	27.1	15	293.3	–	–	–	–
3.1.1 पब्लिक	15	293.3	9	27.1	15	293.3	–	–	–	–
3.1.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4 बांड	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.1 पब्लिक	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4.2 राइट्स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5 कुल (1+2+3+4)	**131**	**596.9**	**96**	**267.2**	**131**	**596.9**	**17**	**16.9**	**29**	**34.9**
5.1 पब्लिक	120	573.9	82	169.7	120	573.9	15	12.4	26	32.2
5.2 राइट्स	11	22.9	14	97.5	11	22.9	2	4.5	3	2.6

* आंकड़े अनंतिम है।
स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी)

बाह्य क्षेत्र

सं. 31: विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2016-17	2016			2017		
			मार्च	नवं.	दिसं.	जन.	फर.	मार्च
		1	2	3	4	5	6	7
1 निर्यात	बिलियन ₹	18,413.1	1,535.6	1,357.7	1,627.1	1,511.0	1,643.4	1,925.7
	अमरीकी मिलियन डालर	274,645.1	22,911.7	20,077.1	23,963.7	22,194.9	24,500.4	29,232.1
1.1 तेल	बिलियन ₹	2,067.5	146.7	168.1	194.0	184.0	166.6	243.8
	अमरीकी मिलियन डालर	30,836.1	2,188.2	2,485.4	2,856.9	2,702.5	2,483.8	3,701.0
1.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	16,345.7	1,388.9	1,189.6	1,433.2	1,327.0	1,476.8	1,681.9
	अमरीकी मिलियन डालर	243,809.0	20,723.5	17,591.7	21,106.7	19,492.4	22,016.6	25,531.1
2 आयात	बिलियन ₹	25,509.3	1,830.4	2,239.2	2,340.2	2,180.5	2,221.8	2,613.3
	अमरीकी मिलियन डालर	380,367.7	27,310.3	33,111.4	34,465.3	32,028.0	33,124.4	39,669.2
2.1 तेल	बिलियन ₹	5,798.3	323.2	463.3	519.9	555.6	515.2	639.9
	अमरीकी मिलियन डालर	86,457.9	4,822.6	6,850.8	7,656.2	8,161.2	7,681.2	9,714.0
2.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	19,711.0	1,507.2	1,775.9	1,820.3	1,624.9	1,706.6	1,973.4
	अमरीकी मिलियन डालर	293,909.8	22,487.7	26,260.6	26,809.1	23,866.9	25,443.2	29,955.2
3 व्यापार शेष	बिलियन ₹	–7,096.1	–294.8	–881.5	–713.1	–669.4	–578.5	–687.6
	अमरीकी मिलियन डालर	–105,722.6	–4,398.5	–13,034.3	–10,501.6	–9,833.1	–8,623.9	–10,437.2
3.1 तेल	बिलियन ₹	–3,730.8	–176.6	–295.2	–325.9	–371.6	–348.6	–396.1
	अमरीकी मिलियन डालर	–55,621.8	–2,634.4	–4,365.3	–4,799.2	–5,458.6	–5,197.4	–6,013.0
3.2 तेल से इतर	बिलियन ₹	–3,365.3	–118.2	–586.2	–387.2	–297.8	–229.8	–291.4
	अमरीकी मिलियन डालर	–50,100.7	–1,764.2	–8,669.0	–5,702.4	–4,374.5	–3,426.5	–4,424.2

स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय।

सं. 32: विदेशी मुद्रा भंडार

मद	इकाई	2016	2017					
		अप्रै. 22	मार्च 17	मार्च 24	मार्च 31	अप्रै. 7	अप्रै. 14	अप्रै. 21
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल भंडार	**बिलियन ₹**	**23,932**	**24,056**	**24,103**	**23,982**	**23,765**	**23,796**	**23,965**
	अमरीकी मिलियन डालर	**361,601**	**366,781**	**367,932**	**369,955**	**368,998**	**369,888**	**371,138**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	बिलियन ₹	22,335	22,480	22,526	22,449	22,235	22,265	22,432
	अमरीकी मिलियन डालर	337,537	343,102	344,235	346,319	345,368	346,249	347,486
1.2 स्वर्ण	बिलियन ₹	1,334	1,329	1,329	1,288	1,288	1,288	1,288
	अमरीकी मिलियन डालर	20,115	19,914	19,914	19,869	19,869	19,869	19,869
1.3 एसडीआर	बिलियन ₹	1,066	1,065	1,065	1,066	1,065	1,065	1,065
	अमरीकी मिलियन डालर	100	95	95	94	93	93	94
	बिलियन ₹	1,498	1,445	1,452	1,447	1,443	1,447	1,452
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	बिलियन ₹	163	152	153	151	149	150	151
	अमरीकी मिलियन डालर	2,451	2,321	2,331	2,321	2,318	2,324	2,331

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियां

(मिलियन अमरीकी डालर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2015-16	2016	2017		2015-16	2016-17
		फर.	जन.	फर.	अप्रै.-फर.	अप्रै.-फर.
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियां	**126,929**	**121,736**	**110,085**	**111,563**	**13,714**	**–14,836**
1.1 एफसीएनआर (बी)	45,316	44,743	20,641	20,573	1,920	–24,743
1.2 एनआर (ई) आरए	71,468	67,518	77,857	79,182	11,012	8,183
1.3 एनआरओ	10,145	9,475	11,588	11,809	783	1,724

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2015-16	2016-17	2016	2017	
		अप्रै.-मार्च	अप्रै.-मार्च	मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**35,874**	**36,021**	**35,874**	**1,531**	**1,102**	**395**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1. 1.1.2)	**43,770**	**44,907**	**43,770**	**2,742**	**2,214**	**3,814**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह/सकल निवेश	**60,082**	**55,559**	**60,082**	**3,864**	**2,657**	**4,256**
1.1.1.1.1ईक्विटी	44,705	41,112	44,705	2,579	1,322	2,560
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	5,900	3,574	5,900	98	16	82
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	30,417	32,494	30,417	1,736	908	1,585
1.1.1.1.1.3 शेयरों की अधिप्राप्ति	7,161	3,933	7,161	633	286	782
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की ईक्विटी पूंजी	1,227	1,111	1,227	112	112	112
1.1.1.1.2पुनर्निवेशित आय	12,176	10,413	12,176	1,033	1,033	1,033
1.1.1.1.3अन्य पूंजी	3,201	4,034	3,201	253	301	663
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	**16,312**	**10,652**	**16,312**	**1,122**	**442**	**442**
1.1.1.2.1ईक्विटी	16,002	10,524	16,002	1,114	440	440
1.1.1.2.2अन्य पूंजी	311	128	311	8	2	2
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**7,896**	**8,886**	**7,896**	**1,211**	**1,112**	**3,419**
1.1.2.1 ईक्विटी पूंजी	9,852	6,486	9,852	1,120	654	2,696
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	3,190	3,337	3,190	278	278	278
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4,442	3,382	4,442	267	423	688
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन /विनिवेश	9,588	4,320	9,588	454	242	242
1.2 निवल संविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**7,912**	**–4,130**	**7,912**	**1,107**	**2,440**	**9,020**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	–	373	–	–	–	–
1.2.2 एफआईआई	7,735	–4,016	7,735	1,358	2,454	9,034
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	–	–	–	–	–	–
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	–177	487	–177	250	15	15
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	**43,786**	**31,891**	**43,786**	**2,638**	**3,542**	**9,414**

सं. 35: निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	2016-17	2016	2017		
		मार्च	जन.	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**8,170.7**	**635.2**	**727.5**	**570.3**	**872.3**
1.1 जमाराशियां	283.8	17.7	24.3	21.2	66.3
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	92.9	13.2	6.3	9.1	10.2
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	443.6	72.3	33.4	27.0	95.6
1.4 उपहार	749.5	60.2	61.6	57.6	87.1
1.5 दान	8.8	0.5	0.1	0.3	2.2
1.6 यात्रा	2,568.0	117.4	217.9	163.2	203.3
1.7 निकट संबंधियों का रखरखाव	2,169.5	208.2	194.6	168.6	267.9
1.8 चिकित्सा उपचार	17.3	2.0	1.7	1.1	2.2
1.9 विदेश में शिक्षा	1,536.4	117.1	179.1	114.5	115.1
1.10 अन्य	300.8	26.7	8.5	7.7	22.3

सं. 36: भारतीय रुपये का वास्तविक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (रीर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर सूचकांक (नीर)

मद	2015-16	2016-17	2016	2017	
			अप्रैल	मार्च	अप्रैल
	1	2	3	4	5
36-मुद्रा निर्यात और व्यापार आधारित भारांक (आधार: 2004-05=100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	74.76	74.66	73.38	77.18	78.82
1.2 रीर	112.07	114.50	111.23	117.57	120.08
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	76.45	76.39	75.43	79.01	80.72
2.2 रीर	114.44	116.46	113.78	119.39	121.98
6-मुद्रा व्यापार आधारित भारांक					
1 आधार : 2004-05 (अप्रैल-मार्च) =100					
1.1 नीर	67.52	67.17	66.12	69.81	70.98
1.2 रीर	122.71	125.98	122.11	130.74	132.93
2 आधार : 2015-16 (अप्रैल-मार्च) =100					
2.1 नीर	100.00	99.47	97.93	103.38	105.11
2.2 रीर	100.00	102.67	99.51	106.54	108.33

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार पंजीकरण

(राशि अमरीकी मिलियन डालर में)

मद	2016-17	2016	2017	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1 स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	729	77	62	86
1.2 राशि	16,247	1,320	1,674	2,588
2 अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	37	4	3	1
2.2 राशि	5,738	201	553	759
3 कुल (1+2)				
3.1 संख्या	766	81	65	87
3.2 राशि	21,985	1,521	2,227	3,347
4 भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	5.30	5.70	4.50	5.90
5 ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 6 महीने के लिबॉर पर भारित औसत मार्जिन या अस्थिर दर के ऋणों के लिए संदर्भ दर	1.62	2.27	1.55	1.92
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-14.75	0.00-13.00	0.00-11.20	0.00-11.50

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	अक्तू.-दिसं. 2015 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं 2016 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**237,940**	**233,883**	**4,056**	**268,138**	**269,380**	**–1,242**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**122,575**	**129,697**	**–7,121**	**130,151**	**138,069**	**–7,919**
1.1 पण्य	**64,937**	**98,913**	**–33,975**	**68,755**	**102,032**	**–33,277**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**57,638**	**30,784**	**26,854**	**61,395**	**36,037**	**25,358**
1.2.1 सेवाएं	37,904	19,891	18,013	42,148	24,508	17,639
1.2.1.1 यात्रा	5,761	3,357	2,404	6,187	3,710	2,476
1.2.1.2 परिवहन	3,310	3,450	–140	3,797	3,268	529
1.2.1.3 बीमा	449	334	115	522	413	109
1.2.1.4 जीएनआईई	147	123	25	176	135	40
1.2.1.5 विविध	28,237	12,627	15,610	31,467	16,981	14,486
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	19,195	639	18,556	18,967	945	18,021
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	6,667	7,646	–979	8,319	8,067	253
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	958	887	72	1,210	1,624	–414
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	483	223	260	559	231	327
1.2.2 अंतरण	15,936	687	15,250	15,276	1,382	13,894
1.2.2.1 आधिकारिक	163	218	–55	110	212	–102
1.2.2.2 निजी	15,773	469	15,305	15,166	1,170	13,996
1.2.3 आय	3,798	10,206	–6,408	3,972	10,147	–6,176
1.2.3.1 निवेश आय	2,918	9,640	–6,722	2,965	9,516	–6,552
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	880	566	314	1,007	631	376
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**115,102**	**104,187**	**10,915**	**137,465**	**131,310**	**6,155**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**63,614**	**52,358**	**11,256**	**66,972**	**68,498**	**–1,527**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	16,982	6,280	10,702	18,567	8,753	9,814
2.1.1.1 भारत में	16,315	2,399	13,916	18,086	4,871	13,216
2.1.1.1.1 इक्विटी	13,127	2,363	10,763	14,532	4,812	9,720
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	2,631	0	2,631	3,046	0	3,046
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	558	36	522	508	59	449
2.1.1.2 विदेश में	667	3,881	–3,214	480	3,882	–3,401
2.1.1.2.1 इक्विटी	667	1,934	–1,267	480	2,241	–1,760
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	834	–834	0	688	–688
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	1,113	–1,113	0	953	–953
2.1.2 संविभाग निवेश	46,632	46,078	554	48,405	59,746	–11,341
2.1.2.1 भारत में	46,521	45,957	563	48,250	59,564	–11,314
2.1.2.1.1 एफआईआई	46,521	45,957	563	48,250	59,564	–11,314
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	36,520	37,148	–629	37,637	42,371	–4,733
2.1.2.1.1.2 ऋण	10,001	8,809	1,192	10,613	17,194	–6,581
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	111	121	–9	154	181	–27
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**28,768**	**31,095**	**–2,328**	**31,179**	**29,495**	**1,685**
2.2.1 बाह्य सहायता	1,513	1,175	338	1,601	1,058	543
2.2.1.1 भारत द्वारा	15	129	–113	14	57	–43
2.2.1.2 भारत को	1,498	1,047	451	1,587	1,001	586
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	6,525	7,405	–880	6,121	7,943	–1,822
2.2.2.1 भारत द्वारा	432	200	232	963	280	683
2.2.2.2 भारत को	6,093	7,205	–1,112	5,158	7,663	–2,505
2.2.3 भारत को अल्पावधि	20,729	22,515	–1,786	23,457	20,493	2,964
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	20,062	22,515	–2,453	22,700	20,493	2,207
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	667	0	667	757	0	757
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**17,348**	**16,033**	**1,315**	**30,610**	**27,430**	**3,180**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	17,347	16,033	1,314	30,610	27,427	3,182
2.3.1.1 आस्तियां	3,731	3,941	–211	19,123	107	19,016
2.3.1.2 देयताएं	13,616	12,092	1,524	11,487	27,321	–15,834
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	11,829	10,279	1,550	7,450	25,980	–18,530
2.3.2 अन्य	2	0	2	0	2	–2
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	0	0	0	0	0
2.5 अन्य पूंजी	5,372	4,701	672	8,705	5,888	2,817
3 भूल-चूक	**262**	0	**262**	**522**	0	**522**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**4,056**	**–4,056**	**1,242**	0	**1,242**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	4,056	–4,056	1,242	0	1,242

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(बिलियन ₹)

मद	अक्तू.-दिसं. 2015 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं 2016 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**15,686**	**15,418**	**267**	**18,079**	**18,163**	**–84**
1 चालू खाता (1.1+1.2)	**8,081**	**8,550**	**–469**	**8,775**	**9,309**	**–534**
1.1 पण्य	**4,281**	**6,521**	**–2,240**	**4,636**	**6,879**	**–2,244**
1.2 अदृश्य मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**3,800**	**2,029**	**1,770**	**4,140**	**2,430**	**1,710**
1.2.1 सेवाएं	2,499	1,311	1,187	2,842	1,652	1,189
1.2.1.1 यात्रा	380	221	158	417	250	167
1.2.1.2 परिवहन	218	227	–9	256	220	36
1.2.1.3 बीमा	30	22	8	35	28	7
1.2.1.4 जीएनआईई	10	8	2	12	9	3
1.2.1.5 विविध	1,861	832	1,029	2,122	1,145	977
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	1,265	42	1,223	1,279	64	1,215
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	439	504	–65	561	544	17
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	63	58	5	82	110	–28
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	32	15	17	38	16	22
1.2.2 अंतरण	1,051	45	1,005	1,030	93	937
1.2.2.1 आधिकारिक	11	14	–4	7	14	–7
1.2.2.2 निजी	1,040	31	1,009	1,023	79	944
1.2.3 आय	250	673	–422	268	684	–416
1.2.3.1 निवेश आय	192	636	–443	200	642	–442
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	58	37	21	68	43	25
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**7,588**	**6,868**	**720**	**9,269**	**8,854**	**415**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	4,194	3,452	742	4,516	4,618	–103
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	1,120	414	706	1,252	590	662
2.1.1.1 भारत में	1,076	158	917	1,219	328	891
2.1.1.1.1 इक्विटी	865	156	710	980	324	655
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	173	0	173	205	0	205
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	37	2	34	34	4	30
2.1.1.2 विदेश में	44	256	–212	32	262	–229
2.1.1.2.1 इक्विटी	44	127	–84	32	151	–119
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	55	–55	0	46	–46
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	73	–73	0	64	–64
2.1.2 संविभाग निवेश	3,074	3,038	37	3,264	4,028	–765
2.1.2.1 भारत में	3,067	3,030	37	3,253	4,016	–763
2.1.2.1.1 एफआईआई	3,067	3,030	37	3,253	4,016	–763
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	2,407	2,449	–41	2,538	2,857	–319
2.1.2.1.1.2 ऋण	659	581	79	716	1,159	–444
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	7	8	–1	10	12	–2
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**1,896**	**2,050**	**–153**	**2,102**	**1,989**	**114**
2.2.1 बाह्य सहायता	100	77	22	108	71	37
2.2.1.1 भारत द्वारा	1	8	–7	1	4	–3
2.2.1.2 भारत को	99	69	30	107	67	40
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	430	488	–58	413	536	–123
2.2.2.1 भारत द्वारा	28	13	15	65	19	46
2.2.2.2 भारत को	402	475	–73	348	517	–169
2.2.3 भारत को अल्पावधि	1,367	1,484	–118	1,582	1,382	200
2.2.3.1 आपूर्तिकर्ता का ऋण >180 दिन तथा खरीदार का ऋण	1,323	1,484	–162	1,531	1,382	149
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	44	0	44	51	0	51
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**1,144**	**1,057**	**87**	**2,064**	**1,849**	**214**
2.3.1 वाणिज्य बैंक	1,144	1,057	87	2,064	1,849	215
2.3.1.1 आस्तियां	246	260	–14	1,289	7	1,282
2.3.1.2 देयताएं	898	797	100	774	1,842	–1,068
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियां	780	678	102	502	1,752	–1,249
2.3.2 अन्य	0	0	0	0	0	0
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	0	0	0	0	0
2.5 अन्य पूंजी	354	310	44	587	397	190
3 भूल-चूक	**17**	0	**17**	**35**	0	**35**
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	**267**	**–267**	**84**	0	**84**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि -/ कमी +)	0	267	–267	84	0	84

सं. 40: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	अक्तू.-दिसं. 2015 (आं.सं)			अक्तू.-दिसं 2016 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**122,564**	**129,675**	**–7,112**	**130,142**	**138,049**	**–7,907**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**102,841**	**118,804**	**–15,963**	**110,903**	**126,540**	**–15,637**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**64,937**	**98,913**	**–33,975**	**68,755**	**102,032**	**–33,277**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	64,162	89,886	–25,725	69,539	92,220	–22,681
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	776	0	776	–784	0	–784
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	9,027	–9,027	0	9,812	–9,812
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**37,904**	**19,891**	**18,013**	**42,148**	**24,508**	**17,639**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	24	10	14	22	6	16
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	37	93	–56	47	72	–25
1.अ.ख.3 परिवहन	3,310	3,450	–140	3,797	3,268	529
1.अ.ख.4 यात्रा	5,761	3,357	2,404	6,187	3,710	2,476
1.अ.ख.5 निर्माण	345	180	165	591	224	367
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	449	334	115	522	413	109
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	958	887	72	1,210	1,624	–414
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	130	1,245	–1,114	144	1,509	–1,366
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	19,728	949	18,779	19,614	1,247	18,367
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	6,667	7,646	–979	8,319	8,067	253
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	261	161	100	328	439	–111
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	147	123	25	176	135	40
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	86	1,457	–1,371	1,192	3,793	–2,601
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**3,798**	**10,206**	**–6,408**	**3,972**	**10,147**	**–6,176**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	880	566	314	1,007	631	376
1.आ.2 निवेश आय	2,318	9,535	–7,217	2,323	9,365	–7,042
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1,352	4,062	–2,710	1,174	4,620	–3,445
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	42	2,336	–2,294	20	1,656	–1,636
1.आ.2.3 अन्य निवेश	159	3,136	–2,978	265	3,090	–2,826
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	766	1	766	865	0	865
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	600	105	495	641	151	490
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**15,925**	**665**	**15,259**	**15,268**	**1,362**	**13,906**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	15,773	469	15,305	15,166	1,170	13,996
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	15,282	412	14,869	14,579	959	13,620
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	492	57	435	587	211	376
1.इ.2 सामान्य सरकार	151	197	–46	101	192	–90
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**64**	**46**	**18**	**59**	**78**	**–19**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	10	5	5	15	28	–12
2.2 पूँजी अंतरण	54	41	13	44	51	–7
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**115,050**	**108,218**	**6,831**	**138,656**	**131,252**	**7,404**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**16,982**	**6,280**	**10,702**	**18,567**	**8,753**	**9,814**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	16,315	2,399	13,916	18,086	4,871	13,216
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	15,757	2,363	13,394	17,578	4,812	12,766
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	13,127	2,363	10,763	14,532	4,812	9,720
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	2,631	0	2,631	3,046	0	3,046
3.1.अ.2 ऋण लिखत	558	36	522	508	59	449
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	558	36	522	508	59	449
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	667	3,881	–3,214	480	3,882	–3,401
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	667	2,768	–2,101	480	2,928	–2,448
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	667	1,934	–1,267	480	2,241	–1,760
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	834	–834	0	688	–688
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	1,113	–1,113	0	953	–953
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	1,113	–1,113	0	953	–953
3.2 संविभाग निवेश	**46,632**	**46,078**	**554**	**48,405**	**59,746**	**–11,341**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	46,521	45,957	563	48,250	59,564	–11,314
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	36,520	37,148	–629	37,637	42,371	–4,733
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	10,001	8,809	1,192	10,613	17,194	–6,581
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	111	121	–9	154	181	–27
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**3,066**	**2,788**	**278**	**5,931**	**2,811**	**3,120**
3.4 अन्य निवेश	**48,370**	**49,016**	**–646**	**64,512**	**59,943**	**4,569**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	11,831	10,279	1,552	7,450	25,982	–18,532
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	2	0	2	0	2	–2
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	11,829	10,279	1,550	7,450	25,980	–18,530
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	13,556	14,334	–778	30,882	10,449	20,433
3.4.3अ भारत को ऋण	13,108	14,005	–897	29,904	10,112	19,793
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	447	329	118	978	338	640
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	311	441	–130	229	223	5
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	20,729	22,515	–1,786	23,457	20,493	2,964
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	1,943	1,447	496	2,494	2,795	–301
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	**4,056**	**–4,056**	**1,242**	0	**1,242**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	4,056	–4,056	1,242	0	1,242
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**115,050**	**108,218**	**6,831**	**138,656**	**131,252**	**7,404**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	56,431	45,629	10,802	62,010	53,326	8,684
4.2 ऋण लिखत	56,675	57,086	–411	72,910	75,130	–2,220
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	1,943	5,504	–3,560	3,736	2,795	941
5. निवल भूल-चूक	**262**	–	**262**	**522**	–	**522**

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(बिलियन ₹)

मद	अक्टू.-दिसं. 2015 (आं.सं)			अक्टू.-दिसं 2016 (प्रा.)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1 चालू खाता (1.अ+1आ+1.इ)	**8,080**	**8,549**	**–469**	**8,775**	**9,308**	**–533**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**6,780**	**7,832**	**–1,052**	**7,478**	**8,532**	**–1,054**
1.अ.क.माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**4,281**	**6,521**	**–2,240**	**4,636**	**6,879**	**–2,244**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	4,230	5,926	–1,696	4,689	6,218	–1,529
1.अ.क.2 वाणिज्य के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	51	0	51	–53	0	–53
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	595	–595	0	662	–662
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**2,499**	**1,311**	**1,187**	**2,842**	**1,652**	**1,189**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	2	1	1	1	0	1
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	2	6	–4	3	5	–2
1.अ.ख.3 परिवहन	218	227	–9	256	220	36
1.अ.ख.4 यात्रा	380	221	158	417	250	167
1.अ.ख.5 निर्माण	23	12	11	40	15	25
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	30	22	8	35	28	7
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	63	58	5	82	110	–28
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	9	82	–73	10	102	–92
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	1,301	63	1,238	1,322	84	1,238
1.अ.ख.10अन्य कारोबारी सेवाएं	439	504	–65	561	544	17
1.अ.ख.11वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	17	11	7	22	30	–7
1.अ.ख.12अन्यत्र शामिल न की गई सरकारी माल और सेवाएं	10	8	2	12	9	3
1.अ.ख.13अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	6	96	–90	80	256	–175
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**250**	**673**	**–422**	**268**	**684**	**–416**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	58	37	21	68	43	25
1.आ.2 निवेश आय	153	629	–476	157	631	–475
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	89	268	–179	79	311	–232
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	3	154	–151	1	112	–110
1.आ.2.3 अन्य निवेश	10	207	–196	18	208	–191
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	51	0	50	58	0	58
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	40	7	33	43	10	33
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**1,050**	**44**	**1,006**	**1,029**	**92**	**938**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	1,040	31	1,009	1,023	79	944
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	1,007	27	980	983	65	918
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	32	4	29	40	14	25
1.इ.2 सामान्य सरकार	10	13	–3	7	13	–6
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**4**	**3**	**1**	**4**	**5**	**–1**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	1	0	0	1	2	–1
2.2 पूँजी अंतरण	4	3	1	3	3	0
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**7,584**	**7,134**	**450**	**9,349**	**8,850**	**499**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**1,120**	**414**	**706**	**1,252**	**590**	**662**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	1,076	158	917	1,219	328	891
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	1,039	156	883	1,185	324	861
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	865	156	710	980	324	655
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	173	0	173	205	0	205
3.1.अ.2 ऋण लिखत	37	2	34	34	4	30
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	37	2	34	34	4	30
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	44	256	–212	32	262	–229
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	44	182	–139	32	197	–165
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	44	127	–84	32	151	–119
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	55	–55	0	46	–46
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	73	–73	0	64	–64
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	73	–73	0	64	–64
3.2 संविभाग निवेश	**3,074**	**3,038**	**37**	**3,264**	**4,028**	**–765**
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	3,067	3,030	37	3,253	4,016	–763
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	2,407	2,449	–41	2,538	2,857	–319
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	659	581	79	716	1,159	–444
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	7	8	–1	10	12	–2
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**202**	**184**	**18**	**400**	**190**	**210**
3.4 अन्य निवेश	**3,189**	**3,231**	**–43**	**4,350**	**4,042**	**308**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	780	678	102	502	1,752	–1,250
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी डेट मूवमेंट; एनआरजी)	0	0	0	0	0	0
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जेमाराशियां लेने वाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	780	678	102	502	1,752	–1,249
3.4.2.3 सामान्य सरकार	–	–	–	–	–	–
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	–	–	–	–	–	–
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	894	945	–51	2,082	705	1,378
3.4.3अ भारत को ऋण	864	923	–59	2,016	682	1,335
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	29	22	8	66	23	43
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	20	29	–9	15	15	0
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	1,367	1,484	–118	1,582	1,382	200
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	128	95	33	168	188	–20
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**0**	**267**	**–267**	**84**	**0**	**84**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	–	–	–	–	–	–
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	–	–	–	–	–	–
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	267	–267	84	0	84
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**7,584**	**7,134**	**450**	**9,349**	**8,850**	**499**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	3,720	3,008	712	4,181	3,595	585
4.2 ऋण लिखत	3,736	3,763	–27	4,916	5,066	–150
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	128	363	–235	252	188	63
5. निवल भूल-चूक	**17**	–	**17**	**35**	–	**35**

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमरीकी डालर)

मद	वित्तीय वर्ष/समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2015-16		2015		2016			
			दिसं.		सितं.		दिसं.	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	141,626	293,854	139,038	282,609	140,733	311,691	144,134	318,502
1.1 इक्विटी पूंजी और पुनर्निवेशित अर्जन	96,961	280,267	95,122	269,456	94,176	297,517	96,623	304,514
1.2 अन्य पूंजी	44,665	13,587	43,916	13,153	46,557	14,174	47,511	13,988
2 संविभाग निवेश	2,461	224,783	1,710	225,292	2,256	232,086	2,283	221,183
2.1 इक्विटी	1,541	141,864	1,568	141,693	1,943	148,085	2,280	140,567
2.2 ऋण	919	82,919	143	83,599	313	84,001	4	80,616
3 अन्य निवेश	45,850	392,571	41,656	386,525	50,396	390,049	36,124	366,419
3.1 व्यापार ऋण	2,913	82,284	4,548	79,551	2,236	81,964	1,949	84,778
3.2 ऋण	6,713	170,472	3,683	170,749	6,258	166,897	4,245	160,295
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	20,861	127,109	17,322	122,800	26,535	130,220	14,594	110,019
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	15,363	12,706	16,103	13,425	15,368	10,968	15,335	11,327
4 रिज़र्व्स	360,177	–	350,381	–	371,990	–	358,898	–
5 कुल आस्तियां/देयताएं	550,114	911,208	532,786	894,426	565,376	933,826	541,439	906,104
6 आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)		–361,094		–361,640		–368,450		–364,664

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

प्रणाली	मात्रा (मिलियन)				मूल्य (बिलियन ₹)			
	2016-17	2017			2016-17	2017		
		जन.	फर.	मार्च		जन.	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 आरटीजीएस	**107.86**	**9.33**	**9.11**	**12.54**	**1,253,652.08**	**100,602.54**	**95,266.75**	**154,094.85**
1.1 ग्राहक लेनदेन	103.66	8.98	8.80	12.14	849,950.51	68,863.65	66,382.31	111,825.01
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	4.17	0.35	0.31	0.39	131,953.25	8,622.42	7,836.50	11,550.82
1.3 अंतरबैंक समाशोधन	0.018	0.002	0.002	0.002	271,748.31	23,116.47	21,047.93	30,719.02
2 सीसीआईएल परिचालित प्रणाली	**3.65**	**0.32**	**0.25**	**0.29**	**1,056,173.36**	**88,068.84**	**75,377.92**	**94,415.57**
2.1 सीबीएलओ	0.22	0.02	0.02	0.02	229,528.33	21,189.97	20,269.84	27,536.97
2.2 सरकारी प्रतिभूतियों का समाशोधन	1.51	0.12	0.08	0.09	404,389.08	34,408.21	27,361.26	29,315.32
2.2.1 एकमुश्त	1.34	0.11	0.07	0.07	168,741.46	13,427.04	8,366.97	8,522.45
2.2.2 रिपो	0.168	0.014	0.012	0.015	235,647.62	20,981.17	18,994.29	20,792.87
2.3 विदेशी समाशोधन	1.93	0.19	0.16	0.19	422,255.95	32,470.67	27,746.83	37,563.28
3 पेपर समाशोधन	**1,206.69**	**131.17**	**107.94**	**127.98**	**80,958.15**	**7,281.23**	**6,406.73**	**8,654.94**
3.1 चेक ट्रंकेशन प्रणाली	1,111.86	118.45	100.44	119.21	74,035.22	6,618.44	5,993.95	8,062.77
3.2 एमआईसीआर समाशोधन	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.1 आरबीआई के केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.2.2 अन्य केन्द्र	–	-	-	-	–	–	–	–
3.3 गैर-एमआईसीआर समाशोधन	94.83	12.71	7.50	8.78	6,922.93	662.79	412.78	592.17
4 खुदरा इलेक्ट्रानिक समाशोधन	**4,161.78**	**386.31**	**359.28**	**437.39**	**131,917.39**	**12,399.63**	**11,961.49**	**17,699.79**
4.1 ईसीएस नामे	8.76	0.20	0.19	0.23	39.14	1.43	1.31	1.55
4.2 ईसीएस जमा (एनईसीएस शामिल है)	10.10	0.76	0.68	0.92	144.08	10.51	8.04	9.69
4.3 ईएफटी/एनईएफटी	1,622.10	164.19	148.21	186.70	120,039.68	11,355.08	10,877.91	16,294.50
4.4 तुरंत भुगतान सेवाएं (आईएमपीएस)	506.73	62.42	59.75	67.41	4,111.06	491.25	482.21	564.68
4.5 राष्ट्रीय स्वचलित समाशोधन गृह (एनएसीएच)	2,014.10	158.74	150.45	182.12	7,583.43	541.36	592.03	829.37
5 कार्ड	**12,054.47**	**1,154.21**	**1,039.67**	**1,087.98**	**30,208.92**	**2,335.10**	**2,575.77**	**2,947.56**
5.1 क्रेडिट कार्ड	1,092.11	113.24	95.35	106.70	3,307.12	328.62	288.95	331.11
5.1.1 एटीएम का प्रयोग	6.36	0.44	0.42	0.48	28.34	1.54	1.91	2.24
5.1.2 पीओएस का प्रयोग	1,085.75	112.80	94.93	106.22	3,278.78	327.08	287.04	328.87
5.2 डेबिट कार्ड	10,962.36	1,040.97	944.32	981.28	26,901.79	2,006.48	2,286.82	2,616.45
5.2.1 एटीएम का प्रयोग	8,563.06	712.35	692.57	710.11	23,602.73	1,516.44	1,928.38	2,259.46
5.2.2 पीओएस का प्रयोग	2,399.30	328.62	251.75	271.17	3,299.07	490.04	358.43	356.99
6 प्रीपेड भुगतान लिखत (पीपीआई)	**1,963.66**	**295.80**	**280.02**	**342.09**	**838.01**	**110.01**	**96.28**	**106.77**
6.1 एम-वॉलेट	1,629.98	261.67	246.95	307.45	532.42	83.53	69.11	73.12
6.2 पीपीआई कार्ड	333.11	34.08	33.03	34.58	277.52	24.22	25.19	30.88
6.3 पेपर वाउचर	0.51	0.05	0.04	0.06	25.36	2.26	1.98	2.77
7 मोबाइल बैंकिंग	**976.83**	**106.13**	**95.41**	**113.63**	**13,104.26**	**1,383.05**	**1,279.93**	**1,730.39**
8 कार्ड बकाया	**884.72**	**846.83**	**869.06**	**884.72**	–	–	–	–
8.1 क्रेडिट कार्ड	29.84	28.85	29.08	29.84	–	–	–	–
8.2 डेबिट कार्ड	854.87	817.98	839.98	854.87	–	–	–	–
9 एटीएम की संख्या (वास्तव में)	**222475**	**220402**	**221302**	**222475**	–	–	–	–
10 पीओएस की संख्या (वास्तव में)	**2528758**	**2015847**	**2224977**	**2528758**	–	–	–	–
11 कुल जोड़ (1.1+1.2+2+3+4+5+6)	**19,498.09**	**1,977.14**	**1,796.26**	**2,008.27**	**2,281,999.58**	**187,680.87**	**170,637.00**	**247,200.47**

टिप्पणियाः पिछले 12 माह अवधि का डाटा अनंतिम है।

प्रासंगिक श्रृंखला

सं. 44: लघु बचत

(बिलियन ₹)

योजना		2015-16	2015	2016		
			अगस्त	जून	जुला.	अग..
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**3,224.88**	**280.12**	**343.61**	**333.82**	**334.03**
	बकाया	**6,805.58**	**6,411.77**	**6,841.19**	**6,859.78**	**6,877.30**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**2,820.87**	**244.01**	**314.49**	**311.09**	**308.08**
	बकाया	**4,287.13**	**4,040.92**	**4,338.97**	**4,354.83**	**4,374.73**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	1,574.15	129.36	192.62	192.81	189.60
	बकाया	615.67	517.28	678.35	692.39	707.61
1.1.2 एमजीएनआरईजी	प्राप्तियां	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0.51	0.01	–0.01	0.00	0.30
	बकाया	34.97	35.86	33.98	33.76	33.85
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0.06	0.00	0.00	0.00	0.00
	बकाया	1.21	2.01	1.04	0.44	–0.21
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	315.26	28.91	28.91	29.69	31.02
	बकाया	1,938.08	1,979.07	1,882.73	1,868.83	1,855.13
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना	प्राप्तियां	103.21	8.44	7.66	7.73	7.70
	बकाया	228.76	172.45	239.61	242.74	248.52
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	424.53	40.74	40.85	41.46	40.83
	बकाया	706.35	579.74	725.14	732.53	738.96
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	498.16	412.22	503.55	505.54	506.55
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	29.96	22.24	31.13	31.70	32.28
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	47.82	42.43	48.63	48.90	49.17
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	130.41	102.85	141.83	146.39	150.96
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	403.15	36.55	44.46	39.30	38.63
	बकाया	761.79	754.16	777.82	783.74	790.47
1.1.9 डाक घर सावधि मीयादी जमाराशियां	बकाया	0.08	0.08	0.08	0.18	0.18
1.1.10 अन्य जमाराशियां	बकाया	0.05	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2 बचत प्रमाणपत्र	**प्राप्तियां**	0.22	0.27	0.22	0.22	0.22
	बकाया	**326.10**	**31.63**	**23.06**	**17.70**	**21.41**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	**1,942.42**	**1,845.99**	**1,928.97**	**1,930.16**	**1,936.09**
	बकाया	98.26	8.83	6.54	5.57	6.90
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	881.39	870.22	867.65	866.00	866.04
	बकाया	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	8.91	8.87	8.87	8.87	8.92
	बकाया	14.66	–0.61	–	0.10	0.03
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	648.58	754.94	613.57	604.34	595.60
	बकाया	213.18	23.41	16.52	12.03	14.48
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	बकाया	291.18	106.63	326.5	338.52	353
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	बकाया	0.04	–	–	–	–
1.2.7 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	–0.89	–0.86	–0.98	–1.00	–1.00
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	–0.57	–0.55	–0.60	–0.60	–0.57
	बकाया	113.82	106.74	113.96	114.03	114.10
		77.91	**4.48**	**6.06**	**5.03**	**4.54**
		576.03	**524.86**	**573.25**	**574.79**	**566.48**

स्रोतः महालेखाकार, डाक और तार।

सं. 45: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2015	2016			
	दिसं	मार्च	जून	सितं	दिसं
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ बिलियन में)	**44870.80**	**45324.73**	**46422.34**	**47967.49**	**49246.98**
1. वाणिज्य बैंक	43.59	41.81	39.90	40.00	40.92
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.35	0.33	0.45	0.14	0.28
3. बीमाकृत कंपनियां	21.90	22.18	22.63	22.68	22.55
4. म्यूच्युअल फंड	2.52	2.09	2.09	2.13	1.96
5. सहकारी बैंक	2.71	2.75	2.68	2.47	2.63
6. वित्तीय संस्थाएं	0.68	0.72	0.71	0.84	0.86
7. कॉरपोरेट	0.86	1.28	1.31	1.09	1.05
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	3.68	3.65	3.63	3.82	3.13
9. भविष्य निधियां	7.11	6.01	5.89	6.25	6.24
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	12.07	13.47	14.88	14.80	14.61
11. अन्य	4.51	5.72	5.83	5.79	5.77
11.1 राज्य सरकार	1.73	1.84	1.84	1.84	1.83

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां					
श्रेणी	2015	2016			
	दिसं	मार्च	जून	सितं	दिसं
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ बिलियन में)	**14471.93**	**16313.95**	**17277.70**	**18114.95**	**19343.91**
1. वाणिज्य बैंक	40.17	42.11	41.20	40.22	41.25
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	0.21	0.27	0.38	0.35	0.30
3. बीमाकृत कंपनियां	34.06	32.50	32.53	32.67	31.87
4. म्यूच्युअल फंड	0.68	1.05	1.36	1.62	1.36
5. सहकारी बैंक	3.72	3.92	4.01	4.21	4.47
6. वित्तीय संस्थाएं	0.22	0.25	0.25	0.27	0.29
7. कॉरपोरेट	0.17	0.13	0.13	0.14	0.13
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	0.25	0.27	0.22	0.08	0.06
9. भविष्य निधियां	16.69	15.95	16.39	16.84	16.81
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.02	0.04	0.02	0.01	0.03
11. अन्य	3.81	3.51	3.52	3.59	3.43
11.1 राज्य सरकार	-	-	-	-	-

खज़ाना बिल					
श्रेणी	2015	2016			
	दिसं	मार्च	जून	सितं	दिसं
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ बिलियन में)	**4256.00**	**3644.02**	**4310.09**	**4202.40**	**4366.47**
1. वाणिज्य बैंक	58.91	71.79	54.41	52.58	50.47
2. गैर-बैंक प्राथमिक डीलर्स	2.14	1.93	1.85	1.38	1.80
3. बीमाकृत कंपनियां	2.19	1.50	1.83	1.91	2.02
4. म्यूच्युअल फंड	5.86	1.66	11.77	16.06	12.91
5. सहकारी बैंक	1.90	2.75	2.23	3.52	3.28
6. वित्तीय संस्थाएं	3.80	3.61	3.09	2.75	2.76
7. कॉरपोरेट	2.30	1.79	2.22	1.21	1.81
8. विदेशी संस्थागत निवेशक	-	-	-	-	-
9. भविष्य निधियां	0.06	0.25	0.03	0.45	0.43
10. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.23	0.31	0.25	0.16	0.09
11. अन्य	22.62	14.42	22.30	19.96	24.44
11.1 राज्य सरकार	19.26	10.52	18.26	15.98	20.51

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(बिलियन ₹)

मद	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 राजस्व आय	2016-17 बजट व्यय
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	**24,217.68**	**26,949.34**	**30,002.99**	**32,852.10**	**39,741.03**	**44,488.60**
1.1 गतिविधियां	14,209.38	15,741.62	17,142.21	18,720.62	23,837.17	26,067.29
1.1.1 राजस्व	11,394.64	12,807.14	13,944.26	14,830.18	18,094.68	20,242.44
1.1.2 पूंजी	2,163.39	2,446.11	2,785.08	3,322.62	4,542.11	5,151.89
1.1.3 ऋण	651.35	488.38	412.88	567.82	1,200.38	672.95
1.2 गैर गतिविधियां	9,695.88	10,850.47	12,427.83	13,667.69	15,364.68	17,829.04
1.2.1 राजस्व	8,923.61	9,991.40	11,413.65	12,695.20	14,147.20	16,434.87
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	4,000.03	4,543.06	5,342.30	5,845.42	6,521.54	7,391.75
1.2.2 पूंजी	754.79	837.14	990.37	946.87	1,176.25	1,362.18
1.2.3 ऋण	17.48	21.93	23.81	25.63	41.22	31.99
1.3 अन्य	312.42	357.24	432.95	463.79	539.18	592.27
2. कुल प्राप्तियां	**24,540.62**	**27,690.29**	**30,013.72**	**31,897.37**	**39,487.15**	**44,385.62**
2.1 राजस्व प्राप्तियां	16,926.79	19,716.19	22,114.75	23,876.93	29,054.10	33,937.91
2.1.1 कर प्राप्तियां	14,427.52	16,879.59	18,465.45	20,207.28	23,552.87	26,494.70
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	8,745.55	10,385.91	11,257.81	12,123.48	14,666.39	16,545.80
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	5,654.12	6,462.73	7,176.34	8,051.76	8,847.00	9,907.68
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	27.85	30.94	31.30	32.04	39.48	41.21
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	2,499.27	2,836.60	3,649.30	3,669.65	5,501.23	7,443.21
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	288.70	355.43	401.62	396.22	332.19	384.67
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	441.23	389.20	391.13	609.55	441.00	751.23
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	253.70	129.29	93.85	220.72	177.37	184.74
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	187.53	259.91	297.28	388.83	263.63	566.49
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	**6,849.66**	**6,843.95**	**7,497.11**	**8,365.63**	**10,245.93**	**9,799.45**
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	6,725.18	6,771.94	7,424.19	8,236.30	10,131.08	9,608.51
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	3,898.30	3,352.80	3,358.58	–374.76	2,310.90	...
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	1,391.80	548.40	1,081.30	–3,341.85	604.72	...
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	2,826.88	3,419.14	4,065.61	8,611.06	7,820.18	...
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	124.48	72.01	72.92	129.33	114.85	190.94
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	6,725.18	6,771.94	7,424.19	8,236.30	10,131.08	9,608.51
3ख.1.1 बाज़ार उधार (निवल)	6,195.07	6,536.94	6,391.99	6,640.58	7,355.38	7,639.22
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	190.88	–85.70	–142.81	–565.80	–809.63	–140.80
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	334.33	329.94	312.90	343.39	361.07	383.89
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	178.51	–4.12	34.63	51.09	–4.99	–80.02
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	122.10	27.22	255.45	275.45	304.46	239.90
3ख.1.6 नकद शेष	–322.94	–740.96	–10.72	954.74	253.88	102.97
3ख.1.7 अन्य	27.23	708.62	582.75	536.84	2,670.91	1,463.35
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	124.48	72.01	72.92	129.33	114.85	190.94
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल वितरण	*27.7*	*27.1*	*26.7*	*26.4*	*29.1*	*29.5*
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कुल प्राप्तियां	*28.1*	*27.8*	*26.7*	*25.7*	*28.9*	*29.5*
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर राजस्व प्राप्तियां	*19.4*	*19.8*	*19.7*	*19.2*	*21.2*	*22.5*
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर कर प्राप्तियां	*16.5*	*17.0*	*16.4*	*16.3*	*17.2*	*17.6*
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत पर सकल वित्तीय घाटा	*7.8*	*6.9*	*6.7*	*6.7*	*7.5*	*6.5*

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6: वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।

3.5 और 3.7: वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।

4.1 से 4.4, 4.8.4.12 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।

4.5, 4.6 और 4.7 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।

4.9 से 4.11 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम निलामी दिन से संबंधित है।

सारणी सं. 2

2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।

2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियों और अल्पावधि प्रतिभूतियों/बांडों सहित जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वता वार बकाया फॉर्वर्ड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य को विशेष पुर्नवित्त सुविधा, अर्थात् एक्ज़िम बैंक को 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे सूचना देने के लिए नियत अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।

2.2 : आईएमएफ खाता सं.1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं.7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4: आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांड शामिल हैं।

सारणी सं.8

एनएम2 और एनएम3 में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।

2.4: चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।

2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं.9

वित्तीय संस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।

एल1 और एल2 मासिक आधार पर और एल3 तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।

जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनःदिए गए हैं।

सारणी सं.13

कालम सं (1),(2) और (3) के सामने दर्शाए गए आंकड़े अंतिम (आरआरबी सहित) हैं और कालम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम (आरआरबी को छोड़कर) हैं।

सारणी सं.15 और 16

डाटा अनंतिम है और चुनिंदा बैंकों से संबंधित है जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (आईएनजी वैश्य को छोड़कर जिसे अप्रैल 2015 को कोटक महिंद्रा के साथ विलय किया गया है) द्वारा कुल दिये गये कुल खाद्येतर ऋण के 95 प्रतिशत शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत निर्यात ऋण केवल विदेशी बैंक से संबंधित है। मद 2.1 के अंतर्गत माइक्रो और लघु में विनिर्माण क्षेत्र में माइक्रो और लघु उद्योग को ऋण शामिल है।

मद 5.2 के अंतर्गत माइक्रो और लघु उद्यमों में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में माइक्रो तथा लघु उद्यमों को ऋण शामिल है।

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र पुरानी परिभाषा के अनुसार है और दि. 23 अप्रैल 2015 के एफआईडीडी परिपत्र एफआईडीडी.केका. प्लान.बीसी.54/ 04.09.01/2014-15 के अनुरूप नहीं है।

सारणी सं.17

2.1.1: राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।
2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।
4. : आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं.24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं.30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।
1: बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।
2: संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी-अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं.32

आईआईएफ सी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बांडों में निवेश तथा सार्क स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा और भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर शामिल नहीं हैं। अमरीकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर-यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास को शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रूपी-अमरीकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं.34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान
'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं/शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय-अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान-संतुलन के आंकड़ो से मेल न खाएं।

सारणी सं.35

1.10 : जर्नलों के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं.36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का संकेतक । 6-मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2012-13 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतन किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। इससे संबंधित कार्यपद्धति का विवरण बुलेटिन के दिसंबर 2005 और अप्रैल 2014 अंक में दिया गया है।

सारणी सं.37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बांडों के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं.38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं.43

1.3 : बहुपक्षीय निवल निपटान समूहों से संबंधित है।

3.1: मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै - तीन केन्द्रों से संबंधित है।

3.3 : 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित है।

6: दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

7: आईएमपीएस लेनदेन शामिल हैं।

9: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा खोले गए एटीएम और व्हाइट लेबल एटीएम शामिल है। अप्रैल 2014 से व्हाइट लेबल एटीएम शामिल किए गए है।

सारणी सं. 45

(-): नगण्य को दर्शाता है।

इस तिमाही में, संशोधित टेबल फार्मेट केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों सहित राज्य सरकारों की स्वामित्ववाली प्रतिभूतियाँ और खज़ाना बिलों सहित शामिल है। इसके अतिरिक्त, पहली बार राज्य सरकारों की धारित प्रतिभूतियों को अलग श्रेणी में दर्शाया गया है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बान्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इसका हिस्सा बहुत कम है।

"अन्य" श्रेणी में राज्य सरकारों, पेंशन निधियां, न्यास, संस्थाएं, हिंदू अविभक्त परिवार / वैयक्तिक आदि. शामिल है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों (जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी की हैंडबुक)** में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2017	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹4200 (डाक प्रभार सहित एक वर्ष का अभिदान) ₹3150 (एक वर्ष का रियायती दर*) ₹3360 (एक वर्ष का अंशदान - डाक प्रभार सहित@) ₹2520 (एक वर्ष का रियायती दर*)	15 अमरीकी डॉलर एक प्रति (डाक प्रभार सहित) 180 अमरीकी डॉलर (एक वर्ष का अभिदान) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय स्टेट 2015-16 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹550 एक प्रति (सामान्य) ₹600 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	22 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय इकोनॉमी 2015-16 पर सांख्यिकीय हैंड बुक	₹500 एक प्रति (सामान्य) ₹550 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹375 एक प्रति (रियायती) ₹425 एक प्रति (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमरीकी डॉलर एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. मुद्रा एवं वित्त संबंधी रिपोर्ट 2009-12 राजकोषीय-मौद्रिक समन्वयन	₹ 515 (सामान्य) ₹ 555 (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 16 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मुद्रा एवं वित्त संबंधी रिपोर्ट 2003-08 खंड I से खंड V (विशेष अंक)	₹ 1100 (सामान्य) ₹ 1170 (डाक प्रभार सहित) ₹ 830 (रियायती) ₹ 900 (रियायती डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 55 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. राज्य वित्त : 2015-16 के बजटों का अध्ययन	₹ 430 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 480 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 22 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. राज्य सरकारों के वित्त 2010 पर सांख्यिकीय हैंडबुक	सीडी रोम ₹ 80 (सामान्य) ₹ 105 (डाक प्रभार सहित) ₹ 60 (रियायती) ₹ 85 (रियायती डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 16 एक सीडी (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित) अमरीकी डॉलर 4 एक सीडी (पंजीकृत हवाई डाक प्रभार सहित)
8. सीडी कंपेंडियम ऑफ आर्टिकल्स ऑन स्टेट फाइनेंसेस (1950-51 से 2010-11)	₹ 280 (कांउटर पर) ₹ 305 (डाक प्रभार सहित) ₹ 210 (रियायती) ₹ 235 (रियायती डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 8 (हवाई डाक बुकपोस्ट प्रभार सहित)
9. मिंट रोड माइलस्टोन्स : आरबीआई ऐट 75	₹ 1650 एक प्रति (कांउटर पर)	अमरीकी डॉलर 50 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
10. भारत का वित्तीय क्षेत्र - एक आकलन खंड I से खंड VI 2009	₹ 2000 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 2300 एक प्रति (डाक प्रभार सहित) ₹ 1500 एक प्रति (रियायती मूल्य) ₹ 1800 एक प्रति (रियायती डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 40 एक सेट और अमरीकी डॉलर 120 एक सेट (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
11. दि पेपर ऐंड प्रॉमिस : ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ करेंसी ऐंड बैंकनोट्स इन इण्डिया 2009	₹ 200 एक प्रति (कांउटर पर)	अमरीकी डॉलर 30 एक प्रति (कुरियर हवाई डाक प्रभार सहित)
12. रिपोर्ट ऑफ दि कमिटी ऑन फ्लर कैपिटल अकांउट कन्वर्टिबिलिटी (तारापोर समिति की रिपोर्ट II)	₹ 140 एक प्रति (सामान्य) ₹ 170 (डाक द्वारा एक प्रति)	अमरीकी डॉलर 25 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
13. ए प्रोफाइल ऑफ बैंक्स 2012-13	₹ 80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 110 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 7 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
14. चुनिंदा बैंकिंग संकेतक 1981 से 2002 (सीडी रोम पर)	₹ 250 एक सीडी (कांउटर पर) ₹ 300 एक सीडी (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 75 (एक सीडी) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
15. भारत के बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणी 2012-13	₹ 240 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 300 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 13 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
16. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशि एवं ऋण पर तिमाही सांख्यिकी 1981-2003 (सीडी-रोम पर)	₹ 185 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 240 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 20 एक प्रति अमरीकी डॉलर 55 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
17. भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की मूलभूत सांख्यिकी विवरणियां, खंड 41 मार्च 2012	₹ 270 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 310 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	अमरीकी डॉलर 10 एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
18. भारत का निजी कारपोरेट कारोबार क्षेत्र - चुनिंदा वित्तीय सांख्यिकी 1950-51 से 1997-98	₹ 500 एक सीडी (कांउटर पर)	अमरीकी डॉलर 100 एक सीडी रोम (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
19. बैंकिंग शब्दावली (2012)	₹ 80 एक प्रति (कांउटर पर) ₹ 120 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
20. अनुवाद के विविध आयाम (हिंदी)	₹165 एक प्रति (कांउटर पर) ₹205 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	
21. बैंक में राजभाषा नीति का कार्यान्वयनः दशा और दिशा (हिंदी)	₹150 एक प्रति (कांउटर पर) ₹200 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	

टिप्पणियाः

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलबध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (http://dbie.rbi.org.in)।
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-1997 (4 खंड), वित्तीय संकट के संदर्भ में केन्द्रीय बैंकिंग की चुनौतियां और भारत की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि और वित्त भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों,अध्यापकों/ व्याख्याताओं,अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं,सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

@ इलेक्ट्रानिक भुगतान को बढ़ावा देने हेतु, घरेलू ग्राहक जो एनईएफटी के माध्यम से भुगतान करना चाहते है, उन्हें 20 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है ।

सामान्य अनुदेशः

1. बिकी हुई प्रतियां वापस नहीं ली जाएंगी।
2. प्रकाशनें कन्साइनमेंट वीपीपी आधार पर नहीं भेजा जाएगा।
3. जहां कहीं रियायती मूल्य का उल्लेख नहीं है, वहां भारत में छात्रों, अध्यापकों/व्याख्याताओं, अकादमिक और शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को 25 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी, बशर्ते उन्हें संबंधित संस्था से पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। सामान्यतः प्रकाशनें के पिछले अंक उपलब्ध नहीं है।
4. प्रकाशनों की (सोमवार से शुक्रवार) तक बिक्री तथा वितरण प्रभाग, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं, अमर बिल्डिंग, तल मंज़िल, सर पी.एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स संख्या 1036, मुंबई- 400 001 पर उपलब्ध हैं। बिक्री अनुभाग का संपर्क नं. 022-2260 3000, विस्तार 4002, ई-मेलः spsdcs@rbi.org.in है।
5. अभिदान मुख्यतः एनईएफटी दवारा किया जाना चाहिए और अग्रेषण पत्र, जिसके साथ एनईएफटी विवरण संलग्न हो, मुख्य महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, दूसरी मंज़िल, मुख्य भवन, मुम्बई- 400 001 को संबोधित होना चाहिए।
   एनईएफटी फार्म में निम्नलिखित जानकारी भरना अपेक्षित हैः

लाभार्थी का नाम	कॉर्पोरेट सेवा विभाग, भारिबैं
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा तथा पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाते का प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8691632-86
प्रेषक से प्राप्तकर्ता की जानकारी	अभिदाता का नाम ..... अभिदाता सं.....

6. प्रकाशनों को शीघ्रातिशीघ्र भेजने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। तथापि मांग अधिक होने पर पहले आओ पहले पाओ आधार पर प्रकाशनों की आपूर्ति की जाएगी। औपचारिकताएं पूरा करने और उसके बाद उपलब्ध प्रकाशनों को भेजने में न्यूनतम एक महीने का समय लगेगा। 'प्रकाशन प्राप्त न होने की शिकायत' 2 महीने के अंदर भेजी जाए।
7. **कृपया अपना अंशदान संख्या, नाम, पता तथा ई मेल आईडी to spsdcs@rbi.org.in को प्रेषित करें ताकि हम सुचारु रूप से आपके साथ संपर्क कर सकें।**